शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 91 | गुवाहाटी | शनिवार, 28 अक्तूबर, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

मुख्यमंत्री का आज से होगा नया कार्यालय लोक सेवा भवन पेज 3
भारत 6जी के क्षेत्र में दुनिया का नेतृत्व करेगा : प्रधानमंत्री पेज 4
मुख्यमंत्री योगी ने श्री अन्न महोत्सव का शुभारंभ किया पेज 5
राज विस चुनाव : गहलोत सरकार ने अभी तक पुरानी घोषणा ही पूरी... पेज 8

मुख्यमंत्री ने 62 सिविल इंजीनियरों को सौंपा नियुक्ति पत्र

गुवाहाटी (हि.स.)। राज्य के एक लाख युवाओं को सरकारी नौकरी प्रदान करने के चुनावी वादे को पूरा करने की दिशा में एक और कदम उठाते हुए मुख्यमंत्री डॉ हिमंत वश्व शर्मा ने आज असम सरकार के जल संसाधन विभाग के अंतर्गत 62 सहायक सिविल इंजीनियरों को नियुक्ति पत्र के औपचारिक वितरण में भाग लिया। असम सचिवालय परिसर के *आई* ब्लॉक में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार राज्य के युवाओं को एक लाख सरकारी नौकरियां प्रदान करने के अपने वादे को पूरा करने की दिशा में लगातार काम कर रही है। मई 2021 से शुरू होकर सरकार के विभिन्न विभागों में कुल 87 हजार 720 नौकरी चाहने वालों को नियुक्त किया गया था। उन्होंने कहा कि आज 62 सहायक इंजीनियरों को नियुक्ति पत्र सौंपने के साथ यह संख्या अब 87 हजार 782 हो गई है। हाल ही में प्रकाशित विज्ञापनों का जिक्र करते हुए असम पुलिस में 5 हजार रिक्तियों और स्वास्थ्य विभाग के तहत 3 हजार रिक्तियों को भरने के लिए आवेदन मांगे गए हैं। मुख्यमंत्री डॉ शर्मा ने कहा कि ये और आगामी विज्ञापन ग्रेड - थ्री और ग्रेड - फोर में 8 हजार रिक्तियों को भरने के लिए हैं। शिक्षा विभाग के तहत फोर श्रेणी की 10 हजार -शेष पृष्ठ दो पर

मिजोरम विस चुनाव : नड्डा ने जारी किया भाजपा का घोषणा-पत्र

एजल (हि.स.)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने यहां मिजोरम विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी का घोषणापत्र जारी कर दिया है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा शुक्रवार को दोपहर 3 बजे मिजोरम के लेंगपुई हवाई अड्डे पर पहुंचे। यहां स्थानीय भाजपा के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने शाम 4 बजे एजल के एक होटल रिजेंसी में आयोजित कार्यक्रम में भाजपा का संकल्प पत्र (घोषणापत्र) जारी किया। इसके बाद नड्डा ने शाम 6 बजे मिजोरम पीपुल्स फोरम (एमपीएफ) के अध्यक्ष रेव डॉ सी चवंघमिंगलियाना से मुलाकात भी की। पार्टी अध्यक्ष नड्डा का शाम को ही राष्ट्रीय अध्यक्ष बिशप स्टीफन रोटलुआंगा और शाम 07:10 बजे ब्रू समुदाय के नेताओं व सेंट्रल यंग मिजो एसोसिएशन के नेताओं से भी मिलने का कार्यक्रम है।

2024 लोस चुनाव में भाजपा 11.5 सीटें जीतेगी : सीएम

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा को साढ़े 11 सीटों पर भरोसा है। हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि असम में 11.5 सीटें भाजपा की हैं, बाकी 2.5 सीटें जो कोई भी साझा करना चाहे, हमें कोई अधिकार नहीं है। भगवा पार्टी को हराने के लिए विपक्षी दलों के सर्वोच्च बलिदान के आह्वान की आलोचना करते हुए हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि असम के लोगों को बलिदान की नहीं, बल्कि -शेष पृष्ठ दो पर

शादी रचाने बांग्लादेश से आई फातिमा हुई गिरफ्तार

अगरतला। पाकिस्तान से अंतर्राष्ट्रीय सीमा पार कर भारत अपने प्रेमी से मिलने पहुंची सीमा हैदर की तरह अब एक बांग्लादेशी महिला ने भी अंतर्राष्ट्रीय सीमा पार कर त्रिपुरा अपने प्रेमी से मिलने पहुंची। महिला को अवैध तरीके से उत्तरी त्रिपुरा जिले के धर्मनगर में घुसने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया है। धर्मनगर के फुलबाड़ी के रहने वाले 34 वर्षीय नूर जलाल आयुर्वेद का अभ्यास करते हैं, और अक्सर बांग्लादेश के मौलवी बाजार में जाया करते हैं। इस दौरान नूर 24 वर्षीय फातिमा नुसरत के संपर्क में आए। हालांकि -शेष पृष्ठ दो पर

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path,
Near Dona Planet
ABC, G.S. Road,
Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

मुश्किलों के बाद हासिल की हुई सफलता ही असली आनंद देती है।

– अब्दुल कलाम

न्यूज गैलरी

मणिपुर में मोबाइल इंटरनेट प्रतिबंध 31 तक

इंफाल। मणिपुर सरकार ने मोबाइल इंटरनेट पर प्रतिबंध को 31 अक्तूबर तक बढ़ा दिया है। सरकारी अधिसूचना के अनुसार इस आशंका के कारण प्रतिबंध बढ़ाया गया है कि कुछ असामाजिक तत्व जनता की भावनाओं को भड़काने वाली तस्वीरें, नफरत भरे वीडियो प्रसारित करने के लिए बड़े पैमाने पर इंटरनेट मीडिया का इस्तेमाल कर सकते हैं, जिसका कानून व्यवस्था पर गंभीर असर हो सकता है। अधिसूचना में कहा गया है कि -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री ने 270 अमृत कलश भेजे दिल्ली

गुवाहाटी (हि.स.)। असम में *मेरी माटी मेरा देश* कार्यक्रम के तहत राज्यभर से संग्रहित मिट्टी के कलशों को आज औपचारिक रूप से आज दिल्ली रवाना किया गया। दिल्ली में बनने वाले अमृत उद्यान में उपयोग के लिए एकत्र किए गए कुल 540 अमृत कलशों में से 270 को आज राजधानी एक्सप्रेस से दिल्ली भेजा गया। शेष 270 कलशों की मिट्टी का उपयोग गोहपुर में बनने वाले वीरांगना कनकलता विश्वविद्यालय में किया जाएगा। असम के -शेष पृष्ठ दो पर

सरकारी कर्मचारियों को दूसरी शादी करने से पूर्व लेनी होगी अनुमति : हिमंत

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को कहा कि राज्य सरकार के कर्मचारियों को दूसरी शादी करने से पहले इसकी पूर्व अनुमति लेनी होगी, भले ही उनका धर्म इसकी इजाजत क्यों न देता हो। असम सरकार ने एक हालिया आदेश में अपने कर्मचारियों को उनके जीवनसाथी के जीवित रहने की स्थिति में दूसरी शादी करने से प्रतिबंधित किया है और ऐसा करने में संलिप्त पाये जाने पर दंडात्मक कार्रवाई की चेतावनी दी। शर्मा ने यहां संवाददाताओं से कहा कि यह एक पुराना परिपत्र है। असम सरकार का कोई कर्मचारी, हमारे सेवा नियमों के दृष्टिकोण से, दूसरी शादी करने का हकदार नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि कुछ धर्म आपको दूसरी शादी करने की अनुमति देते हैं, तब भी नियमानुसार आपको राज्य सरकार की अनुमति -शेष पृष्ठ दो पर

अवैध मामलों के कारण लाचित हजारिका और बर्णाली को दी गई फांसी : अल्फा (आई)

गुवाहाटी। प्रतिबंधित उग्रवादी समूह, यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असोम-इंडिपेंडेंट (अल्फा-आई) ने 27 अक्तूबर को एक वीडियो संदेश जारी किया, जिसमें उसके 20 कैडरों ने पिछले डेढ़ वर्षों में उनके म्यांमार शिविर में हुई अराजकता का विवरण दिया। संदेश में अशांति का कारण लाचित हजारिका, जिन्हें सलीम अली के नाम से भी जाना जाता है और बर्णाली असम, जो नयनमोनी चेतिया थीं, के बीच अवैध संबंधों को बताया गया है। वीडियो में 13 पुरुष और 7 महिला कैडर हैं, जिनमें से कई ने स्थिति के बारे में अपनी शिकायतें व्यक्त कीं। लाचित हजारिका और बर्णाली असम के बीच कथित तौर पर अवैध संबंध थे, जिससे शिविर के भीतर काफी कलह पैदा हो गई थी। यह पता चला कि बर्णाली अन्य कैडरों के साथ रोमांटिक संपर्क में था और उनमें से कुछ को शिविर से भागने में मदद भी की थी। वीडियो कामतापुर लिबरेशन ऑर्गनाइजेशन (केएलओ) के मध्यस्थ दिबाकर देबराज सिंघा के साथ बर्णाली के संबंधों और खुफिया जासूसी में उसकी कथित संलिप्तता को उजागर करता है। बर्णाली और लाचित हजारिका के बीच अवैध संबंध के परिणामस्वरूप आंतरिक संघर्ष हुआ, जेम्स असम ने अपनी अस्वीकृति व्यक्त की। इसके चलते लाचित ने जेम्स को दंडित किया और उसे चोट पहुंचाई, जिससे अंततः उनके संबंध का खुलासा हो गया। लाचित हजारिका -शेष पृष्ठ दो पर

मोहम्मद अकबर की वैध आलोचना थी : हिमंत

गुवाहाटी। चुनाव आयोग की ओर से कथित सांप्रदायिक भाषण को लेकर असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा को कारण बताओ जारी किया गया है। बावजूद इसके शर्मा ने अपने बयान का बचाव किया है और कहा है कि यह छत्तीसगढ़ के मंत्री मोहम्मद अकबर की वैध आलोचना थी। चुनाव आयोग ने आचार संहिता के प्रथम दृष्टया उल्लंघन के लिए गुरुवार को शर्मा को कारण बताओ नोटिस भेजा और उनसे तीन अक्तूबर की शाम -शेष पृष्ठ दो पर

हमारी संस्कृति आज भी अक्षुण्ण और अटल : प्रधानमंत्री

सतना (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि मेरा सौभाग्य है कि आज पूरे दिन मुझे अलग-अलग मंदिरों में प्रभु श्रीराम के दर्शन का अवसर मिला और संतों का आशीर्वाद भी मिला। विशेषकर संत रामभद्राचार्य जी का स्नेह जो मुझे मिलता है, वह अभिभूत कर देता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया में इन हजारों वर्षों में कितनी ही भाषाएं आईं और चली गईं। नई भाषाओं ने पुरानी भाषाओं की जगह ले ली, लेकिन हमारी संस्कृति आज भी उतनी ही अक्षुण्ण और अटल है। प्रधानमंत्री शुक्रवार को चित्रकूट प्रवास के दौरान तुलसी पीठ सेवा न्यास में आयोजित सभा को संबोधित कर रहे थे। वे यहां दिवंगत अरविंद भाई मफतलाल के शताब्दी वर्ष समारोह में शामिल होने के लिए आए थे। -शेष पृष्ठ दो पर

कांग्रेस-एआईयूडीएफ भाई-भाई : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि कांग्रेस और एआईयूडीएफ दोनों छोटे-भाई और बड़े-भाई हैं। कभी ये एक हो जाते हैं और कभी अलग हो जाते हैं। इन दोनों के बीच में हमें (मुख्यमंत्री को) नहीं पड़ना है। ये बातें मुख्यमंत्री ने आज यहां आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में कहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अभी दोनों ही दल एक दूसरे के विरुद्ध बातें करते हैं। फिर लोकसभा चुनाव में पराजय के बाद कांग्रेस कहेगी कि एआईयूडीएफ -शेष पृष्ठ दो पर

भाजपा रिपोर्ट कार्ड की राजनीति करती है : जेपी नड्डा

एजल (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा है कि भाजपा रिपोर्ट कार्ड की पॉलिटिक्स में विश्वास रखती है न कि जाति, धर्म, भाषा, क्षेत्रीयता आदि के आधार पर वोट बैंक की पॉलिटिक्स में। भाजपा अध्यक्ष शुक्रवार को मिजोरम की राजधानी एजल में एक निजी होटल में मिजोरम विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा के विजन डॉक्युमेंट जारी करने के बाद संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए के सत्ता में आने के बाद से राजनीति की -शेष पृष्ठ दो पर

कतर से आठ पूर्व भारतीय नौसैनिकों की होगी वापसी : भाजपा

नई दिल्ली। भाजपा ने उन सभी पूर्व भारतीय नौसैनिकों की वापसी का आश्वासन दिया, जिन्हें कतर में मौत की सजा सुनाई गई है। भाजपा ने शुक्रवार को कहा कि पूर्व नौसैनिकों को लाने के लिए भारत कानूनी लड़ाई लड़ेगा। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता अजय आलोक ने शुक्रवार को मीडिया से बात करते हुए कहा कि विदेश मंत्रालय पहले से ही इस मामले को देख रहा है। उन्होंने कहा कि भारत ने विधिवत इस मुद्दे पर अपना पक्ष रखा है। राष्ट्रीय प्रवक्ता अजय आलोक ने कहा कि हमें यह देखकर आश्चर्य होता है कि ऐसी चीजें भी होती हैं। हम इस मामले में कानूनी लड़ाई लड़ेंगे। अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय मौजूद है। मुझे लगता है कि भारत सरकार अपना पक्ष रखेगी और हम उन्हें वहां से वापस लाने में जरूर सफल होंगे। बता दें कि कतर की एक अदालत ने गुरुवार को भारतीय नौसेना के आठ पूर्व कर्मियों को मौत की सजा सुनाई। इस फैसले को भारत ने काफी चौंकाने वाला कदम बताया है। साथ ही भारत इस मामले में सभी कानूनी विकल्प तलाश रहा है। खबरों के अनुसार, निजी कंपनी अल दहरा के साथ काम करने वाले आठ भारतीयों को कथित तौर पर जासूसी के मामले में पिछले साल अगस्त में गिरफ्तार किया गया था। हालांकि, अब तक आरोपों को सार्वजनिक नहीं किया गया है। भारतीयों को मौत की सजा सुनाए जाने पर विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को बताया था कि हमारे पास -शेष पृष्ठ दो पर

गिरफ्तार बंगाल के मंत्री अदालत में बेहोश

कोलकाता। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को राशन वितरण घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पश्चिम बंगाल के मंत्री ज्योतिप्रिय मल्लिक को गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद ईडी ने मंत्री ज्योतिप्रिय मल्लिक को अदालत में पेश किया, जहां वह भरी अदालत में बेहोश होकर गिर पड़े। हमारे सूत्र ने एक अधिकारी के हवाले से बताया कि पश्चिम बंगाल के वन मंत्री अदालत के अंदर सुनवाई के दौरान बेहोश होकर गिर पड़े। उन्होंने कहा कि इसके -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

विकास व पर्यावरण संरक्षण के बीच नाजुक संतुलन बनाने की जरूरत : उपराष्ट्रपति

देहरादून (हि.स.)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने यहां विकास और संरक्षण के बीच एक नाजुक संतुलन बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन का प्रभाव सभी पर पड़ेगा, जो कोविड चुनौती से कहीं अधिक गंभीर है। इसके समाधान के लिए एक देश नहीं बल्कि सभी देशों को एक साथ तत्काल काम करना होगा। हमारे नागरिकों की विकास आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए हमारे जंगल फलते-फूलते रहें। उपराष्ट्रपति धनखड़ यहां वन अनुसंधान संस्थान (एफआईआर) में वनों पर संयुक्त राष्ट्र मंच-भारत की पहल पर आयोजित कार्यक्रम के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह ग्रह हमारा नहीं है और हमें इसे आने वाली पीढ़ियों को सौंपना होगा। उन्होंने जैव विविधता के पोषण और संरक्षण की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि हम अपने

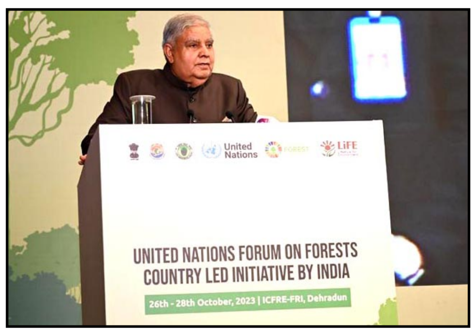

लापरवाह दृष्टिकोण और प्राकृतिक संसाधनों के दोहन के साथ अपनी भावी पीढ़ियों के साथ समझौता नहीं कर सकते। सतत विकास और जलवायु परिवर्तन पर काबू पाना सुरक्षित भविष्य के लिए अत्यंत आवश्यक है। यदि विकास टिकाऊ नहीं है तो इस ग्रह पर जीवित रहना मुश्किल होगा। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने समाधान खोजने के लिए सभी ऊर्जा और सभी संसाधनों को इकट्ठा करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कोविड की तरह, जो दुनिया के हर हिस्से के लिए एक गैर-भेदभावपूर्ण चुनौती थी, जलवायु परिवर्तन कोविड चुनौती से कहीं अधिक गंभीर और गंभीर है। उपराष्ट्रपति ने पर्यावरणीय चुनौतियों के समाधान के लिए समन्वित वैश्विक रुख को एकमात्र विकल्प बताया। समाधान खोजने के लिए युद्धस्तर पर देशों को एकजुट होना होगा। उन्होंने कहा कि हमारे वन केवल एक संसाधन नहीं हैं बल्कि देश की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और बौद्धिक विरासत को भी समाहित करते हैं। उन्होंने अमृत काल में अमृत सरोवर योजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर भी प्रसन्नता व्यक्त की। स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन की दिशा में भारत की ओर से उठाए गए विभिन्न कदमों को सूचीबद्ध किया।

पीएम आज 51,000 से अधिक नियुक्ति पत्र करेंगे वितरित

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री दफ्तर ने शुक्रवार को बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी 28 अक्तूबर 2023 को दोपहर 1 बजे वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से नवनियुक्त भर्तियों को 51,000 से अधिक नियुक्ति पत्र वितरित करेंगे। इस अवसर पर प्रधान मंत्री नियुक्त लोगों को भी संबोधित करेंगे। देश भर में 37 स्थानों पर रोजगार मेला आयोजित किया जाएगा। इस पहल का समर्थन करने वाले केंद्र सरकार के विभागों के साथ-साथ राज्य सरकारों/केंद्रशासित प्रदेशों में भर्तियां हो रही हैं। देश भर से चुने गए नए कर्मचारी रेल मंत्रालय, डाक विभाग, गृह मंत्रालय, राजस्व विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग और मंत्रालय सहित विभिन्न मंत्रालयों/विभागों में सरकार में शामिल होंगे। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, दूसरों के बीच में। रोजगार मेला रोजगार सृजन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता को पूरा करने की दिशा में एक कदम है। उम्मीद है कि रोजगार मेला आगे रोजगार सृजन में उत्प्रेरक के रूप में कार्य करेगा और युवाओं को उनके सशक्तिकरण और राष्ट्रीय विकास में भागीदारी के लिए सार्थक अवसर प्रदान करेगा।

बिहार में मूर्ति विसर्जन के दौरान दो समुदायों के बीच तनाव

पटना (हि.स.)। बिहार में दुर्गा विसर्जन के दौरान बेगूसराय और औरंगाबाद के बाद अब सारण में भी माहौल बिगड़ गया है। यहां दुर्गा मूर्ति विसर्जन के दौरान दो समुदायों के बीच झड़प हो गई है। इसके बाद यहां दो दिनों के लिए इंटरनेट बैन कर दिया गया है। फिलहाल, स्थिति काबू में है। इलाके में बड़ी संख्या में पुलिसबल की तैनाती कर दी गई है। भगवान नगर थाना क्षेत्र के नयी बाजार इलाके से शुक्रवार सुबह पांच बजे मूर्ति विसर्जन शोभा यात्रा गुजर रही थी। इस बीच किसी बात को लेकर दो समुदायों के बीच विवाद छिड़ गया और लोग आमने-सामने आ गए। मामले ने तूल पकड़ लिया और स्थिति तनावग्रस्त हो गई। इस बीच एक समुदाय ने पत्थरबाजी शुरू कर दी। इसमें पांच लोग घायल हो गए और मूर्ति को भी क्षति पहुंची, जिससे दूसरा पक्ष भी उग्र हो गया। घायलों का इलाज सदर अस्पताल में कराया गया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस अधीक्षक गौरव मंगला व डीएसपी संतोष कुमार, भगवान बाजार थानाध्यक्ष रंजीत कुमार दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और मामले को शांत कराया गया।

उप्र के मीरजापुर में बस पलटी मां-बेटे सहित पांच की मौत

मीरजापुर (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के मीरजापुर जिले में संतनगर थाना क्षेत्र के ददरी बांध के पास शुक्रवार को यात्रियों से भरी बस पलट गई। हादसे में मां-बेटे सहित पांच लोगों की मौत हो गई और 26 यात्री घायल हो गए।

पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लालगंज पहुंचाया। स्थानीय पुलिस के मुताबिक शिवराज लिखी बस मीरजापुर से हलिया के कुशियरा तक जाती है। रास्ते में मड़िहान व संतनगर क्षेत्र पड़ता है। शुक्रवार सुबह कम से कम 31 यात्रियों को लेकर निजी बस हलिया जा रही थी। इसी दौरान रास्ते में संत नगर थाना क्षेत्र के ददरी बांध के पास अनियंत्रित होकर पलट गई, यात्री उसके नीचे दब गए और चींख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों ने यात्रियों को बाहर निकाला। हादसे में मां-बेटे सहित पांच लोगों की मौत हो गई है। स्थानीय पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने गंभीर हालत देख 10 घायलों को मंडलीय चिकित्सालय रेफर कर दिया। घटना की जानकारी पर जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन और पुलिस अधीक्षक अभिनंदन और विधायक रिंकी कोल भी मौके पर पहुंचीं। जिलाधिकारी ने बताया कि बस हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई है। इनकी पहचान लालगंज के बढ़ौना निवासी सुरेश की पत्नी ममता और उनका बेटा अभिषेक (02), बस चालक सत्यनारायण (40), हलिया निवासिनी मनीता (25) और विष्णु कुमार (10) की मौत हो गई है।

पीएम को राम मंदिर उद्घाटन समारोह में हिस्सा नहीं लेना चाहिए : मदनी

नई दिल्ली (हि.स.)। जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद असद मदनी ने अगले वर्ष अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की संभावित भागीदारी और कुछ मुस्लिम नेताओं द्वारा प्रस्तावित मस्जिद की नींव रखने के लिए प्रधानमंत्री से अपील करने पर तीखी आलोचना की है। मौलाना मदनी ने अपने बयान में कहा कि हम स्पष्ट रूप से यह कहना चाहते हैं कि अयोध्या विवाद में सुप्रीम कोर्ट ने जो निर्णय किया था, हम उसको सही नहीं मानते हैं। मौलाना महमूद मदनी ने कहा कि जमीअत उलमा-ए-हिंद ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले के तुरंत बाद अपनी स्थिति स्पष्ट कर दी थी कि यह फैसला गलत माहौल में गलत सिद्धांतों और आधारों पर दिया गया है, जो कानूनी और ऐतिहासिक तथ्यों के भी विरुद्ध है। मौलाना मदनी ने कहा कि ऐसे में देश के प्रधानमंत्री को किसी भी पूजा स्थल के उद्घाटन के लिए बिलकुल नहीं जाना चाहिए बल्कि उचित यह है कि धार्मिक अनुष्ठान राजनीतिक हस्तक्षेप से मुक्त हों और धार्मिक लोगों द्वारा ही किए जाने चाहिएं। मौलाना मदनी ने इस अवसर पर जमीअत उलमा के सभी स्तरों के पदाधिकारियों को खबरदार किया कि वह जमीअत उलमा के रुख के खिलाफ किसी भी गैरजिम्मेदाराना बयान से बचें। गौरतलब है कि अंग्रेजी अखबार में जमीअत के किसी स्थानीय पदाधिकारी के हवाले से प्रधानमंत्री से मस्जिद के उद्घाटन में शामिल होने की अपील पर आधारित एक बयान प्रकाशित किया गया है, जिसे जमीअत के रुख के विरुद्ध करार दिया गया है।

आसमान में अमेरिकी विमान से टकराते-टकराते बचा चीनी जेट

बीजिंग। चीन का लड़ाकू जेट और अमेरिकी वायुसेना दोनों टकराते-टकराते बचे। अमेरिका ने दावा किया कि चीन ने दक्षिण चीन सागर में रूटीन ऑपरेशन कर रहे अमेरिकी वायुसेना के बी-52 विमान को गलत तरीके से रोकने की कोशिश की। जिससे आसमान में विमानों के आपस में टकराने का खतरा बन गया था। इस घटना पर अमेरिका ने ऐतराज भी जताया। बता दें कि 24 अक्तूबर मंगलवार देर रात चीन का लड़ाकू जेट अंतर्राष्ट्रीय हवाई क्षेत्र में दक्षिण चीन सागर पर नियमित संचालन कर रहे अमेरिकी वायु सेना के बी-52 बमवर्षक विमान के 10 फीट से भी ज्यादा करीब आ गया था। अमेरिकी सेना के इंडो-पैसिफिक कमांड ने इस पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि चीनी लड़ाकू पायलट की ऐसी हरकतों की वजह से दोनों ही जहाज के आपस में टकराने की आशंका बढ़ गई थी।

अवैध तीर लॉटरी के खिलाफ अभियान में चार गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। असम पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स एसटीएफ की इनपुट के आधार पर आज दोपहर लगभग 3.30 बजे फटाशील आमबारी पुलिस थानाक्षेत्र के तहत फटाशील जीएमसी न्यू कॉलोनी एमबी रोड पर अवैध तीर के खिलाफ एक अभियान के दौरान चार आदतन जुआरियों को पकड़ा गया। उनके कब्जे से 45 तीर गैंबलिंग बुक, 6340 रुपए नकद, 4 कागज, 8 पेन, एक हार्ड बोर्ड, एक सील आदि बरामद किए गए। पकड़े गए व्यक्तियों में बिजय राज (22), हरिंद्र साह (19), नजरुल हक (40) और दुखा महतो (47) शामिल हैं। जब्त की गई वस्तुओं के साथ पकड़े गए अभियुक्तों को कानूनी कार्रवाई करने के लिए स्थानीय पुलिस को सौंप दिया गया है।

चालीस मवेशी के साथ तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी की सोनापुर पुलिस ने पशु तस्करी में शामिल दो तस्करों को 40 मवेशियों के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के नजीरिघाट टोल प्लाजा इलाके में चलाए गए अभियान के दौरान एक ट्रक (एएल-01एएफ-0592) को जब्त किया गया। ट्रक से कुल 40 मवेशियों को बरामद किया गया है। जिसे, मेघालय के पशु बाजार तक ले जाया जा रहा था। इस मामले में चालक सहित दो पशु तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस इस संबंध में पशु अधिनियम के तहत एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। ज्ञात हो कि राज्य में सख्त पशु कानून लागू है। इसके बावजूद पशुओं की तस्करी जारी है।

पृष्ठ एक का शेष

मुख्यमंत्री ने 62...

रिक्तियों को भरने का मतलब है कि आने वाले दिनों में सरकारी क्षेत्र में और 25 हजार से अधिक नौकरियां भरी जाएंगी। इस प्रकार कुल भर्ती 1 लाख से अधिक हो जाएगी, जैसा कि असम विधानसभा चुनावों के प्रचार के दौरान वादा किया गया था। डॉ. शर्मा ने कहा कि हाल के वर्षों में सार्वजनिक स्वास्थ्य इंजीनियरिंग, लोक निर्माण (सड़क) और लोक निर्माण (भवन), पंचायत और ग्रामीण विकास जैसे विभिन्न विभागों में बड़ी संख्या में इंजीनियरों की भर्ती की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह लगभग एक दशक पहले के परिदृश्य के बिल्कुल विपरीत है, जब इंजीनियरिंग कॉलेजों के छात्र सरकारी क्षेत्र में रोजगार के अवसरों की कमी पर गहरी निराशा और असंतोष व्यक्त करते थे। डॉ शर्मा ने विश्वास जताया कि पूरी तरह से योग्यता के आधार पर भर्ती किए गए इंजीनियरों की नई पीढ़ी राज्य सरकार के स्व-प्रेरित और जनता के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध व समर्पित कार्यबल के प्रयास में निर्णायक साबित होगी। मुख्यमंत्री डॉ शर्मा ने कहा कि राज्य के बाढ़ संभावित क्षेत्रों के निवासियों पर बाढ़ के प्रभाव को कम करने के उद्देश्य से सरकार के प्रयासों में जल संसाधन विभाग के इंजीनियरों की बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि जल संसाधन विभाग में नए लोगों को यह सुनिश्चित करना होगा कि तटबंध हमेशा अच्छी स्थिति में रहें, खासकर मानसून के आगमन से पहले। उन्होंने कहा कि तटबंधों की देखभाल के अलावा, नई पीढ़ी के इंजीनियरों को विकल्प तलाशने चाहिए ताकि शक्तिशाली ब्रह्मपुत्र की अप्रयुक्त क्षमता का व्यापक सार्वजनिक हित के लिए उपयोग किया जा सके। उन्होंने कहा कि इंजीनियरों की नई पीढ़ी को अपने विभागों में नए-नए विचार और प्रेरित कार्य-संस्कृति शामिल करने की जरूरत है। उन्होंने नव-नियुक्त इंजीनियरों को अपने विभागीय वरिष्ठों के वांछनीय गुणों को प्राप्त करने और उनके अवांछनीय गुणों से सुरक्षित दूरी बनाए रखने की अपील करते हुए अपने आधिकारिक दायित्वों को पूरा करते समय अनैतिक प्रथाओं का सहारा लेने से आगाह किया। इस दौरान मुख्यमंत्री के साथ जल संसाधन मंत्री पीयूष हजारिका, शिक्षा मंत्री डॉ रनोज पेगु और असम सरकार के अतिरिक्त मुख्य सचिव एस अब्बासी समेत अनेक विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

2024 लोस चुनाव...

विकास और प्रगति की जरूरत है, क्योंकि बलिदान एक व्यक्तिगत एजेंडा है। इसके अलावा, सीएम शर्मा ने कहा कि आगामी चुनाव में एआईयूडीएफ और कांग्रेस के बीच 2.5 सीटों पर मुकाबला होगा, इसलिए दोनों पार्टियों का एक-दूसरे पर वार करना सामान्य बात है और एक दिन वे फिर से एकजुट हो जाएंगे। भाजपा को मुसीबतों (कांग्रेस-एआईयूडीएफ) की लड़ाई के बीच में प्रवेश करने की आवश्यकता नहीं है...आज वे लड़ रहे हैं लेकिन कल क्या गारंटी है कि वे एकजुट नहीं होंगे...लोकसभा चुनाव परिणामों के बाद, दिल्ली कहेगी क्योंकि शर्मा ने कहा कि एआईयूडीएफ-कांग्रेस के बीच गठबंधन की कमी के कारण वे फिर से चुनाव हार गए, वे 2026 में एकजुट होंगे।

शादी रचाने बांग्लादेश...

दोनों ही शादीशुदा होने के बावजूद एक दूसरे से प्यार कर बैठे और ठीक 15 दिन पहले नूर से शादी करने के लिए फातिमा अवैध तरीके से धर्मनगर पहुंची। दोनों ही फुलबाड़ी में रह रहे थे। कुछ दिन पहले ही पुलिस को फातिमा के अवैध रूप से अंतर्राष्ट्रीय सीमा पार कर भारत आने की सूचना मिली, जिसके बाद पुलिस ने गुरुवार को उसे गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल उसे 14 दिनों के लिए न्यायिक हिरासत में भेजा गया है, लेकिन नूर अभी फरार है।

सरकारी कर्मचारियों को दूसरी...

लेनी होगी। अब, राज्य सरकार आपको अनुमति दे सकती है, नहीं भी दे सकती है। शर्मा ने कहा कि हमें उन विवादों का हल करने में बहुत कठिनाई हुई है। कई विधवाएं परस्पर विरोधी दावों के कारण पेंशन से वंचित हो गई हैं। यह नियम पहले से था, हमने इसे लागू नहीं किया था। अब, हमने इसे लागू करने का निर्णय किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई भी व्यक्ति दूसरी शादी कर सकता है। उन्होंने कहा कि लेकिन एक सरकारी कर्मचारी को दूसरी शादी करने से पहले राज्य सरकार की अनुमति लेनी पड़ेगी, चाहे वह हिंदू हो या मुसलमान। इसे राज्य सरकार की जानकारी में देना होगा। शर्मा ने जोर देते हुए कहा कि यह नियम भाजपा-नीत सरकार ने नहीं बनाया है, बल्कि इसे पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने लाया था। कार्मिक विभाग ने 20 अक्तूबर को एक कार्यालय ज्ञापन के जरिये कर्मचारियों को निर्देश दिया है कि जीवनसाथी के जीवित रहने की स्थिति में दूसरी शादी करने से पहले उन्हें सरकार की अनुमति लेनी होगी। अधिसूचना अतिरिक्त मुख्य सचिव (कार्मिक) नीरज वर्मा ने जारी की है, जो गुरुवार को उपलब्ध हुआ। इसमें कहा गया है कि असम सिविल सेवा (आचरण) नियमावली, 1965 के नियम 26 के प्रावधानों के अनुसार दिशानिर्देश जारी किए गए हैं। आदेश में कहा गया है कि उपरोक्त प्रावधानों के संदर्भ में, अनुशासनात्मक प्राधिकार दंड के लिए अविलंब विभागीय कार्यवाही शुरू कर सकता है। इन दंडों में जबरन सेवानिवृत्ति भी शामिल है। इसमें इस तरह के कृत्य को सरकारी सेवक का बड़ा कदाचार करार दिया गया है, क्योंकि समाज पर इसका काफी असर पड़ता है। कार्यालय ज्ञापन में अधिकारियों से यह भी कहा है कि इस तरह के मामले सामने आने पर वे आवश्यक कानूनी कार्रवाई करें।

अवैध मामलों के कारण...

और बर्णाली असम को अंततः उनके कार्यों के लिए मृत्युदंड की सजा सुनाई गई। वीडियो में शामिल कुछ कैडरों की भी पहचान की गई, जिनमें धेमाजी की सबिता चेतिया भी शामिल हैं, जो बर्णाली के साथ गई थीं और वरिष्ठ महिला नेता पूर्णिमा बरौह उर्फ मितु असम, जिन्हें 2021 में गिरफ्तार किया गया था। वीडियो में 2021 की एक घटना का भी जिक्र है जब मार्गेरिटा का एक लड़का, जो अल्फा में शामिल हो गया था और उसका बर्णाली के साथ अफेयर था और बाद में उसने आत्महत्या कर ली थी। 1990 में लाचित हजारिका के अल्फा में प्रवेश का रहस्योद्घाटन, बर्णाली के साथ उनकी रोमांटिक भागीदारी से चिह्नित, उस उथल-पुथल की सीमा को इंगित करता है जो उनके रिश्ते ने पिछले कुछ वर्षों में पैदा की है। वीडियो से पता चलता है कि पिछले डेढ़ वर्षों में, अल्फा के म्यांमार शिविर में अराजकता फैल गई है, जो मुख्य रूप से लाचित हजारिका और बर्णाली असम के बीच अवैध संबंधों से उत्पन्न हुई है। इससे पहले 3 अक्तूबर को, प्रतिबंधित अल्फा (स्वतंत्र) संगठन ने शीर्ष अल्फा-आई नेता, लाचित हजारिका उर्फ ब्रिगेडियर सलीम असोम और कैडर बर्णाली को फांसी देने की जिम्मेदारी ली थी। सूत्रों के अनुसार, सलीम असोम अल्फा-आई प्रमुख परेश बरुआ का करीबी था और 1990 के दशक में संगठन में शामिल हुआ था। जबकि बर्णाली साल 2021 में संगठन में शामिल हुई थीं। अल्फा-आई के शीर्ष नेता लाचित हजारिका उर्फ ब्रिगेडियर सलीम असोम को 20 सितंबर को म्यांमार के सागैन इलाके के हाची कैंप में मौत की सजा दी गई थी। जबकि तिनसुकिया के एक मुक्केबाज और प्रतिबंधित संगठन के सदस्य बर्णाली को भी मौत की सजा दी गई है। सशस्त्र उग्रवादी समूह विद्रोही संगठन ने एक ईमेल मीडिया बयान में कहा कि लाचित हजारिका और बर्णाली असोम उर्फ नयनमणि चेतिया ने भारतीय खुफिया बलों के साथ सहयोग करके संगठन के संविधान और नीतियों का पूरी तरह से उल्लंघन किया और साथियों को ब्लैकमेल कर उन्हें हथियारों के साथ दुश्मन के सामने आत्मसमर्पण करने के लिए मजबूर किया।

मोहम्मद अकबर की वैध ...

तक जवाब देने को कहा। वहीं, मुख्यमंत्री शर्मा ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, कांग्रेस ने चुनाव आयोग से यह जानकारी छुपा ली थी कि कवर्धा सीट से मोहम्मद अकबर उनके उम्मीदवार हैं। इसलिए किसी उम्मीदवार की जायज आलोचना सांप्रदायिक राजनीति नहीं है। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने जोर देकर कहा कि कांग्रेस को अपने प्रतिनिधित्व में अहम तथ्य का खुलासा न करने का कानूनी परिणाम भुगतना होगा। उन्होंने कहा कि मुझे चुनाव आयोग की बुद्धिमत्ता पर पूरा भरोसा है। शर्मा, कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश की एक पोस्ट पर प्रतिक्रिया दे रहे थे। रमेश ने भाजपा नेता को सीरियल ऑफेंडर बताया था और उम्मीद जताई थी कि चुनाव आयोग इस मामले को तार्किक निष्कर्ष तक ले जाएगा। शर्मा ने 18 अक्तूबर को छत्तीसगढ़ के कवर्धा में विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान अकबर निशाना साधते हुए यह टिप्पणी की थी। 18 अक्तूबर को कवर्धा में अपने संबोधन में शर्मा न अकबर पर विवादास्पद तंज कसते हुए कहा था कि अगर अकबर को नहीं भेजा गया तो माता कौशल्या की भूमि अपवित्र हो जाएगी। कांग्रेस ने बुधवार को अकबर के खिलाफ टिप्पणी के लिए शर्मा के खिलाफ चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराई। पार्टी ने आरोप लगाया था कि शर्मा की टिप्पणी से समाज के वर्गों को एक-दूसरे के खिलाफ भड़काने का स्पष्ट इरादा दिखता है। चुनाव आयोग ने शर्मा को नोटिस जारी करते हुए उन्हें आचार संहिता के एक प्रावधान की याद दिलाई, जिसमें कहा गया है कि कोई भी पार्टी या उम्मीदवार किसी भी उस गतिविधि में शामिल नहीं होगा जो मौजूदा मतभेदों को बढ़ा सकता है या आपसी नफरत पैदा कर सकता है या विभिन्न जातियों या समुदायों के बीच धार्मिक या भाषाई तनाव पैदा कर सकता है। छत्तीसगढ़ की नब्बे सदस्यीय विधानसभा के लिए दो चरणों में चुनाव होंगे। पहले चरण के लिए मतदान सात नवंबर और दूसरे चरण के लिए 17 नवंबर को होगा।

हमारी संस्कृति आज ...

समारोह के बाद प्रधानमंत्री तुलसी पीठ सेवा न्यास पहुंचे थे। यहां उन्होंने तुलसी पीठ के पीठाधीश्वर जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य महाराज से भी मुलाकात की। उन्होंने जगद्गुरु रामानंदाचार्य का आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर उन्होंने कांच मंदिर में दर्शन एवं पूजन कर रामभद्राचार्य की प्रशंसा की। उन्होंने संस्कृत के महत्व का भी उल्लेख किया। उन्होंने इस अवसर पर राम मंदिर के साथ ही चित्रकूट के विकास का भी उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि गुलामी के एक हजार साल के कालखंड में भारत को तरह-तरह से जड़ों से उखाड़ने के कई प्रयास हुए। हम आजाद हुए, लेकिन जिनके मन से गुलामी की मानसिकता नहीं गई, वे संस्कृत के प्रति बैर भाव पालते रहे। उन्होंने कहा कि कोई दूसरे देश की मातृभाषा जाने तो ये लोग प्रशंसा करेंगे, लेकिन संस्कृत भाषा जानने को ये पिछड़ेपन की निशानी मानते हैं। इस मानसिकता के लोग पिछले एक हजार साल से हारते आ रहे हैं और आगे भी कामयाब नहीं होंगे। संस्कृत परंपरा नहीं, हमारी प्रगति और पहचान की भाषा है। संस्कृत समय के साथ परिष्कृत तो हुई लेकिन प्रदूषित नहीं हुई। उन्होंने कहा कि हर देशवासी का बहुत बड़ा सपना पूरा करने में स्वामी रामभद्राचार्य जी की बहुत बड़ी भूमिका रही है। अदालत से लेकर अदालत के बाहर तक जिस राम मंदिर के निर्माण के लिए स्वामी जी ने इतना योगदान दिया, वह भी जल्द तैयार होने जा रहा है। इस मौके पर जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने प्रधानमंत्री से रामचरित मानस को राष्ट्र ग्रंथ घोषित करने की मांग की। इससे पहले प्रधानमंत्री जगद्गुरु का हाथ पकड़कर मंच तक ले गए। रामभद्राचार्य ने मोदी को सीने से लगा लिया। प्रधानमंत्री ने जगद्गुरु रामभद्राचार्य की तीन पुस्तकों- पाणिनि अष्टाध्यायी, श्रीकृष्ण की राष्ट्रलीला और श्री रामानंदाचार्य चरितम् का विमोचन किया। जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने बताया कि पाणिनि अष्टाध्यायी 900 पृष्ठ की है। इसका मूल आकार केवल 25 पृष्ठ का है। कृष्ण की रासलीला तो सारा संसार जानता है। भगवान की राष्ट्रलीला कितनी बड़ी है, इस पर मैंने पुस्तक लिखी है। तीसरी पुस्तक श्री रामानंदाचार्य चरितम् संस्कृत में महाकाव्य है। इससे पहले प्रधानमंत्री स्व. अरविंद भाई मफतलाल के शताब्दी वर्ष समारोह में शामिल हुए। यहां उन्होंने चित्रकूट को अलौकिक बताते हुए कहा कि यहां प्रभु श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण नित्य निवास करते हैं। स्व. अरविंद भाई मफतलाल के नाम पर डाक टिकट जारी करते हुए बोले कि मुझे खुशी है कि अरविंद भाई का परिवार उनकी परमार्थिक पूंजी को लगातार समृद्ध कर रहा है। मैं इसके लिए उनके परिवार के सभी सदस्यों को बधाई देता हूं। प्रधानमंत्री चित्रकूट में श्रीराम संस्कृत महाविद्यालय भी पहुंचे। यहां उन्होंने श्रीराम संस्कृत महाविद्यालय में कक्षाओं के निरीक्षण के दौरान विद्यार्थियों से संवाद किया और वेद पाठ भी सुना। उन्होंने सद्गुरु नेत्र चिकित्सालय जानकीकुंड भी देखा। सद्गुरु संघ सेवा ट्रस्ट की प्रदर्शनी और सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और राज्यपाल मंगू भाई पटेल भी उनके साथ रहे। मुख्यमंत्री चौहान ने स्व. मफतलाल के शताब्दी वर्ष समारोह में कहा कि जो देश के मन में है, वही मप्र के मन में भी है। प्रधानमंत्री के अंदर पीड़ित मानवता की सेवा की तड़प के दर्शन कोविड काल में हम सब ने किए हैं।

कांग्रेस-एआईयूडीएफ भाई-भाई ...

के साथ मित्रता नहीं होने की वजह से यह पराजय हुई। इसके बाद फिर दोनों दल एक ही हो जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसा हर बार होता आया है। उन्होंने कहा कि असम की 14 सीटों में से साढ़े ग्यारह सीटें भाजपा की निश्चित है। ढाई सीटों पर विपक्षी पार्टियां जितनी भी चाहे बंदरबांट कर ले। संवाददाता सम्मेलन के दौरान मुख्यमंत्री ने अन्य कई मुद्दों पर खुलकर टिप्पणी की।

भाजपा रिपोर्ट कार्ड ...

परिभाषा ही बदल गई है। अब पॉलिटिक्स ऑफ परफॉर्मेंस का जमाना आ गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा की राजनीति परफॉर्मेंस पर आधारित है। उन्होंने कहा कि चुनाव के मौके पर चुनावी घोषणा पत्र और विजन डॉक्यूमेंट सभी राजनीतिक दल जारी करते हैं लेकिन, भाजपा जब अपना विजन डॉक्यूमेंट जारी करती है तो वह डॉक्यूमेंट ऑफ रियलिटी होता है। क्योंकि, घोषणा पत्र में कही गई बातें लागू कैसे होगी, उसका क्या तरीका होगा, उसका क्या रोड मैप होगा आदि पर पहले ही रिसर्च कर लिया जाता है। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से पूर्वोत्तर में सकारात्मक परिवर्तन हुआ है। गतिविधियों की श्रृंखला तैयार हो गई है। शांति समृद्धि और विकास का मार्ग प्रशस्त हुआ है। पूर्वोत्तर राज्यों में बंद, हड़ताल, चक्का जाम, उग्रवाद आदि का जमाना जा चुका है। उन्होंने कहा कि 80 फीसदी उग्रवाद का खात्मा हो चुका है। आर्म्ड फोर्स स्पेशल पावर एक्ट आफ्सपा पूर्वोत्तर के 66 फीसदी इलाकों से हटाया जा चुका है। भाजपा अध्यक्ष नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी पूर्वोत्तर के विकास का आठ पिलर मानते हैं। इनमें पीस, पावर, परफॉर्मेंस, 5जी नेटवर्क, कल्चरल इंप्रूवमेंट, नेचुरलर फार्मिंग और खेल शामिल है। ये आठ पिलर भारत को मजबूती देते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का सबका साथ सबका विकास सबका प्रयास की राजनीति इन दिनों देश में हो रही है। अपने संबोधन में भाजपा अध्यक्ष ने केंद्र सरकार की ओर से पूर्वोत्तर के विकास के लिए किए गए कई उल्लेखनीय कार्यों का जिक्र किया। साथ ही उन्होंने विपक्षी दलों को आड़े हाथों लिया। इस दौरान भाजपा अध्यक्ष के साथ मंच पर मिजोरम प्रदेश भाजपा अध्यक्ष, केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू, नगालैंड के उपमुख्यमंत्री वाय पट्टन, भाजपा के राष्ट्रीय नेता तथा पूर्वोत्तर प्रभारी संबित पात्रा, पार्टी के राष्ट्रीय सचिव ए एंथोनी समेत कई अन्य वरिष्ठ नेता एवं पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कतर से आठ पूर्व ...

शुरुआती जानकारी है कि कतर की एक अदालत ने अल दहरा कंपनी के आठ भारतीय कर्मचारियों से जुड़े मामले में फैसला सुनाया है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि मौत की सजा के फैसले से हम स्तब्ध हैं। हम सजा के संबंध में अधिक जानकारी जुटा रहे हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि हम कानूनी विकल्प तलाश रहे हैं और इसे कतर के अधिकारियों को समक्ष उठाया जाएगा।

गिरफ्तार बंगाल के ...

बाद उन्हें अदालत से बाहर बालकनी में ले जाया गया, जहां पानी दिया गया। बता दें कि ईडी ने करीब 18 घंटे से अधिक की पूछताछ के बाद शुक्रवार सुबह मंत्री ज्योतिप्रिय मल्लिक को गिरफ्तार किया था। मल्लिक को कोर्ट में पेश करने के बाद छह नवंबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

मणिपुर में मोबाइल...

25 अक्तूबर के पत्र के माध्यम से पुलिस महानिदेशक ने बताया था कि सुरक्षा बलों के साथ जनता के टकराव, विरोध प्रदर्शन जैसी घटनाएं अभी भी सामने आती रहती हैं। राष्ट्र-विरोधी लोगों के मंसूबों को विफल करने, शांति और सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखने को लेकर पर्याप्त उपाय आवश्यक है। बता दें कि तीन मई को हिंसा भड़कने के बाद राज्य में मोबाइल इंटरनेट पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। हालांकि, इसे 23 सितंबर को बहाल कर दिया गया था, लेकिन 26 सितंबर को दो लापता युवाओं के शवों की तस्वीरें सामने आने के बाद सुरक्षा बलों के साथ छात्रों की झड़प के मद्देनजर फिर से प्रतिबंध लगा दिया गया।

मुख्यमंत्री ने 270 ...

मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आज सुबह गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पर राजधानी एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर अमृत कलशों को दिल्ली रवाना किया। मुख्यमंत्री के साथ गुवाहाटी नगर निगम के मेयर मृगेन शरनिया और कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने अमृत कलश यात्रा को समर्थन देने के लिए असम के लोगों को धन्यवाद दिया। असम के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने अमृत कलश लेकर दिल्ली जा रहे लोगों को बधाई दी है।

भारी मात्रा में प्रतिबंध कफ सिरप के साथ तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने भारी मात्रा में प्रतिबंधित कफ सिरप फेंसिडिल के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। असम के रास्ते अगरतला में संभावित मादक पदार्थों की तस्करी के बारे में एक गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए एक वाहन को पकड़ने के लिए एक अभियान शुरू किया। एक वाहन का आज मेघालय के पूर्वी जयंतिया हिल्स जिले के लुम्शनोंग में पीछा किया गया और उसे रोका गया। तलाशी के दौरान एसटीएफ ने 375 बक्से बरामद किए, जिनमें पोल्ट्री फीड के नीचे छिपाकर रखी गई फेंसिडिल की बोतलें थीं। प्रत्येक बॉक्स में 100 बोतलें थीं। इस प्रकार कुल 37 हजार 500 बोतलें जब्त की गईं। वाहन के चालक को पकड़ लिया गया है और आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं।

मुख्यमंत्री का आज से होगा नया कार्यालय *लोक सेवा भवन*

गुवाहाटी (हिंस)। अब से मुख्यमंत्री का अलग कार्यालय हो गया है। मुख्यमंत्री का कार्यालय जनता भवन के नये ब्लॉक *आई* में होगा। नए मुख्यमंत्री कार्यालय का नाम *लोक सेवा भवन* होगा। इससे पहले, मुख्यमंत्री के लिए कोई स्थायी कार्यालय नहीं था। गृह विभाग का कार्यालय मुख्यमंत्री का कार्यालय था। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने एक संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी दी। उन्होंने

कहा कि एक नए ब्लॉक पर काम चल रहा है। उस ब्लॉक पर काम छह महीने में पूरा हो जाएगा। मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव का काम यहीं से होगा। अब से यहीं कैबिनेट की बैठकें या अन्य बैठकें होंगी। अगले 5 से 10 वर्षों में सचिवालय को एक नया रूप मिलेगा। संवाददाता सम्मेलन में मुख्यमंत्री ने सरकारी कर्मचारियों की *दूसरी शादी* पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि दूसरी शादी करने के लिए सरकारी विभाग की अनुमति लेनी पड़ती है। हिंदू-मुस्लिम जैसी कोई चीज नहीं है, सभी कर्मचारियों को इस नियम का पालन करना होगा।

तीन मोबाइल चोर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी की चांदमारी पुलिस ने मोबाइल चोरी मामले में शामिल तीन चोरों को चोरी के मोबाइल समेत गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि चांदमारी पुलिस की एक टीम ने गांधीबस्ती में छापेमारी के दौरान दो चोर दलगांव के राजा दास और शिवसागर के चित्रा दास को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार दोनों आरोपितों की निशानदेही पर पुलिस ने इंगटू बोड़ो को गिरफ्तार करने के बाद एक मोबाइल चोरी गिरोह का भंडाफोड़ किया। गिरफ्तार सभी चोरों के पास से चोरी के 4 मोबाइल फोन बरामद किए गए। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी कार्वाई शुरू कर दी है।

पंडित गोविंद झा को दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

गुवाहाटी। मिथिला सांस्कृतिक समन्वय समिति एवं पूर्वोत्तर मैथिल पत्रिका की ओर से वयोवृद्ध भाषाविद, साहित्यकार, व्याकरणाचार्य पंडित गोविंद झा के निधन पर कल समिति के ए बी सी स्थित कार्यलय में एक शोक सभा का आयोजित किया गया। ज्ञातव्य हो कि पंडित गोविंद झा का निधन 18 अक्तूबर 23 को रात साढ़े दस बजे उनके पटना स्थित निवास स्थान पर 102 बर्ष की आयु में अंतिम सांस लिए। उनका जन्म 10 अक्तूबर 1922 को अपने पैतृक गांव में हुआ था। पंडित झा मैथिली, हिंदी, अंग्रेजी,बंगला, उड़िया, असमिया, नेपाली और संस्कृत का उद्भट विद्वान थे। मिसांसस का अध्यक्ष सत्य नारायण साहू ने पंडित झा के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए पुष्पांजलि अर्पित की वहीं उपाध्यक्ष जगनिवास झा ने अपने संक्षिप्त विवरण में उनका कृतित्व का उल्लेख किया। महासचिव विष्णुदेव झा ने दीप प्रज्वलित कर पुष्पांजलि दिया। पूर्व सचिव चन्द्र मोहन झा उपस्थित थे। समिति के मुख्य सलाहकार एवं पूर्वोत्तर मैथिल के संपादक प्रेम कान्त चौधरी ने पंडित झा के बारे में तथा उनके साथ अपना अनुभव साझा किया। पंडित झा 2004 में मिथिला सांस्कृतिक समन्वय समिति के विद्यापति स्मृति पर्व समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में गुवाहाटी आये हुए थे। पूर्वोत्तर मैथिल पत्रिका उनकी शतवार्षिकी पर एक विशेषांक 2021 में निकाला था। समय समय पर उनका आलेख पत्रिका में प्रकाशित हुआ है। पंडित झा सौ से ज्यादा विभिन्न विषयों पर पुस्तकें लिखी। करीब अस्सी बर्षों तक मैथिली की सेवा की। साहित्य अकादेमी सहित देश के अनेकों प्रतिष्ठित पुरस्कार से उन्हें सम्मानित किया गया। बर्ष 2019 में मिथिला सांस्कृतिक समन्वय समिति ने उन्हें अनवरत मैथिली भाषा साहित्य की सेवा के लिय पूर्वोत्तर मैथिल अटल मैथिली सम्मान से सम्मानित किया।

नॉर्थ-ईस्ट इंडिया फेस्टिवल का तीसरा संस्करण हो ची मिन्ह शुरू

गुवाहाटी। नॉर्थ ईस्ट इंडिया फेस्टिवल आधिकारिक तौर पर आज वियतनाम के हो ची मिन्ह सिटी में शुरू हुआ, जो एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम की शुरुआत है, जिसका उद्देश्य शिक्षा, व्यापार, व्यापार और संस्कृति की दुनिया में भारत और वियतनाम के बीच संबंधों को मजबूत करना है। महोत्सव ने दोनों देशों के मुख्यमंत्रियों, केंद्रीय मंत्रियों और उद्यमियों सहित महत्वपूर्ण हितधारकों की एक विशिष्ट सभा के लिए अपने दरवाजे खोले। उद्घाटन कार्यक्रम में वियतनाम के विभिन्न प्रांतों से कई उल्लेखनीय

हस्तियों और संगठनों की भागीदारी देखी गई, जो इस आयोजन के महत्व को रेखांकित करती है। उपस्थित प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों में वियतनाम के विदेश मंत्रालय, हो ची मिन्ह सिटी में विदेश संबंध विभाग के महानिदेशक ट्रान फुओक अन्ह और निन्ह थुआन प्रांत की पीपुल्स कमेटी के उपाध्यक्ष गुयेन लांग बीएन शामिल थे। शुरुआती दिन का कार्यक्रम संस्कृति और कूटनीति का सामंजस्यपूर्ण मिश्रण था। इसकी शुरुआत पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई, जिसके बाद मृदुस्मिता दास बोरा द्वारा मनमोहक सत्रिया नृत्य प्रस्तुत किया गया। राजदूत एचई वियतनाम में भारत के राजदूत संदीप आर्य ने उत्सव का माहौल तैयार करते हुए उद्घाटन भाषण दिया। भारत सरकार के माननीय विदेश राज्य मंत्री, एमओएस (आरआरएस) आरके रंजन और हो ची मिन्ह सिटी में विदेश संबंध निदेशक ट्रान फुओक अन्ह द्वारा भी विशेष टिप्पणियां साझा की गईं। इस दिन सरकारी अधिकारियों और विशेषज्ञों द्वारा असम, अरुणाचल, मेघालय और नागालैंड सहित विभिन्न स्थलों पर ज्ञानवर्धक वार्ताएं प्रस्तुत की गईं, जिसमें इन क्षेत्रों के अद्वितीय आकर्षणों पर जोर दिया गया। नॉर्थ ईस्ट इंडिया फेस्टिवल के मुख्य आयोजक श्यामकनु महंत ने इस आयोजन के लिए अपना दृष्टिकोण साझा करते हुए कहा कि पूरा कार्यक्रम एक्ट ईस्ट पॉलिसी में गहराई से निहित है। पिछले साल, भारत के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे बैंकॉक में आयोजित नॉर्थ ईस्ट इंडिया फेस्टिवल ने भारत और बैंकॉक के बीच संबंधों को बढ़ावा देने, दक्षिण पूर्व एशिया में संबंधों को काफी मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस वर्ष, वियतनाम में, हम सांस्कृतिक आदान-प्रदान पर विशेष जोर दे रहे हैं। यह पहली बार है कि वियतनाम इतने बड़े पैमाने पर किसी उत्सव का गवाह बन रहा है। हम इस पहल से ठोस परिणाम देखने को लेकर उत्साहित और आशावादी हैं।

मिजोरम को नशा मुक्त और अग्रणी खेल राज्य बनाने का भाजपा का वादा

आइजल (हिंस)। मिजोरम को नशा मुक्त और अग्रणी खेल राज्य बनाने समेत कई वादे के साथ भाजपा का विजन डक्यूमेंट आज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने आइजल में जारी किया। इस अवसर पर उन्होंने यह भी कहा कि भारत को एक नाजुक अर्थव्यवस्था माना जाता है। आज सिर्फ मैं ही नहीं, बल्कि सर्वश्रेष्ठ आर्थिक नेता भी इस बात से सहमत हैं कि भारत एकमात्र उज्ज्वल स्थान है। यह एक स्थिर अर्थव्यवस्था है, जो आगे बढ़ी है। नड्डा ने कहा कि अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, जापान और यूरोप जैसे देशों की अर्थव्यवस्थाओं के साथ समस्याएं हैं। लेकिन, आईएमएफ का कहना है कि भारत एक स्थिर और सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। ये पिछले नौ वर्षों में संभव हुआ है। इस अवसर पर जेपी नड्डा ने मिजोरम में एसईडीपी के कार्यान्वयन में सभी अनियमितताओं और भ्रष्टाचार की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने का भी वादा किया। उन्होंने असम-मिजोरम सीमा विवाद को सुलझाने का भी वादा किया। उन्होंने कहा कि असम के साथ लंबे समय से चले आ रहे भूमि विवाद को सुलझाकर मिजोरम के हितों और अधिकारों की रक्षा की जाएगी। भाजपा के विजन डॉक्यूमेंट में मिजोरम को नशा मुक्त बनाने की घोषणा की गई। पार्टी सत्ता में आने पर राज्य में नशा मुक्ति अभियान शुरू करेगी। राज्य में खेल प्रतिभाओं के विकास के लिए खेल अकादमी स्थापित करने की भी घोषणा की गई है। इस अकादमी के लिए पूर्ण वित्त पोषण प्रदान करने के अलावा, फुटबॉल, कुश्ती, भारोत्तोलन और हॉकी पर अधिक ध्यान देने के साथ खिलाड़ियों की आकांक्षाओं के लिए छात्रवृत्ति प्रदान करने का भी प्रावधान है। राज्य को एक प्रमुख खेल राज्य के रूप में स्थापित करने के लिए मिजोरम ओलंपिक मिशन शुरू करने का भी वादा किया गया है। जेपी नड्डा ने कार्यक्रम में एक्ट ईस्ट पॉलिसी का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इस नीति ने पूर्वोत्तर का चेहरा पूरी तरह से बदल दिया है।

नॉर्थ-ईस्ट युनाइटेड एफसी और सीग्राम्स इम्पीरियल ब्लू : अटूट साझेदारी के तीन साल

गुवाहाटी। सीग्राम्स इम्पीरियल ब्लू ने नोर्थ ईस्ट युनाईटड फुटबॉल क्लब (एनईयूएफसी) के साथ अपनी एक्सक्लुसिव साझेदारी की तीसरी सालगिरह का जश्न मनाया। सीग्राम इम्पीरियल ब्लू एवं एनईयूएफसी के बीच गहरा नाता है, वे न सिर्फ पार्टनर्स के रूप में बल्कि गेम के चैंपियन के रूप में भी एक दूसरे के साथ जुड़े हैं। उनकी साझेदारी उत्तरपूर्व में फुटबॉल प्रशंसकों में गर्व और एकजुटता की भावना को बढ़ावा देती है, फिर चाहे मैदान पर हो और मैदान के बाहर वे खूबसूरत गेम के लिए प्रतिबद्ध हैं। 27 अक्तूबर, 2023 को गुवाहाटी में आयोजित एक प्रेस सम्मेलन में उनकी साझेदारी का जश्न मनाया गया। इश्विंदर सिंह, जनरल मैनेजर- मार्केटिंग, पेरनोड रिकार्ड

इंडिया ने इस उल्लेखनीय यात्रा पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि उत्तर पूर्व में फुटबॉल के प्रति अनूठा स्नेह है। हमें खुशी है कि इस अतुल्य यात्रा के लिए हमें एनईयूएफसी के साथ साझेदारी का मौका मिला। यह साझेदारी हमारे उपभोक्ताओं के जुनून का जश्न मनाने और उनके सौहार्द्रपूर्ण क्षणों का अभिन्न हिस्सा बनने की ब्रांड की अवधारणा की पुष्टि करती है। यह जीवन को मुस्कराहट के साथ गले लगाने के ब्रांड के वादे को दर्शाती है। यह साझेदारी न सिर्फ इस खूबसूरत गेम के लिए हमारी प्रतिबद्धता को बल्कि समुदायों एवं प्रशंसकों के लिए हमारे समर्पण की भी अभिव्यक्ति करती है। इस उत्साह पर बात करते हुए श्री मंदार तमहाने, सीईओ, नोर्थ ईस्ट युनाईटेड फुटबॉल क्लब ने कहा कि सीग्राम इम्पीरियल ब्लू की पिछले तीन सालों की यात्रा सही मायनों में उल्लेखनीय रही है। नोर्थ ईस्ट युनाईटेड फुटबॉल क्लब के लिए उनके सतत सहयोग एवं प्रतिबद्धता ने हमारे विकास और उपलब्धियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। एक साथ मिलकर हमने फुटबॉल के प्रति उत्तरपूर्वी भारत के प्यार को अपनाया। हमें उम्मीद है कि आने वाले कई सालों में भी हमारी यह साझेदारी सफल बनी रहेगी। सीग्राम्स इम्पीरियल ब्लू और नोर्थ ईस्ट युनाईटेड फुटबॉल क्लब के बीच यह साझेदारी समुदायों को एकजुट करने की खेलों की क्षमता को दर्शाती है। यह साझेदारी क्षेत्र में फुटबॉल के प्रति स्नेह का जश्न है, जहां हर किक और हर गोल एकजुटता, सौहार्द्र और इस खूबसूरत गेम के लिए उत्तरपूर्व के जोश की अभिव्यक्ति करता है।

रानी में स्पोरखो मल्टीस्पेशलिटी क्लिनिक का शुभारंभ

गुवाहाटी। रानी क्षेत्र और उसके आसपास रहने वाले निवासियों के लिए गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा लाने के लिए, गुवाहाटी में रानी वन कार्यालय के पास रानी बाजार चौक पर आज स्पोरख मल्टीस्पेशलिटी क्लिनिक का शुभारंभ किया गया। लांच के अवसर पर डॉ. पार्थ प्रतिम कलिता, एमबीबीएस, एमडी (मेडिसिन) ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि अधिक से अधिक व्यक्तियों के लिए गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल सुलभ बनाने के उद्देश्य से, हमने रानी में स्पोरखो मल्टीस्पेशलिटी क्लिनिक लांच किया है। हमारी परामर्श सेवाएं हमारे रोगियों को सर्वोत्तम संभव चिकित्सा देखभाल प्रदान करने के लिए डिजाइन की गई हैं जहां उन्हें उचित उपचार के लिए इतनी दूर नहीं जाना पड़ेगा। स्पोरखो सबसे अच्छे स्वास्थ्य देखभाल अनुभवों में से एक प्रदान करता है

जहां स्वास्थ्य और कल्याण को पुन: प्राप्त करने में मदद करने के लिए लेजर उपचार सहित शल्य चिकित्सा प्रक्रियाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान की जाती है। डॉ. राजलक्ष्मी दत्ता, एमडी (पैथोलॉजी), निदेशक और संचालन प्रमुख, स्पोरखो मल्टीस्पेशलिटी, ने कहा कि हम समाज के सभी वर्गों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने की कोशिश कर रहे हैं और अपने रोगियों को पहले रखने में विश्वास करते हैं। हम प्रतीक्षा समय को कम करते हैं और जब संभव हो तो कॉल प्रदाताओं और एक ही दिन की नियुक्तियों की पेशकश करने की पूरी कोशिश करते हैं। चिकित्सा, पैथोलॉजी, स्त्री रोग विशेषज्ञ, बाल चिकित्सा, सर्जन और गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट के लिए सभी विशेषज्ञ डॉक्टर मल्टीस्पेशियलिटी क्लिनिक में उपलब्ध हैं। डॉ. पार्थ प्रातिम कलिता, एमबीबीएस, एमडी (मेडिसिन), डॉ. राजलक्ष्मी दत्ता, एमडी (पैथोलॉजी), निदेशक/संचालन के प्रमुख स्पोर्को मल्टीस्पेशियलिटी क्लिनिक, डॉ. शुभामित्र कर एमबीबीएस, एमडी (पीडियाट्रिक्स), एमबीबीएस, एमडी (पीडियाट्रिक्स) डॉ. मिंटू दे एमबीबीएस, एमडी (स्त्री रोग विशेषज्ञ), डॉ. कौशिक वोरा, एमबीबीएस, एमएस (सर्जन), डॉ. अरपाना दास, एमबीबीएस, एमडी (स्त्री रोग विशेषज्ञ) और डॉ. पंकज भराली, एमबीबीएस, एमडी, डीएम (गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट) रोगियों के लिए उपलब्ध हो। अनुभवी डॉक्टरों के अलावा मल्टीस्पेशियलिटी क्लिनिक में एक प्रयोगशाला और एक फार्मेसी है। लांच के दिन पास में रहने वाले निवासियों के लिए क्लिनिक के मेडिसिन विभाग द्वारा एक मुफ्त स्वास्थ्य जांच का संचालन किया गया था।

एसएसबी ने भारी मात्रा में अवैध खाद्य सामग्री के साथ ट्रक चालक को किया गिरफ्तार

कोकराझाड़ (विभास)। छठीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल रानीगुली के कार्यवाहक कमांडेंट प्रभाकर कुमार वैद्य, उप-कमाडेंट के मार्गदर्शन में सीमा चौकी दादगिरी द्वारा गठित टीम ने अंतर्राष्ट्रीय भारत भूटान सीमा स्तंभ 169/5 के नजदीक वाहन चेकिंग के दौरान एक ट्रक में लदे भारी मात्रा में खाद्य सामग्री जब्त किया। उक्त सामग्री को भारत से भूटान ले जाया जा रहा था। ट्रक चालक से पूछताछ के दौरान जानकारी व कागजात प्राप्त नहीं होने पर ट्रक की तलाशी ली गई। जिसमें चीनी-6748 किलो, चावल का आटा-2640 किलो, मैदा-8460 किलो, आटा-1950 किलो. सूजी-60 किलो, मैगी- 10 बॉक्स, खाने वाला सोडा -45 किलो तथा मक्का -5217 किलो बरामद किए गए। बताया जाता है कि यह सामग्री अवैध तरीके से ले जाया जा रहा था। ट्रक चालक की पहचान गौरी शंकर राय (48) के रूप में की गई है। जो बिहार का रहने वाला

बताया जाता है। जब्त किए गए अवैद्य खाद्य सामग्री व ट्रक तथा चालक को एसएसबी के द्वारा कस्टम ऑफिस हातिसार को आगे की कार्रवाई के लिए सौंप दिया गया है।

विवेक-चेतना को जगाने वाला है संस्कार निर्माण शिविर : साध्वी स्वर्णरेखाजी

गुवाहाटी। युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमणजी की विदुषी सुशिष्या साध्वी स्वर्णरेखाजी के पावन सान्निध्य एवं जैन श्वेतांबर तेरापंथी महासभा के तत्वावधान में तेरापंथी सभा गुवाहाटी द्वारा पांच दिवसीय संस्कार निर्माण शिविर का शुभारंभ गत 25 अक्तूबर को प्रात: 9 बजे सामूहिक नमस्कार महामंत्र से हुआ। इस अवसर पर साध्वीश्रीजी ने फरमाया कि ये शिविर जीवन रूपी उर्वरा में संस्कार रूप बीजों का वपन करके जीवन-वाटिका को सरसब्ज बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका रखते हैं और एक सशक्त वातावरण का निर्माण करते हैं। यह शिविर संस्कार-निर्माण की प्रक्रिया से परिचित कराने वाला है। विवेक-चेतना को जगाने वाला है। सम्पूर्ण जीवन को नया परिवेश प्रदान कर सकता है। इस शिविर के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय दिन अलग-अलग सत्रों में साध्वी स्वस्तिकाश्रीजी, साध्वी सुधांशुप्रभाजी एवं साध्वी

गौतमयशाजी के अलावा श्रीमती नमिता कोठारी, वार्ड काउंसिलर श्रीमती रत्ना सिंह, व्याख्याता डॉ. प्रदीप जैन, अरिंवद केजरीवाल, डॉ. ओपी गुप्ता अपने सारगर्भित विचारों से प्रशिक्षणार्थियों को लाभान्वित कर चुके हैं। साथ ही डॉ. दिलीप सेठिया, श्रीमती रश्मि खाटुवाला के अलावा समापन सत्र में राज्य की प्रथम महिला अनीता कटारिया अलग-अलग सत्रों में प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करेंगे। इसी क्रम में महासभा के उपाध्यक्ष नेमीचंद बैद, केंद्रीय संयोजक सुशील भंसाली (बंगाईगांव), सभाध्यक्ष बजरंग कुमार सुराणा ने अपने उद्‌गार व्यक्त किए। कोलकाता से समागत पूजा बोथरा ने प्रशिक्षणार्थियों के लिए साध्वीवृंद से इंटरव्यू के रूप में कई जिज्ञासाओं का समाधान करवाया। इस शिविर के संयोजक निलेश पगारिया एवं श्रीमती सुनीता गुजरानी ने बताया कि इस शिविर के आयोजन में केंद्रीय संयोजक सुशील भंसाली के अलावा स्थानीय स्तर पर श्रीमती रंजू बरड़िया, श्रीमती विनीता सुराणा, श्रीमती मीना बैद एवं रवि बुच्चा पूर्ण सहयोग कर रहे हैं।

मरम्मत-कार्यों के कारण पूसी रेलवे ने कीं ट्रेनें रद्द, पुनर्निर्धारित और मार्ग परिवर्तित

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे ने रंगिया मंडल के अधीन सरुपेटा-पाठशाला स्टेशनों के बीच ट्रैफिक एवं पावर ब्लॉक, चांगसारी-रंगिया स्टेशनों के बीच शैडो ब्लॉक और बोको, बामुणीगांव, शिंगरा, धूपधारा में टीआरडी ब्लॉक और निर्माण ब्लॉक एवं सिग्नल डिस्कनेक्शन तथा पोस्ट नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के लिए तथा साथ ही पूर्व रेलवे, पूर्वोत्तर रेलवे में प्री नॉन-इंटरलॉकिंग, नॉन-इंटरलॉकिंग कार्यों को देखते हुए कई ट्रेनों की सेवाओं को रद्द, पुनर्निर्धारित और मार्ग परिवर्तन किया है। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची डे ने बताया कि इनमें रद्द ट्रेन सेवाएं 28 और 29 अक्तूबर को ट्रेन संख्या 15769/15770 (अलीपुरद्वार-लामडिंग-अलीपुरद्वार) इंटरसिटी एक्सप्रेस, ट्रेन संख्या 15753/15754 (अलीपुरद्वार-गुवाहाटी-अलीपुरद्वार) शिफुंग एक्सप्रेस और ट्रेन संख्या 15928 (न्यू तिनसुकिया-रंगिया) एक्सप्रेस रद्द रहेगी। 28 अक्तूबर को ट्रेन संख्या 15927 (रंगिया-न्यू तिनसुकिया) एक्सप्रेस रद्द रहेगी। 29 अक्तूबर को ट्रेन संख्या 15967 (रंगिया-लीडो) एक्सप्रेस रद्द रहेगी। 29 और 31 अक्तूबर को ट्रेन संख्या 15417 (अलीपुरद्वार-सिलघाट

टाउन) राज्य रानी एक्सप्रेस और ट्रेन संख्या 05922 (न्यू तिनसुकिया-धुबड़ी) स्पेशल रद्द रहेगी। 30 अक्तूबर और 01 नवंबर को ट्रेन संख्या 15418 (सिलघाट टाउन-अलीपुरद्वार) राज्य रानी एक्सप्रेस और ट्रेन संख्या 05921 (धुबड़ी-न्यू तिनसुकिया) स्पेशल रद्द रहेगी। जो ट्रेनें पुनर्निर्धारित होंगी, उनमें 28 और 29 अक्तूबर को यात्रा शुरू करने वाली ट्रेन संख्या 05801 (न्यू बंगाईगांव-गुवाहाटी) पैसेंजर को 04:40 बजे के बजाय 06:10 बजे पुनर्निर्धारित किया गया है। 28 और 29 अक्तूबर को यात्रा शुरू करने वाली ट्रेन संख्या 05810 (गुवाहाटी-न्यू बंगाईगांव) पैसेंजर को 05:00 बजे के बजाय 06:30 बजे पुनर्निर्धारित किया गया है। 28 अक्तूबर को 21:50 बजे यात्रा शुरू करने वाली ट्रेन संख्या 22411 (नाहरलगुन-आनन्द विहार टर्मिनल) एक्सप्रेस को 29 अक्तूबर 00:50 बजे पुनर्निर्धारित किया गया है। 31 अक्तूबर को यात्रा शुरू करने वाली ट्रेन संख्या 22511 (लोकमान्य तिलक टर्मिनस-कामाख्या) एक्सप्रेस 13:15 बजे के बजाय 16:15 बजे पुनर्निर्धारित किया गया है। जिन ट्रेनों का मार्ग परिवर्तन किया गया है, उनमें 28 अक्तूबर को यात्रा शुरू करने वाली ट्रेन संख्या 20503 (डिब्रूगढ़-नई दिल्ली) राजधानी एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया कामाख्या-गोवालपारा टाउन-न्यू बंगाईगांव होकर चलेगी। 27 अक्तूबर से 07 नवंबर तक यात्रा शुरू करने वाली ट्रेन संख्या 15707 (कटिहार-अमृतसर) एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया सीवान-थावे-कप्तानगंज-गोरखपुर होकर चलेगी। 03 नवंबर को यात्रा शुरू करने वाली ट्रेन संख्या 15622 (आनंदविहार-कामाख्या) एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया गोरखपुर-कप्तानगंज-थावे-सीवान होकर चलेगी। 03 नवंबर को यात्रा शुरू करने वाली ट्रेन संख्या 15630 (सिलघाट टाउन-ताम्बरम) एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया आसनसोल-आद्रा-मिदनापुर-हिजली होकर चलेगी। 05 नवंबर को यात्रा शुरू करने वाली ट्रेन संख्या 05616 (गुवाहाटी-उदयपुर सिटी) एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया मुजफ्फरपुर-नरकटियागंज-पनियहवां-गोरखपुर होकर चलेगी। 06 नवंबर को यात्रा शुरू करने वाली ट्रेन संख्या 15909 (डिब्रूगढ़-लालगढ़) एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया सीवान-थावे-कप्तानगंज-गोरखपुर होकर चलेगी। 30 अक्तूबर और 06 नवंबर को यात्रा शुरू करने वाली ट्रेन संख्या 15651 (गुवाहाटी-जम्मू तवी) एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग सीवान-थावे-कप्तानगंज-गोरखपुर होकर चलेगी।

भारत 6जी के क्षेत्र में दुनिया का नेतृत्व करेगा : प्रधानमंत्री

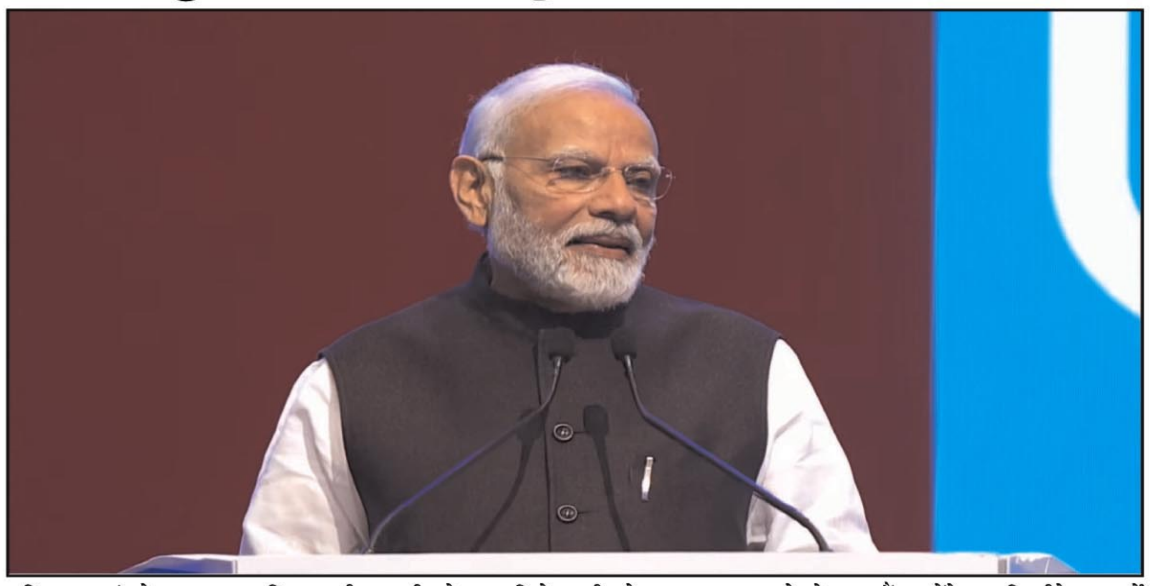

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि हम न सिर्फ भारत में तेजी से 5जी का विस्तार कर रहे हैं, बल्कि 6जी के क्षेत्र में भी लीडर बनने की दिशा में बढ़ रहे हैं। दिल्ली के भारत मंडपम में इंडिया मोबाइल कांग्रेस के 7वें संस्करण में प्रधानमंत्री ने कहा कि 21वीं सदी में तेजी से बदलती दुनिया के समय में आयोजित यह कार्यक्रम करोड़ों लोगों का भविष्य बदलने की क्षमता रखता है। एक समय था जब हम भविष्य की बात करते थे, तो उसका अर्थ अगला दशक, 20-30 साल का समय या फिर अगली शताब्दी होता था। आज हर दिन टेक्नोलॉजी में तेजी से होते परिवर्तन के कारण हम कहते हैं कि भविष्य यहीं और अभी है। कार्यक्रम स्थल पर प्रदर्शनी में लगे स्टॉल्स का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इस प्रदर्शनी में मैंने उसी भविष्य की झलक देखी। टेलीकॉम हो, टेक्नोलॉजी हो, कनेक्टिविटी हो, 6जी हो, एआई हो, साइबर सिक्योरिटी हो, सेमीकंडक्टर हो, ड्रोन या स्पेस सेक्टर हो या फिर दूसरे सेक्टर्स, आने वाला समय बिल्कुल ही अलग होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि ये हम सभी के लिए खुशी की बात है कि हमारी युवा पीढ़ी देश के भविष्य का नेतृत्व कर रही है, हमारी टेक रेवोल्यूशन को लीड कर रही है। पिछले वर्ष हम यहां 5जी रोलआउट के लिए एकत्र हुए थे। उस ऐतिहासिक कार्यक्रम के बाद पूरी दुनिया भारत को हैरत भरी नजरों से देख रही थी। आखिर भारत में दुनिया का सबसे तेज 5जी रोलआउट हुआ था। हम उस सफलता के बाद भी रुके नहीं। हमने 5जी को भारत के हर नागरिक तक पहुंचाने का काम शुरू किया। यानी हम रोलआउट स्तर से रीच आउट स्तर तक पहुंचे। मोदी ने कहा कि 5जी के लॉन्च के एक साल के भीतर ही भारत में लगभग 4 लाख 5जी बेस स्टेशन बन गए हैं।

इनसे देश के 97 प्रतिशत शहरों और 80 प्रतिशत से ज्यादा जनसंख्या को कवर किया जा रहा है। हम न सिर्फ भारत में तेजी से 5जी का विस्तार कर रहे हैं, बल्कि 6जी के क्षेत्र में भी लीडर बनने की दिशा में बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत में विकास का लाभ हर वर्ग, हर क्षेत्र तक पहुंचे, भारत में संसाधनों का सभी को लाभ मिले, सभी को सम्मानजनक जीवन मिले और सभी तक टेक्नोलॉजी का फायदा पहुंचे, इस दिशा में हम तेजी से काम कर रहे हैं। मेरे लिए यही सबसे बड़ा सामाजिक न्याय है। नागरिकों के लिए पूंजी तक पहुंच, संसाधनों तक पहुंच और प्रौद्योगिकी तक पहुंच हमारी सरकार की प्राथमिकता में है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत नेट प्रोजेक्ट ने अब तक करीब 2 लाख ग्राम पंचायतों को ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी से जोड़ा है। हमारी अटल टिकरिंग लैब के पीछे भी यही विचार है। 10 हजार लैब्स के जरिए हम करीब 75 लाख बच्चों को अग्रणी तकनीक से जोड़ पाए हैं। उन्होंने कहा कि बीते कुछ वर्षों में भारत की सबसे महत्वपूर्ण सफलता की कहानियों में हमारा स्टार्टअप इकोसिस्टम भी एक महत्वपूर्ण स्थान ले चुका है। बहुत कम समय में हमने यूनीकॉर्न का शतक लगाया है और हम दुनिया के टॉप 3 स्टार्टअप इकोसिस्टम में से एक बने हैं। 2014 से पहले भारत के पास मात्र कुछ सौ स्टार्टअप थे। अब ये संख्या 1 लाख के आसपास पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि भारत का सेमीकंडक्टर मिशन सिर्फ अपनी घरेलू डिमांड ही नहीं बल्कि दुनिया की जरूरत पूरी करने के मिशन पर आगे बढ़ रहा है।

देश में आंतरिक सुरक्षा संभालने में टेक्नोलॉजी का होगा अहम रोल : शाह

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज कहा कि आने वाले दिनों में देश की आंतरिक सुरक्षा संभालने में टेक्नोलॉजी का एक अहम रोल होने वाला है। इसी को देखते हुए मोदी सरकार ने 'पुलिस टेक्नोलॉजी मिशन' की स्थापना की। इसका उद्देश्य देश की पुलिस सेवाओं को टेक्नोलॉजी की दृष्टि से विश्व में सबसे सुसज्जित बनाना, पुलिसिंग में और देश की आंतरिक सुरक्षा संभालने में टेक्नोलॉजी का उपयोग बढ़ाना और पुलिस टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में अपराधियों से हमेशा दो कदम आगे रहे, ऐसी व्यवस्था करना है। शाह ने शुक्रवार को हैदराबाद में सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी में पासिंग आउट परेड के निरीक्षण के बाद 75वें बैच को संबोधित करते हुए कहा कि आज यहां से दीक्षित हो रहा 75 आरआर बैच का बहुत महत्व है, क्योंकि जब देश आजादी की शताब्दी मनाएगा तब आप लोग पुलिस व्यवस्था में 25 वर्ष की सेवा के बाद नेतृत्व कर रहे होंगे और देश की आंतरिक सुरक्षा की जिम्मेदारी आपके हाथों में होगी। आप इस मौके को अपने परिश्रम, निष्ठा, बलिदान और देश के प्रति समर्पण से इसे और ऐतिहासिक बनाएं। शाह ने कहा कि 75 आरआर बैच में 175 प्रशिक्षु अधिकारियों में 34 महिला अधिकारी हैं, जो अब तक सबसे बड़ा महिला भागीदारी का उदाहरण है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में आतंकवाद के खिलाफ हमने जीरो टॉलरेंस की पॉलिसी अपनाई है। अब हमें इससे आगे बढ़कर जीरो टॉलरेंस स्ट्रेटेजी और जीरो टॉलरेंस एक्शन की ओर जाना है। अब समय है हमें रिएक्शन, रेस्पांस पुलिसिंग से आगे बढ़कर प्रिवेंटिव पुलिसिंग, प्रेडिक्टिव पुलिसिंग और प्रो-एक्टिव पुलिसिंग की तरफ जाना होगा।

नांदेड़ जिले में मराठा कार्यकर्ताओं ने भाजपा सांसद के काफिले के दो वाहनों में की तोड़फोड़

मुंबई, (हि.स.)। आरक्षण की मांग को लेकर मराठा समाज आक्रामक हो गया है। कई जिलों में मराठा समाज ने नेताओं के प्रवेश पर रोक लगाने का ऐलान किया है। इसका खमियाजा नांदेड़ जिले में भाजपा सांसद प्रताप चिखलीकर को भुगतना पड़ा है। गुरुवार को देर रात मराठा कार्यकताओं ने प्रताप चिखलीकर के काफिले के दो वाहनों में तोड़फोड़ कर उन्हें क्षतिग्रस्त कर दिया। इसके बाद प्रताप चिखलीकर को बैरंग गांव से बाहर निकल जाना पड़ा। प्रताप चिखलीकर गुरुवार रात को नांदेड़ के अंबुलगा गांव में पूर्व जिला परिषद सदस्य मनोहर तेलंग से मिलने गए थे। इसकी जानकारी मिलते ही मराठा समाज सहित पूरे गांव वाले मौके पर इकट्ठा हो गए और एक मराठा लाख मराठा की घोषणा करने लगे। मराठा समाज चिखलीकर को वापस भेजने के लिए कह रहा था लेकिन जब चिखलीकर समर्थक बहस करने लगे तो इकट्ठा लोगों ने चिखलीकर के काफिले पर पथराव करना शुरू कर दिया। इस पथराव में चिखलीकर के काफिले के दो वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। मामला बढ़ता देख चिखलीकर गांव से बैरंग बाहर निकल गए। इसी तरह के विरोध का सामना पूर्व मंत्री जयप्रकाश मुंदड़ा को हिंगोली जिले में करना पड़ा। मराठा आरक्षण न मिलने आक्रोशित मराठा समाज ने जयप्रकाश मुंदड़ा को बैरंग वापस भेज दिया है। पुणे के बारामती में उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के किसी भी कार्यक्रम में आने पर भी मराठा समाज ने पाबंदी का ऐलान कर रखा है। मराठा समाज ने सूबे के हजारों गांवों में किसी भी दल के नेता के प्रवेश पर पाबंदी लगाई है। इसी वजह से अब नेताओं को गांव में जाने पर मराठा समाज के आक्रोश का सामना करना पड़ रहा है।

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुक्खू इलाज के लिए एम्स दिल्ली रवाना

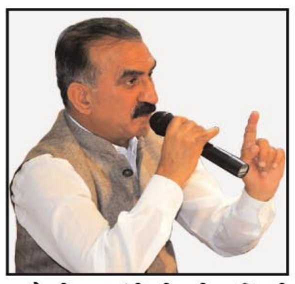

शिमला, (हि.स.)। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू का इलाज दिल्ली के एम्स में होगा। पेट में संक्रमण के चलते मुख्यमंत्री शिमला के आईजीएमसी में भर्ती थे। डॉक्टरों की सलाह पर मुख्यमंत्री शुक्रवारसुबह 10 बजे हेलीकॉप्टर से दिल्ली के लिए रवाना हुए। आधिकारियों के मुताबिक मुख्यमंत्री का स्वास्थ्य ठीक है, लेकिन उनका उपचार एम्स में बेहतर हो सकता है। इसलिए वह दिल्ली एम्स के लिए रवाना हुए। बुधवार देररात मुख्यमंत्री के पेट में दर्द उठा था। इसके बाद उन्हें आईजीएमसी लाया गया। आईजीएमसी प्रशासन ने उनके स्वास्थ्य पर नजर रखने के लिए छह डॉक्टरों की एक टीम गठित की थी। कुछ माह पहले भी मुख्यमंत्री की तबीयत बिगड़ी थी। जून माह में मुख्यमंत्री ने मोहाली के एक निजी अस्पताल में इलाज करवाया था। इसके बाद वह पूरी तरह स्वस्थ थे और पूरे प्रदेश का दौरा कर रहे थे। हाल ही में मुख्यमंत्री ने कुल्लू, मंडी और बिलासपुर जिलों का दौरा कर वहां के आपदा प्रभावितों को राहत राशि वितरित की।

उपराष्ट्रपति ने केदारनाथ-बदरीनाथ में पूजा-अर्चना कर देश की खुशहाली की कामना की

– बाबा केदारनाथ धाम में अपार शांति का अनुभव हो रहा है : उपराष्ट्रपति

गुप्तकाशी, (हि.स.)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शुक्रवार को केदारनाथ एवं बदरीनाथ धाम में पूजा-अर्चना कर देश की खुशहाली की कामना की। उपराष्ट्रपति के साथ उनकी पत्नी सुदेश धनखड़ भी मौजूद रहीं। उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने उपराष्ट्रपति का स्वागत किया। शुक्रवार सुबह उपराष्ट्रपति पत्नी संग पहले केदारनाथ धाम पहुंचे। वीआईपी हेलीपैड पहुंचने पर राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि), जिलाधिकारी डॉ. सौरव गहरवार, पुलिस अधीक्षक विशाखा अशोक भदाणे, एडीएम बीर सिंह बुदियाल, उप जिलाधिकारी ऊखीमठ जितेंद्र वर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष महावीर पंवार, केदार सभा के अध्यक्ष राजकुमार तिवारी ने पुष्प भेंट कर उप राष्ट्रपति का स्वागत किया। इसके बाद उपराष्ट्रपति ने केदार घाटी की जानकारी ली। कुछ देर सेफ हाउस में रुकने के बाद उपराष्ट्रपति बाबा केदारनाथ मंदिर पंहुचे। मंदिर के समीप केदार सभा, मंदिर समिति, तीर्थ पुरोहित समाज ने परंपरागत मंत्रोच्चारण एवं रुद्राक्ष की माला पहनाकर उनका स्वागत किया। साथ ही बाबा केदारनाथ का वस्त्र बाघंबर ओढ़ाकर उनका सम्मान किया। उपराष्ट्रपति ने केदारनाथ मंदिर प्रवेश कर रूद्राभिषेक एवं विशेष पूजा-अर्चना की और देश की खुशहाली एवं जनकल्याण की कामना की। इसके बाद राज्यपाल ने उपराष्ट्रपति को केदारपुरी में चल रहे पुनर्निर्माण एवं विकास कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि बाबा केदारनाथ धाम में अपार शांति का अनुभव हो रहा है। यहां के विहंगम दृश्य मंत्रमुग्ध करने वाले हैं। इस अवसर पर उन्होंने मंदिर परिसर में मौजूद श्रद्धालुओं एवं स्थानीय लोगों का अभिवादन किया। साथ ही अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा धाम में कठिन परिस्थितियों में किए जा रहे कार्यों की सराहना भी की।

भगवान बदरीनाथ के किए दर्शन – उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ बाबा केदारनाथ के दर्शन करने के बाद बदरीनाथ धाम पहुंचे। उपराष्ट्रपति सेना के विशेष विमान से बदरीनाथ धाम पहुंचे। चमोली जिलाधिकारी हिमांशु खुराना तथा पुलिस अधीक्षक रेखा यादव ने पुष्प गुच्छ देकर उनका स्वागत किया। उपराष्ट्रपति बदरीनाथ मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचे। मंदिर परिसर में बदरीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति के उपाध्यक्ष किशोर पंवार, धर्माधिकारी राधाकृष्ण थपलियाल, मीडिया प्रभारी डॉ. हरीश गौड़ ने उनका स्वागत किया और प्रसाद स्वरूप तुलसी की माला और भगवान का प्रसाद भेंट किया। इसके बाद उन्होंने मंदिर में भगवान बदरीविशाल के दर्शन कर पूजा-अर्चना की और देश की सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना की। बदरीनाथ के मुख्य रावल ईश्वरी प्रसाद नंबूदरी और तीर्थ पुरोहितों ने मंत्रोच्चार के साथ पूजा संपन्न करवायी। उपराष्ट्रपति के दौरे के लिए सुरक्षा के विशेष इंतजाम किये गये थे। उनके आने से कुछ समय पहले ही बदरीनाथ मंदिर परिसर को जीरो जोन बना दिया गया था। इस मौके पर उनके साथ उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरुमीत सिंह (सेनि) भी रहे। 25 मिनट तक बदरीनाथ में रुकने बाद उपराष्ट्रपति ने देहरादून के लिए प्रस्थान किया।

राजस्थान विस चुनावः अशोक गहलोत ने किया कॉलेज छात्रों को लैपटॉप देने का वादा

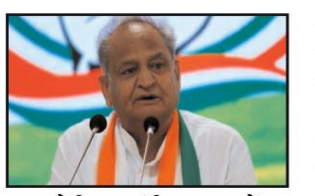

जयपुर, (हि.स.)। राजस्थान में दो दिन पहले झुंझुनूं में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी की मौजूदगी में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की ओर से प्रदेशभर की महिलाओं को दोबारा सरकार बनने पर दो गारंटी का ऐलान करने के बाद शुक्रवार को पांच अन्य गारंटियां दे दी गईं। उन्होंने राजस्थान में दोबारा कांग्रेस की सरकार आने पर कॉलेज छात्रों को लैपटॉप देने के साथ छत्तीसगढ़ की तर्ज पर राजस्थान में भी गोधन गारंटी योजना लागू करने का ऐलान किया। गहलोत ने किसानों के लिए छत्तीसगढ़ की तर्ज पर गोधन गारंटी लागू कर गाय का गोबर दो रुपये किलो खरीदने, छात्रों के लिए सरकारी इंग्लिश मीडियम स्कूलों में एडमिशन के लिए लॉटरी की जरूरत लागू नहीं कर सभी को एडमिशन देने का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि हम इंग्लिश मीडियम स्कूलों की तर्ज पर इंग्लिश मीडियम कॉलेज भी शुरू करेंगे। उन्होंने युवाओं के लिए हर कॉलेज में स्टूडेंट को एडमिशन के साथ ही लैपटॉप या टैबलेट देने की गारंटी दी। इसके अलावा आपदा पीड़ितों के लिए प्राकृतिक आपदा में हुए नुकसान में पीड़ित परिवार का 15 लाख तक का बीमा करवाने की गारंटी देने का वादा किया। उन्होंने कहा कि चुनावों में कर्मचारियों को लुभाने के लिए उन्होंने कहा कि राज्य में कर्मचारियों को पुरानी पेंशन देने की शुरूआत इसी बजट से की गई है, अब ओपीएस गारंटी कानून लाने का वादा किया। राजस्थान में ईडी के छापों पर गहलोत ने कहा कि कितने दुख की बात है कि एक राज्य के मुख्यमंत्री को यह कहना पड़ रहा है कि ईडी कुत्तों से ज्यादा घर-घर घूम रही है। इस बयान पर विवाद होने के बाद उन्होंने कहा कि मैं ये अपनी तरफ से नहीं कर रहा हूं, एक मुख्यमंत्री को कोट करके बात कही है। गहलोत ने केंद्र और भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में ईडी के अफसरों ने पिछले छह महीने से वहां पर किराए पर घर ले रखे हैं। वहीं डेरा डाले रहो हैं तो मुख्यमंत्री क्या करेंगे। उन्होंने कहा कि यह सब केंद्र के इशारे पर हो रहा है। कांग्रेस चुनावों के लिए अब तक सात गारंटी की घोषणा कर चुकी है। दो गारंटियों की घोषणा दो दिन पहले प्रियंका गांधी की सभा में की गई थी। इसमें गृह लक्ष्मी गारंटी योजना के तहत महिला मुखिया को हर साल 10 हजार रुपये और सभी को 500 रुपये में सिलेंडर देना शामिल है। गहलोत ने कहा कि इन गारंटियों के अलावा कांग्रेस घोषणा पत्र भी जल्द ही जारी करेगी। इस चुनाव में कांग्रेस ने अलग-अलग चरणों में गारंटी देने का नया दांव खेला है। गहलोत ने कहा कि मोदीजी को समझ में नहीं आ रहा, लेकिन आपकी देश में उल्टी गिनती शुरू हो गई है। राजस्थान और हमारी गारंटियों से मोदी घबरा गए हैं। गहलोत ने कहा कि कांग्रेस की सरकार आने पर महंगाई भत्ता केंद्र के अनुसार ही बढ़ाया जाएगा। इसका फायदा आठ लाख कर्मचारी और 4.40 लाख पेंशनर्स को मिलेगा। आचार संहिता लागू है, इसलिए हमने मंजूरी देकर प्रस्ताव चुनाव आयोग को भेज दिया है। चुनाव आयोग की मंजूरी के बाद कर्मचारियों को लाभ मिलेगा। दीपावली बोनस के लिए भी मंजूरी मांगी गई है। मुख्यमंत्री ने नई गारंटियों की घोषणा के दौरान कहा कि राजस्थान की योजनाओं पर रिसर्च करने के लिए लंदन के क्वींस कॉलेज के प्रोफेसर आए हैं। मुख्यमंत्री गहलोत ने कहा कि लोगों को 25 लाख का स्वास्थ्य बीमा कैसे मिल रहा है, यह लोगों को समझ नहीं आ रहा है। कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने ईडी के छापों पर कहा कि मैं जांच से नहीं डरता। जब पेपर लीक पर एसओजी जांच कर रही थी तो मैंने मुख्यमंत्री से कहा कि इस जांच को और तेज कीजिए। मेरे शिक्षा मंत्री के कार्यकाल की निष्पक्ष जांच करवा ली जाए। भाजपा के इन छापों से मैं और कांग्रेस डरने वाले नहीं हैं।

पश्चिम बंगाल के मंत्री ज्योतिप्रिय मल्लिक राशन वितरण धांधली मामले में गिरफ्तार

कोलकाता, (हि.स.)। पश्चिम बंगाल के बहुचर्चित राशन वितरण धांधली मामले में केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने राज्य के पूर्व खाद्य मंत्री और वर्तमान वनमंत्री ज्योतिप्रिय मल्लिक को रात 3:00 बजे गिरफ्तार किया है। ईडी के अधिकारियों ने आज सुबह इसकी पुष्टि की।

उन्होंने बताया कि 20 घंटे से अधिक समय तक तलाशी अभियान और पूछताछ के बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया । आरोप है कि उन्होंने जांच अधिकारियों को गुमराह करने की कोशिश की और पूछताछ में कई सवालों को टालने की कोशिश कर रहे थे। इसके बाद जांच में असहयोग का आरोप लगाते हुए उन्हें गिरफ्तार किया गया है। ईडी ने गुरुवार सुबह उनके घर छापा मारा था। रात 3:00 बजे उन्हें गिरफ्तार करने के बाद केंद्रीय बलों की सुरक्षा में सीजीओ कांप्लेक्स स्थित ईडी दफ्तर ले जाया गया। आज उन्हें कोर्ट में पेश किया जाएगा। सीजीओ कांप्लेक्स में प्रवेश करते समय मल्लिक ने मीडिया से बात की। उन्होंने कहा कि मैं गंभीर षड्यंत्र का शिकार हुआ हूं।

उल्लेखनीय है कि ईडी ने कोलकाता के साल्ट लेक इलाके में स्थित वन मंत्री मलिक के दो फ्लैटों पर छापा मारा। उनके पूर्व निजी सहायक के दमदम स्थित आवास और कुछ अन्य स्थानों की भी तलाशी ली गई। केंद्रीय जांच एजेंसी इस मामले में बकीबुर रहमान नाम के कारोबारी को गिरफ्तार कर चुकी है।

मप्र विस चुनावः बसपा ने जारी की 13वीं सूची, 15 उम्मीदवारों के नाम घोषित

भोपाल, (हि.स.)। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने अपने उम्मीदवारों की तेरहवीं सूची जारी कर दी है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष इंजी. रमाकांत पिप्पल द्वारा गुरुवार देर रात (आधी रात को) जारी की गई इस सूची में 15 उम्मीदवारों के नाम घोषित किए गए हैं। इसमें भिंड से मौजूदा विधायक संजीव सिंह कुशवाह को भी बसपा ने टिकट दिया है। भाजपा से टिकट नहीं मिलने से नाराज होकर संजीव सिंह कुशवाह ने गुरुवार को ही पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दिया था। इस सूची में बसपा ने कुल सात सीटों पर उम्मीदवार बदले हैं, जबकि आठ सीटों पर उम्मीदवारों के नाम घोषित किए हैं। दरअसल, 2018 में संजीव सिंह कुशवाह बसपा के टिकट पर ही चुनाव लड़े थे और जीतक विधायक भी बने थे, लेकिन बाद में वे बसपा छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए थे, लेकिन इस बार भाजपा ने उनका टिकट काट दिया।

इसके नाराज होकर संजीव सिंह कुशवाह ने गुरुवार को भाजपा छोड़ दी और दोबारा बसपा में शामिल हो गए। देर रात बसपा ने 13वीं सूची में भिंड में रक्षपाल सिंह कुशवाह का नाम परिवर्तन कर दोबारा संजीव सिंह कुशवाह को प्रत्याशी बनाया है। इसके अलावा बसपा ने छह अन्य सीटों पर अपने उम्मीदवार बदल दिए हैं। इनमें ग्वालियर से पप्पन यादव की जगह मनोज शिवहरे, पृथ्वीपुर में रमन पस्तोर का नाम बदलकर आशीष रैकवार, विजयपुर में महेश कुशवाह का नाम बदलकर धारा सिंह कुशवाह, डॉ. अंबेडकर नगर महू में राजेंद्र वर्मा का नाम बलकर कैलाश ऊटवाल और आलोट में गोपाल परिहार का नाम बदलकर मोहन परिहार को टिकट दिया है। इसके अलावा बसपा ने ग्वालियर दक्षिण से सद्दो खान, डबरा से सत्यप्रकाशी परसेड़िया, मल्हरा से लखन लाल अहिरवार, जयसिंह नगर से रंजीत सिंह, देपालपुर से प्रकाश सोलंकी, इंदौर-2 से ज्ञानेंद्र बगोरिया, इंदौर-3 से राजेंद्र अहिरवाल, रतलाम शहर से जहीर उद्दीन, लांजी से विजय वारे को उम्मीदवार बनाया है।

एयर इंडिया ने कैप्टन क्लॉस गोएर्श को सीओओ नियुक्त किया

नई दिल्ली, (हि.स.)। विमानन कंपनी एयर इंडिया ने कैप्टन क्लॉस गोएर्श को कार्यकारी उपाध्यक्ष और मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) नियुक्त किया है। वह कैप्टन आरएस संधू की जगह लेंगे। इसके साथ ही कंपनी ने कई अन्य वरिष्ठ पदों पर नियुक्तियां की हैं। कंपनी के बयान के मुताबिक कैप्टन क्लॉस गोएर्श को सीओओ नियुक्त किया गया है। एयर इंडिया एयरलाइन में गोएर्श का काम उड़ान संचालन, इंजीनियरिंग, ग्राउंड संचालन, एकीकृत संचालन नियंत्रण तथा चालक दल के सदस्यों के कार्यों की देखरेख करना होगा। गोएर्श एक लाइसेंस प्राप्त बी 777/787 पायलट हैं। उन्होंने ब्रिटश एयरवेज और एयर कनाडा दोनों में समान पदों पर सेवाएं दी हैं। कैप्टन क्लॉस एयर इंडिया के नए गुरुग्राम मुख्यालय से कार्य करेंगे। कंपनी ने कहा है कि मौजूदा परिचालन प्रमुख आरएस संधू सलाहकार की भूमिका में एयरलाइन के साथ बने रहेंगे। एयरलाइन ने अपनी टीम को और मजबूत करने के लिए अन्य वरिष्ठ नियुक्तियों की घोषणा की है। कैप्टन मनीष उप्पल को फ्लाइट ऑपरेशंस का वरिष्ठ उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है, जबकि कैप्टन हेनरी डोनोहो कॉर्पोरेट सुरक्षा और गुणवत्ता उपाध्यक्ष की भूमिका में होंगे। इसके अलावा पंकज हांडा ग्राउंड ऑपरेशंस का नेतृत्व करेंगे, चूराह सिंह डिवीजनल वाइस प्रेसिडेंट इंटीग्रेटेड ऑपरेशंस कंट्रोल और जूली एनजी डिवीजनल वाइस प्रेसिडेंट केबिन क्रू के रूप में नियुक्त हुए हैं। वे सभी कैप्टन गोएर्श को रिपोर्ट करेंगे। कैप्टन गोएर्श, डोगरा और डोनोहो एयर इंडिया के प्रबंध निदेशक तथा मुख्य कार्यकारी अधिकारी कैंपबेल विल्सन के अधीन काम करेंगे।

कनॉट प्लेस में कार ने दिल्ली पुलिस के कॉन्स्टेबल को मारी टक्कर

नई दिल्ली, (हि.स.)। राजधानी की सड़कों पर रफ्तार का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। भले ही ट्रैफिक पुलिस अलग-अलग अभियान चलाकर तेज रफ्तार में गाड़ी चलाने वालों के खिलाफ एक्शन ले रही है, लेकिन ऐसी घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। ऐसा ही एक मामला नई दिल्ली के कनॉट प्लेस इलाके में सामने आया है, जिसमें रात में बैरिकेड के पास तैनात दिल्ली पुलिस के कॉन्स्टेबल को कार ने जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह घायल हो गया। बताया जा रहा है कि वह कनॉट प्लेस थाने का कॉन्स्टेबल है। हादसा कनॉट प्लेस के आउटर सर्किल पर हुआ, जब कॉन्स्टेबल पिकेट लगाकर गाड़ियों की चेकिंग कर रहा था। तभी एक तेज रफ्तार एसयूवी आई और पुलिसकर्मी को टक्कर मारकर फरार हो गई। इसके बाद पास में मौजूद ट्रैफिक पुलिस के स्टाफ ने गाड़ी का पीछा कर कुछ दूर जाकर कार को रुकवाया और चालक को पकड़ लिया। हादसा 24 अक्टूबर की देर रात का बताया जा रहा है। कॉन्स्टेबल को कार द्वारा टक्कर मारने का फुटेज भी सामने आया है, जिसमें देखा जा सकता है कि कैसे गाड़ी ने कॉन्स्टेबल को टक्कर मारी। इस दौरान कॉन्स्टेबल कई फीट हवा में उछलकर गिरा। इसके बाद उसे नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। राहत की बात यह रही की उसकी जान बच गई। कॉन्स्टेबल की हालत ठीक होने के बाद उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। वहीं पकड़े गए गाड़ी के ड्राइवर के बारे में अभी पुलिस की तरफ से कोई जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई है। पुलिस ने गाड़ी को जब्त कर लिया है और आगे की कारवाई कर रही है।

दिल्ली में 'ड्रोन से आग बुझाने की तैयारी'!

अजय त्यागी

नई दिल्ली। दिल्ली दमकल विभाग अब ड्रोन से आग बुझाने की तैयारी कर रहा है। गुजरात की एक आईटी कंपनी के द्वारा निर्मित ड्रोन युक्त कैफ फोम टेंडर का डेमोस्ट्रेशन दमकल विभाग की टीम ने रोहिणी के ट्रेनिंग सेंटर में देखा। अभी देश के किसी भी राज्य में दमकल विभाग के पास ड्रोन से आग बुझाने की हाईटेक टेक्निक उपलब्ध नहीं है। यदि आने वाले समय में दिल्ली दमकल विभाग किसी भी कंपनी से ड्रोन खरीदता है, तो यह देश का पहला दमकल सर्विस हो जायेगा, जिसके पास ड्रोन से आग बुझाने वाला सिस्टम होगा। दमकल विभाग के निदेशक अतुल गर्ग ने कहा की लगातार दमकल सर्विस को अत्याधुनिक गाड़ियों से लैस करने की कोशिश की जा रही है। पहले रॉबर्ट लाया गया जब उसका बेहतर इस्तेमाल होने लगा तो उसके बाद स्नैक लेडर गाड़ी भी खरीदी गई। यह गाड़ी सांप की तरह अंदर कोने में घुसकर आग बुझाती है और इसमें अत्याधुनिक कैमरे और आग बुझाने वाले जेट लगे होते हैं।

बिना अगले हिस्से में फायरमैन को तैनात किए उसका इस्तेमाल आग बुझाने में किया जाता है। अब ड्रोन से और हाई टेक्निक से बुझाया जा सकता है।

एक दर्जन से ज्यादा फायर ऑफिसर की टीम ने देखा – डेमोस्ट्रेशन के दौरन फायर डायरेक्टर अतुल गर्ग के साथ चीफ फायर ऑफिसर वीरेंद्र सिंह, ट्रेनिंग सेंटर से डिप्टी चीफ ए के मलिक, एम के चटोपाध्याय, डिविजनल ऑफिसर मुकेश वर्मा, वेदपाल, संदीप दुग्गल, एसिस्टेंट डिविजनल ऑफिसर सोमवीर, ए. के शर्मा, रविनाथ, मनीष, नागेंद्र, दीपक हुड्डा सहित कई फायर ऑफिसर मौजूद रहे।

एक मिनट में 800 लीटर फोम यूज कर सकता ड्रोन – कंपनी के चीफ एक्जीक्यूटिव ऑफीसर हेमल शाह ने बताया की आज यहां डेमोशट्रेशन देकर दमकल अधिकारियों को सबकुछ बताया गया है। इनका दावा है, की यह ड्रोन 60 मीटर ऊंचाई पर जाकर यानी 20 मंजिल तक की आग बुझा सकता है। एक मिनट में 800 लीटर फोम यूज किया जा सकता है। इस ड्रोन का डेमोशट्रेशन मुंबई और कोलकाता में भी कंपनी के द्वारा किया जा चुका है।

आईआईटी कानपुर ने रिन्यूएबल एनर्जी और ई-मोबिलिटी में ई-मास्टर डिग्री की घोषणा

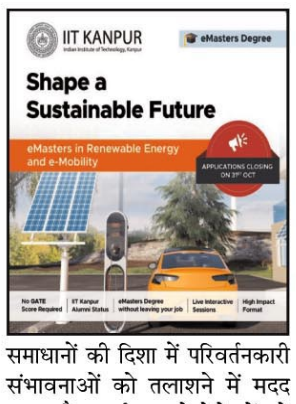

कानपुर, (हि.स.)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर ने रिन्यूएबल एनर्जी और ई-मोबिलिटी में एक अनोखा ईमास्टर्स डिग्री कार्यक्रम शुरू किया है। इस कार्यक्रम में 1-3 वर्षों के भीतर पूरा करने की लचीली समय सीमा बोनस के रूप में प्रदान की गई है। यह जानकारी शुक्रवार को आईआईटी कानपुर के कार्यवाहक निदेशक प्रो. एस. गणेश ने दी। उन्होंने बताया कि आई आई टी कानपुर के सस्टेनेबल एनर्जी इंजीनियरिंग, केमिकल इंजीनियरिंग, सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा डिजाइन किए गए इस ईमास्टर्स कार्यक्रम का उद्देश्य एक सक्षम और उच्च कुशल कार्यबल का निर्माण करना है जो पर्यावरणीय जिम्मेदारी की दिशा में काम कर सके। इस कार्यकारी-अनुकूल ई-मास्टर डिग्री प्रोग्राम में आवेदन करने के लिए GATE स्कोर की आवश्यकता नहीं है। पेशेवर अपने वर्किंग करियर को रोके बिना इसे पूरा कर सकते हैं । इस कार्यक्रम को 1-3 वर्षों के भीतर पूरा करने की लचीली समय सीमा बोनस के रूप में प्रदान की गई है। प्रो. एस. गणेश ने बताया कि जैसे-जैसे दुनिया जीवाश्म ईंधन के प्रयोग में बदलाव की ओर बढ़ रही है, कार्बन उत्सर्जन पर अंकुश लगा रही है और जलवायु परिवर्तन का मुकाबला कर रही है, रिन्यूएबल एनर्जी और ई-मोबिलिटी में यह ई-मास्टर्स कार्यक्रम नवीन और पर्यावरण-अनुकूल समाधानों की दिशा में परिवर्तनकारी संभावनाओं को तलाशने में मदद करता है। कार्यक्रम को पेशेवरों को इस बदलाव के विभिन्न तकनीकी पहलुओं से अवगत कराने के लिए तैयार किया गया है, जिसमें फोटोवोल्टिक्स, विंड, बैटरी, हाइड्रोजन और बहुत तेजी से बढ़ते विद्युत वाहन डोमेन जैसे पीढ़ी के स्रोत शामिल हैं। रिन्यूएबल एनर्जी और ई-मोबिलिटी की ये जुड़वां ताकतें सामूहिक रूप से नवाचार को बढ़ावा देती हैं, गैर-नवीकरणीय संसाधनों पर निर्भरता को कम करती हैं, और पर्यावरण और आर्थिक अनिवार्यताओं को संबोधित करते हुए एक हरित, अधिक लचीली दुनिया को बढ़ावा देती हैं। वैश्विक नवीकरणीय ऊर्जा बाजार के 2030 तक लगभग 02 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है, जिससे चुनौतियों का समाधान करने और अवसरों का लाभ उठाने के लिए अत्यधिक कुशल कार्यबल की आवश्यकता होगी। आईआईटी कानपुर के प्रतिष्ठित संकाय और निपुण शोधकर्ताओं के नेतृत्व में उद्योग-प्रासंगिक कार्यक्रम लाइव इंटरैक्टिव सप्ताहांत कक्षाओं और सेल्फ-लर्निंग से सीखने की विशेषता वाला एक उच्च प्रभाव वाला सीखने का अनुभव प्रदान करता है। उद्योग जगत की मांग को पूरा करने के लिए तैयार यह पाठ्यक्रम, आईआईटी कानपुर में एमटेक और पीएचडी कार्यक्रमों जैसे उच्च शिक्षा के अवसरों के लिए निर्बाध क्रेडिट हस्तांतरण की अनुमति देता है, जिसमें 60 क्रेडिट तक की छूट की संभावना है। प्रतिभागियों को आईआईटी कानपुर के इनक्यूबेशन सेल और व्यापक एलम नेटवर्क तक विशेष पहुंच का भी अवसर मिलता है, जिससे उनके करियर में उन्नति और नेटवर्किंग की संभावनाएं समृद्ध होती हैं। यह कार्यक्रम हमारे देश के भविष्य को आकार देने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए विविध विशेषज्ञता वाले पेशेवरों को सशक्त बनाता है। जनवरी 2024 में लॉन्च होने वाले इस अत्याधुनिक ईमास्टर्स डिग्री प्रोग्राम ने 600 से अधिक पेशेवरों को आकर्षित किया है जो अग्रणी क्षेत्रों में अपने करियर को आगे बढ़ा रहे हैं। कार्यक्रम के बारे में अधिक जानकारी के लिए और आवेदन करने के लिए कृपया वेबसाइट का अवलोकन करें: https://emasters.iitk.ac.in/course/masters-in-renewable-energy-and-emobility

मुख्यमंत्री योगी ने श्री अन्न महोत्सव का शुभारम्भ किया

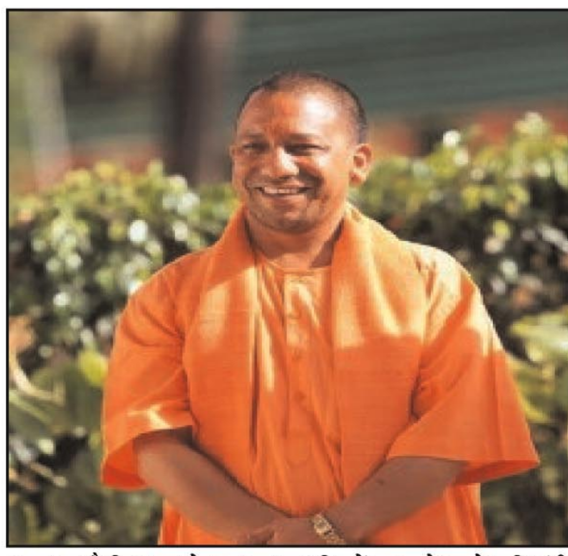

लखनऊ, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को यहां इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में तीन दिवसीय श्री अन्न महोत्सव तथा राज्यस्तरीय श्रीअन्न प्रदर्शनी एवं कायार्शाला का शुभारम्भ किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी ने श्री अन्न की खेती से जुड़े प्रगतिशील किसानों (कृषक उत्पादक संगठनों) को चार-चार लाख रुपये की सहायता राशि पुरस्कार के रूप में दी तथा कृषि विज्ञान केन्द्रों को 95-95 लाख रुपये दिए गए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कृषि और कृषि अनुसंधान में व्यापक परिवर्तन लाकर किसानों के जीवन में बदलाव लाएंगे। इस दिशा में यह श्रीअन्न महोत्सव मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि वैदिक काल से ही श्रीअन्न की उपयोगिता रही है। व्रत के दौरान ऐसे चिन्हित श्रीअन्न का उपयोग ही कर सकते हैं। इसका महत्ता का वर्णन हमारे वेदों में भी है। कम खेती में अधिक उत्पादन करने का लक्ष्य था। उसे पूरा किया जा चुका है। हमारे वैज्ञानिकों के परिश्रम से यह संभव है। ज्यादातर श्रीअन्न को पैदा करने के लिए बहुत कम पानी की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के प्रयासों का असर यह है कि भारत के लगभग हर परिवारों में किसी न किसी श्रीअन्न का उपयोग किया जाने लगा है। उन बहनों का भी धन्यवाद जिन्होंने श्रीअन्न से सुंदर और स्वादिष्ट पकवान तैयार किये हैं। लोग खाने में रुचि ले रहे हैं। इससे पहले कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से आज मोटे अनाज की खेती हो या योग पूरी दुनिया इसे स्वीकार रही है। यह स्वास्थ्य के लिए अच्छा है। करीब 60 करोड़ लोग मोटे अनाज का सेवन कर रहे हैं। पश्चिमी देशों ने भी स्वीकारा है। मोटे अनाज की मांग बढ़ने से हमारे किसानों को लाभ हो रहा है। मोटे अनाज की खेती में खाद और पानी की जरूरत कम पड़ती है। खेती पर लागत कम आएगी तो तो मुनाफा अधिक होगा।

पीएम मोदी ने नारी शक्ति को अंतिम पायदान से आगे लाने का किया काम : अर्चना मिश्र

गाजियाबाद-नारी वंदन शक्ति सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी का आभार

गाजियाबाद, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश मंत्री अर्चना मिश्रा ने शुक्रवार को यहां कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिला शक्ति को अंतिम पायदान से आगे लाने का काम किया है। वह नेहरू नगर स्थित पं.दीनदयाल ऑटिडोरियम में नारी शक्ति वंदन अधिनियम लागू करने पर पीएम मोदी का धन्यवाद कार्यक्रम को सम्बोधित कर रही थी। वह कार्यक्रम में मुख्य अतिथि थी। उन्होंने कहा कि संसद भवन में 19 सितंबर को नारी शक्ति वंदन विधेयक लोकसभा में पेश हुआ। 20 को लोकसभा और 21 को यह राज्यसभा से पास हुआ। अब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने विधेयक को मंजूरी दे दी है जिससे यह कानून में बदल गया है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम में लोक सभा और राज्य विधान सभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान हैं। यह सब पप्रधानमंत्री मोदी की बदौलत ही सम्भव हो सका है। क्षेत्रीय अध्यक्ष वर्षा कौशिक ने अधिनियम की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हम सभी को पीएम मोदी पर गर्व है कि आपके द्वारा भारत में ही नहीं, पूरे विश्व में नारी वंदन शक्ति का सम्मान बढ़ाकर यश शौर्य पराक्रम का मार्ग प्रशस्त किया है। राज्य सभा सांसद अनिल अग्रवाल ने पीएम मोदी का आभार व्यक्त करते हुए सभी मातृशक्ति का अभिवादन किया। विधायक अतुल गर्ग ने नारी के स्वाभिमान और सम्मान के रक्षक पीएम मोदी का आभार जताया और कहा कि मोदी ने जो कहा, वह कर दिखाया। विधायक अजीत पाल त्यागी ने पीएम मोदी का ऐतिहासिक फैसले का आभार जताते हुए कहा कि मैं अपनी विधानसभा का आरक्षण होने पर महिला शक्ति को आगे बढ़कर चुनाव लड़ाने का मंच से आश्वासन दिया। इस अवसर पर शहर विधान सभा और मुरादनगर विधानसभा की सभी प्रभावशाली शिक्षिकाएं, डॉक्टर, जनप्रतिनिधि, नृत्यागनाएं, समाज सेविकाओं ने मिलकर पीएम मोदी का धन्यवाद किया। शहर विधान सभा संयोजिका डॉ.उदिता त्यागी ने कार्यक्रम को संचालित किया। इसी क्रम में शहर की 11 विभिन्न क्षेत्रों प्रतिभावान महिलाओंऔर बालिकाओं को भी सम्मानित किया गया।

प्रधानमंत्री करेंगे अभाविप के 69वें राष्ट्रीय अधिवेशन का उदघाटन

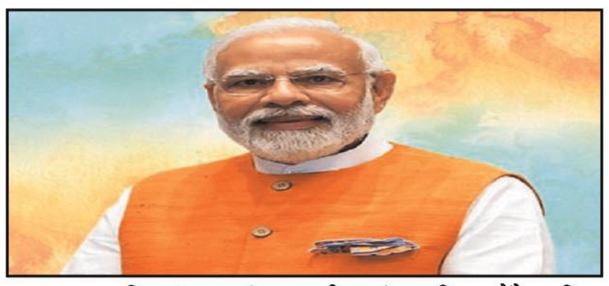

लखनऊ, (हि.स.)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) के 69वें राष्ट्रीय अधिवेशन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करेंगे। अभाविप का अधिवेशन डीडीए मैदान निरंकारी सरोवर के पास बुराड़ी नई दिल्ली में सात दिसम्बर से 10 दिसम्बर तक होगा। अधिवेशन के कार्यक्रम स्थल का भूमि पूजन आज सम्पूर्ण वैदिक विधि विधान से किया गया। इस अधिवेशन में देशभर से अभाविप के 15 हजार के करीब प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। अधिवेशन के समापन के अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह वी. मुकुंदा उपस्थित रहेंगे। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के अवध प्रान्त के प्रान्त संगठन मंत्री अंशुल ने हिन्दुस्थान समाचार को बताया कि अधिवेशन में पदाधिकारियों का चुनाव होता है और प्रस्ताव भी पास होते हैं। इसके अलावा राष्ट्रीय अधिवेशन में जिन बिंदुओं पर चर्चा होनी है, उसके लिए देशभर से सुझाव मांगे गए हैं। राष्ट्रीय अधिवेशन में देशभर के सभी प्रान्तों के प्रतिनिधियों का प्रतिनिधित्व होगा। कार्यक्रम में एक लघु भारत का सुंदर स्वरूप देखने को मिलेगा। अधिवेशन के निमित्त तैयारियां शुरू हो गई हैं।

यूपी में प्रदूषण की जगह आय का स्रोत बनेगी पराली, सीएनजी और जैविक खाद के उत्पादन से सुधरेगी सेहत

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश को पराली जलाने से होने वाले प्रदूषण से जल्द निजात मिलेगी। यही नहीं, प्रदेश में पराली से कंप्रेस्ड गैस (सीएनजी) का उत्पादन होगा, जिससे आय के साथ-साथ बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार भी मिलेगा। इसके साथ ही शुद्ध जैविक खाद (ग्रीन एनर्जी) का भी उत्पादन होगा, जिसके इस्तेमाल से होने वाली पैदावार के सेवन से बेहतर स्वास्थ्य सुनिश्चित हो सकेगा। दरअसल, मुख्यमंत्री योगी ने प्रदेश में जैव ऊर्जा को प्रोत्साहित करने के लिए जैव ऊर्जा नीति 2022 को जारी किया था। इस नीति के तहत बड़े पैमाने पर निवेश का लक्ष्य रखा गया था। कई बड़े निवेशकों ने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में प्रदेश सरकार के साथ एमओयू किया था, जो अब धरातल पर उतरने जा रहा है। योगी सरकार ने हर तहसील में बॉयोगैस प्लांट का लक्ष्य रखा था, जिसमें से कुछ जल्द ही शुरू होने को तैयार हैं।

100 लोगों को मिलेगा रोजगार – जो प्लांट शुरू होने को तैयार हैं, उनमें बुलंदशहर का बुलंद बॉयोगैस भी है। इसकी स्थापना ग्राम लौहगला तहसील में हो रही है। बुलंद बॉयोगैस ने प्रदेश सरकार के साथ 18.75 करोड़ रुपये का एमओयू किया था। इसकी कॉस्ट बढ़कर अब 21 करोड़ रुपये हो गई है। यह प्लांट दिसम्बर में अपना उत्पादन शुरू कर देगा। इस प्लांट से प्रतिदिन 03 टन सीएनजी का उत्पादन होगा। इससे प्रदेश में पेट्रोल-डीजल पर निर्भरता कम होगी। वहीं 80 से 100 लोगों को रोजगार भी मिलेगा। इनमें स्किल्ड और अनस्किल्ड दोनों तरह के लोगों को रोजगार प्राप्त होगा। बुलंद बॉयो गैस के ओनर अतहर अहमद ने बताया प्लांट में सिर्फ पराली ही नहीं, बल्कि पुआल,गोबर, भूसा, गन्ने की मैली, म्युनिसिपल वेस्ट जैसे डिग्रेडेबल वेस्ट से कंप्रेस्ड बायोगैस या ये कहें कि सारी गैसों का मिक्सचर बनता है। इसको टेक्नोलॉजी की मदद से सीएनजी को प्यूरीफाई किया जाता है। इस प्लांट के लिए इंडियन ऑयल से लाइसेंस मिल चुका है।

जैविक खाद के उत्पादन से शुद्ध होगा खानपान – उन्होंने बताया कि इस प्रोजेक्ट की सबसे अच्छी बात ये ही इसमें बड़ी मात्रा में जैविक खाद का उत्पादन होगा। कंप्रेस्ड गैस के उत्पादन में जो वेस्ट निकलेगा वो 100 प्रतिशत जैविक होगा। यह वेस्ट सॉलिड भी होगा और लिक्विड भी। जो लिक्विड जैविक खाद होगी प्लांट की ओर से उसे 3 साल तक किसानों को मुफ्त दिया जाएगा। इन किसानों को डीएम या सीडीओ चिन्हित करेंगे। इससे उन किसानों को फायदा होगा जो फर्टिलाइजर, डीएपी, यूरिया नहीं खरीद पाते हैं। जैविक खाद और लिक्विड खाद का ये फायदा है कि खेती उपजाऊ जमीनों में फर्टिलाइजर खादों की एक मोटी लेयर बिछ चुकी है। वह पेड़ पौधों की जड़ों तक पहुंचने में समय लेती है।

विधायक सीपी सिंह ने पोताला मार्केट का किया शुभारंभ

रांची, (हि.स.)। विधायक सीपी सिंह ने शुक्रवार को शहर के लालपुर स्थित सर्कुलर रोड के महेंद्र प्रसाद महिला महाविद्यालय के निकट पोताला मार्केट का शुभारंभ किया। पिछले 53 साल से रांची में तिब्बत के लोगों की ओर से बाजार लगाया जा रहा है। इस बार कुल 58 स्टॉल लगाये गये हैं, जिनमें तरह- तरह के गर्म कपड़े उपलब्ध हैं। यह मार्केट जनवरी तक चलेगा। उद्घाटन कार्यक्रम में रांची के विधायक सीपी सिंह ने कहा कि रांची ही नहीं भारत के विभिन्न राज्यों में तिब्बती लोग जीवन यापन के लिए भारत में स्वेटर का व्यापार करते हैं। कुछ ऐसे भी लोग हैं, जो पोताला बाजार लगाने वाले तिब्बत के लोगों को नेपाली या चीनी समझने की गलती करते हैं। कार्यक्रम में पद्मश्री मुकुंद नायक ने झारखंड के संस्कृति गीत एवं नृत्य से तिब्बत से आए विक्रेताओं का स्वागत किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता सेरिंग दोरजी चुंग ने की। उन्होंने कहा कि पोताला बाजार में बच्चों, बुजुर्गों, महिलाओं के लिए गर्म कपड़ों के साथ सिर से पैर तक के गर्म कपड़े, स्वेटर, ग्लव्स, टोपी उपलब्ध है।

झारखंड में अब तक करीब 70 लाख आभा कार्ड बने : गयासुद्दीन अहमद

रांची, (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखंड में संयुक्त सचिव-सह-वित्त परामर्शी, स्वास्थ्य मंत्रालय (केंद्र सरकार) गयासुद्दीन अहमद की अध्यक्षता में शुक्रवार को समीक्षा बैठक हुई। बैठक में अहमद ने कहा कि अस्पताल में आने वाले सभी मरीजों का आयुष्मान कार्ड का स्क्रीनिंग किया जाय। साथ ही जिन व्यक्तियों का आयुष्मान कार्ड नहीं बना है और यदि वह इसके योग्य है तो उनका आयुष्मान कार्ड बनाया जाय। अहमद ने समीक्षा बैठक में निर्देश दिया कि झारखंड में सभी लोगों का आभा कार्ड बनाने का लक्ष्य रखा जाय। उनको क्या-क्या बीमारी है, उसका डिजिटल रिकार्ड अस्पताल में उपलब्ध हो, जिससे उनका इलाज करने में आसानी हो। उन्होंने कहा कि दिल्ली, मुम्बई, केरल आदि शहरों में यह कार्य हो रहा है। झारखंड राज्य में अभी तक 70 लाख 71 हजार लोगों का आभा कार्ड बनाया जा चुका है। समीक्षा बैठक के दौरान आयुष्मान भारत योजना के साथ राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन और अन्य योजनाओं की भी भौतिक एवं वित्तीय समीक्षा की गई।

अभियान निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखंड आलोक त्रिवेदी ने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि अधिक से अधिक लोगों का स्क्रीनिंग कर आयुष्मान कार्ड बनाएं। बताया कि सरकार आभा कार्ड बनाने के लिए प्रयासरत है। इसके लिए लोगों को जागरूक करने के लिए प्रचार-प्रसार भी किया जा रहा है। समीक्षा बैठक के दौरान डॉ. वीरेन्द्र कुमार, निदेशक प्रमुख, स्वास्थ्य सेवाएं, मनोज कुमार, निदेशक वित्त, लक्ष्मी नारायण किशोर, प्रशासी पदाधिकारी, डॉ. राकेश दयाल, नोडल पदाधिकारी, विभिन्न कार्यक्रमों एवं कोषांगों के नोडल पदाधिकारी, एसपीएमयू कोषांग, विभिन्न कार्यक्रमों एवं कोषांगों के परामर्शी, आयुष्मान परामर्शी एवं एड्स कन्ट्रोल के परामर्शी व अन्य भी उपस्थित थे।

दिल्ली जाने के लिए 28 अक्टूबर से चलेगी स्पेशल ट्रेन

रांची। दुर्गा पूजा के खत्म होने के बाद दिल्ली लौटने वाले यात्रियों की सुविधा का ध्यान रखते हुए हटिया से दिल्ली के बीच स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जायेगा। रांची रेल मंडल के मुताबिक, ट्रेन संख्या 08857 हटिया नई दिल्ली स्पेशल ट्रेन की यात्रा 28 अक्टूबर और ट्रेन संख्या 08858 नई दिल्ली- रांची स्पेशल ट्रेन की यात्रा एक नवंबर को होगी। इन ट्रेनों में एसएलआरडी के 02 कोच, सामान्य श्रेणी के 10 कोच, द्वितीय श्रेणी स्लीपर क्लास के 11 कोच, एवं रसोई यान का 01 कोच , कुल 24 कोच होंगे। 28 अक्टूबर को ट्रेन हटिया से रात 8:15 मिनट पर प्रस्थान करेगी। रांची से प्रस्थान 8:50 बजे, मुरी से प्रस्थान 10 बजे, बोकारो स्टील सिटी से प्रस्थान 11 बजे, गोमो से प्रस्थान रात बारह बजे, कोडरमा आगमन से प्रस्थान रात एक बजकर 20 मिनट पर होगा। पंडित दीनदयाल उपाध्याय से प्रस्थान सुबह 07:55 बजे, प्रयागराज से प्रस्थान 11:55 बजे, कानपुर से प्रस्थान 2:20 मिनट पर, नयी दिल्ली आगमन रात के 11 बजे होगा। ट्रेन संख्या 08858 नई दिल्ली रांची स्पेशल ट्रेन की यात्रा एक नवंबर को होगी। इस दौरान ट्रेन नई दिल्ली से प्रस्थान 23:30 बजे करेगी। कानपुर आगमन सुबह छह बजे होगा। प्रयागराज से प्रस्थान 9:40 बजे, पंडित दीनदयाल उपाध्याय आगमन 01:05, गया से प्रस्थान 4: 35 बजे, कोडरमा से प्रस्थान 6 बजे, गोमो से प्रस्थान 7: 35 बजे, बोकारो स्टील सिटी प्रस्थान 08:50 बजे, मुरी से प्रस्थान 10: 00 बजे, रांची आगमन रात 11:20 बजे होगा और हटिया आगमन 11:55 बजे होगा।

किसानों को दी गई विभिन्न योजनाओं की जानकारी

नवादा, (हि. स.)। कृषि को बढ़ावा देने तथा कम लागत में अधिक पैदावार का गुर सीखाने के उद्देश्य से राज्य सरकार एवं कृषि विभाग के निर्देश पर कौआकोल प्रखण्ड मुख्यालय परिसर में शुक्रवार को रबी महाअभियान सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन प्रखण्ड जदयू अध्यक्ष रामाश्रय सिंह,राजद अध्यक्ष कैलाश प्रसाद यादव,लालपुर के मुखिया प्रतिनिधि बिनोद यादव एवं प्रखण्ड कृषि पदाधिकारी उपेन्द्र नारायण शम्भू ने संयुक्त रूप से द्वीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर किसान समन्वयक बबलू कुमार,शशिभूषण कुमार आनंद,अनिल कुमार,नीरज कुमार,मनीष कुमार पांडेय,अविनाश कुमार आदि ने किसानों को केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न योजनाओं एवं इसके सफल क्रियान्वयन के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए इसका लाभ उठाने की अपील किया। वहीं किसानों को अनुदानित दर पर विभाग द्वारा दी जाने वाली बीज एवं कृषि यंत्रों के भी बारे में बताया गया।

कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक रविकांत चौबे ने किसानों को रबी खेती के बारे में जानकारी दी। बीएओ ने कहा कि योजना के क्रियान्वयन में किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मौके पर किसान सलाहकार सचिन कुमार,सुभाष चौधरी,कृष्ण नन्दन प्रसाद आदि मौजूद थे। जिला कृषि पदाधिकारी ने बताया कि जिले के विभिन्न गांव में भी प्रशिक्षण शिविर का आयोजन कर किसानों को प्रशिक्षित किया जाएगा।

कोसी के बांस से निर्मित सामानों से महानगरों में होती है छठ पूजा

सहरसा, (हि.स.)। लोक आस्था का महापर्व छठ पर्व का विशेष पौराणिक महत्व है। यह पर्व अब पूरे देश में मनाया जाने लगा है। छठ पर्व में बांस के सूप,डाला, दउरा, कोनिया का अलग ही महत्व होता है लेकिन आधुनिक दौर में लोग अपनी जरुरत के हिसाब से पीतल, तांबा, स्टील का डाला और सूप उपयोग करने लगे हैं। जिस कारण बिहार एवं उत्तर प्रदेश में रहने वाले लोग छठ पूजा को पूरी आस्था एवं निष्ठा पूर्वक मनाते हैं। लोकआस्था के इस महापर्व में बांस से बने उत्पादों की बिक्री खूब बढ़ जाती है। बिहार से बाहर महानगर में रहने वाले लोग भी बांस से बने उत्पादों से पर्व मनाते हैं। इस कारण कोसी क्षेत्र से देश की महानगरों में बड़ी संख्या में बांस से बने टोकरी एवं सूप भारी मात्रा मे भेजा जा रहा है। रेल सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार सहरसा पार्सल द्वारा अब तक 30 क्विंटल से अधिक समान भेजा जा चुका है। सूत्रों की माने तो सहरसा से अमृतसर, लुधियाना, जालंधर, चंडीगढ़ एवं आनंद विहार के लिए 165 पैकेट यानी 900 सामग्री अब तक भेजी जा चुकी है। उन्होंने बताया छठ पर्व के एक महीना पूर्व से ही विभिन्न शहरों में यहां से बांस से बने उत्पादों को भेजा जा रहा है। जिसके कारण रेल राजस्व के रूप में अब तक 17000 रुपए की आय प्राप्त हो चुकी है। ज्ञात हो कि कोसी क्षेत्र से रेल पार्सल के द्वारा मछली मखाना तथा पर्व त्यौहार के दिनों में बांस से बने उत्पादों की मांग अत्यधिक बढ़ जाने के कारण यहां से पार्सल द्वारा बुक कराए जाते हैं। उन्होंने बताया वही रेल पार्सल कार्यालय द्वारा यहां के व्यापारियों द्वारा बाहर से खिलौना एवं फल की आवक होती है। आधुनिक दौर में छठ पूजा में पीतल के सूप और दउरा की मांग बढ़ी है। जिसकी वजह से बांस से बने सुप, दउरा कारोबारा खासा असर पड़ा है।

इस वर्ष साढ़े छह लाख से अधिक ऑफर लेटर वितरित करेगी केन्द्र सरकार : गिरिराज सिंह

बेगूसराय, (हि.स.)। रोजगार मेला में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 28 अक्टूबर को देश भर में 51 हजार से अधिक अभ्यर्थियों को सरकारी नौकरी के लिए नियुक्ति पत्र सौंपेंगे। पूर्व मध्य रेल मुख्यालय हाजीपुर, पटना, धनबाद एवं पंडित दीन दयाल उपाध्याय नगर में रोजगार मेला आयोजित किया जाएगा। पटना में केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह नियुक्ति पत्र देंगे। बेगूसराय के सांसद और केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह ने आज कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 28 अक्टूबर को रोजगार मेला के माध्यम से 51 हजार 116 सरकारी नियुक्ति पत्र वितरित करेंगे। उन्होंने बताया कि इसके साथ ही इस वर्ष साढ़े छह लाख से अधिक ऑफर लेटर वितरित किए जाएंगे। खुशी है कि शनिवार को ऑफर लेटर वितरण के लिए पटना में उपस्थित रहूंगा। पूर्व मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी वीरेन्द्र कुमार ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 28 अक्टूबर को दोपहर एक बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अभ्यर्थियों को सरकारी नौकरी के लिए नियुक्ति पत्रों का वितरण करेंगे। यह रोजगार मेला, रोजगार सृजन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की माननीय प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता को पूरा करने की दिशा में एक कदम है। यह रोजगार मेला और रोजगार सृजन के लिए एक उत्प्रेरक के रूप में कार्य करेगा तथा युवाओं को उनके सशक्तिकरण एवं राष्ट्रीय विकास में भागीदारी के लिए सार्थक अवसर प्रदान करेगा। इस अवसर पर हाजीपुर, पटना, धनबाद और पंडित दीन दयाल उपाध्याय नगर में रोजगार मेला का आयोजन होगा। जहां रेलवे के साथ अन्य मंत्रालयों के लिए नवनियुक्त कर्मियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे। रोजगार मेला के अवसर पर मुख्यालय हाजीपुर में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री पशुपति कुमार पारस, रेलवे ऑफिसर्स क्लब महेन्द्रू घाट पटना में ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह, रेलवे ऑडिटोरियम धनबाद में केंद्रीय राज्य मंत्री अश्विनी कुमार चौबे एवं पंडित दीन दयाल उपाध्याय नगर में भारी उद्योग एवं सार्वजनिक उद्यम मंत्री डॉ. महेन्द्र नाथ पांडेय उपस्थित रहेंगे। रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी वीरेन्द्र कुमार ने बताया कि इस अवसर पर देश भर से चयनित अभ्यर्थियों को केंद्र सरकार के तहत ट्रेन मैनेजर जूनियर एकाउंटस असिस्टेंट, अवर लिपिक, ट्रेन्स क्लर्क, टेक्नीशियन, स्टेशन मास्टर, वरिष्ठ वाणिज्यिक लिपिक सह टिकट लिपिक, प्वायंट्समैन, एमटीएस सहित अन्य पदों के लिए नियुक्ति पत्र वितरित किए जाएंगे।

संपादकीय

प्रशासनिक ट्रिब्यूनल के द्वार

हिमाचल कर्मचारियों के हितों का मक्का है और इसीलिए प्रदेश के संसाधन इस वर्ग को पूजनीय-वंदनीय बना देते हैं। कमोबेश हर सरकार को अपने संसाधनों से इसी प्रक्रिया में खुद को अव्वल साबित करने के लिए सामग्री जुटानी पड़ती है। राज्य ने कर्मचारी मुद्दों को इतनी तरजीह दे डाली है कि अब राजनीति के डाली-डाली इनके प्रति झुकी रहती है। ओल्ड पेंशन की गोल्ड माइन खोल कर सत्ता में आई कांग्रेस अब प्रशासनिक ट्रिब्यूनल के रास्ते कर्मचारी वर्ग के अधिकारों को न्योता दे रही है। प्रशासनिक ट्रिब्यूनल एक तरह की सियासी रस्साकशी बनता रहा है। कर्मचारी वर्ग को कानूनी हक दिलाने के लिए बार-बार इसके दरवाजे खोले जाते हैं या फिर सारे दांव या कानूनी पेंच अदालत के मार्फत संबोधित किए जाते हैं। पूर्ववर्ती जयराम सरकार ने कर्मचारी कवच को प्रशासनिक ट्रिब्यूनल से उखाडक़र माननीय अदालत के दायरे तक पहुंचा दिया था। उस समय इक्कीस हजार कर्मचारी मामलों का दहेज अदालत के दरवाजे पहुंच गया था और अब फिर कवायद यह कि इस विषय को स्वतंत्र ट्रिब्यूनल के अधीन लाया जाए। दोनों ही तरह के फैसलों के तर्क कर्मचारी वर्ग के लिहाज से महत्त्वपूर्ण रहे हैं, फिर भी हर परिस्थिति के संकट, निर्णयों की गति तथा नए मामलों की प्रगति आड़े आती है। कर्मचारी मामलों के संदर्भ प्रायः ट्रांसफर पालिसी न होने के कारणों से टकराते हैं। वेतन विसंगतियों, स्तरोन्नत होने के मसले तथा कॉडर से संबंधित मामले जब इक्_ होते हैं, तो इन्हें निपटाने का दबाव एडियां रगड़ता है। जाहिर है प्रशासनिक ट्रिब्यूनल की स्थापना का उद्देश्य तथा ऐसी पद्धति के कार्यान्वयन से सहजता व सरलता का तकाजा दिखाई देता है, लेकिन व्यावहारिकता के प्रश्न पर कानून के दस्तखत बदल जाते हैं। वही कानून अदालत की परिपाटी में अपनी परंपरा और निष्पक्षता की दृढ़ता से विश्वास तो पैदा करता है, लेकिन कर्मचारी मामलों के निपटारे समयावधि तय नहीं करते। इसके विपरीत प्रशासनिक ट्रिब्यूनल की सार्थकता में कानून की गतिशीलता व विकेंद्रीयकरण स्पष्ट है। प्रशासनिक ट्रिब्यूनल अपनी परिपाटी में मंडी व धर्मशाला की सर्किट बैंच के जरिए न केवल कर्मचारी वर्ग के नजदीक पहुंचती है, बल्कि न्याय पाने की क्षमता को सहज व सस्ता बनाती है। हिमाचल के परिप्रेक्ष्य में कानूनी ढांचे की यह विसंगति हर पहलू में रही है और इसीलिए हाई कोर्ट की सर्किट या स्थायी खंडपीठ की मांग पिछले चालीस सालों से धर्मशाला के लिए हो रही है। ऐसे में कर्मचारी मामलों की मात्रात्मक अर्जियों को शिमला में हाई कोर्ट का समय व प्राथमिकता नहीं मिल पाती। यह दीगर है कि फैसलों की गुणवत्ता पर प्रश्न उठाते हुए भाजपा की अलग-अलग सरकारों ने कर्मचारियों को हाई कोर्ट का बार-बार विकल्प दिया, लेकिन इक्कीस हजार मामले अगर स्थानांतरित हो जाएं, तो अदालत के लिए इनमें अपनी प्राथमिक भूमिका निभाना कठिन हो जाएगा। ऐसे में फिर एक नए प्रयोग के तहत सुक्खू सरकार ने प्रशासनिक ट्रिब्यूनल के दरवाजे खोलने की इच्छा प्रकट की है। अभी इससे संबंधित प्रक्रिया ने दस्तक दी है और इसे मुकम्मल होने की स्थिति तक कुछ समय का इंतजार रहेगा। दोनों विकल्पों के बावजूद न हाई कोर्ट में मामले घटे और न ही प्रशासनिक ट्रिब्यूनल के रास्ते कर्मचारी मसले कम हुए। कानून की शरण में कर्मचारियों के लिए सुविधाजनक मानी गए प्रशासनिक ट्रिब्यूनल व्यवस्था के बावजूद निष्कर्ष यही है कि कॉडर-कॉडर, पद-पद और दफ्तर-दफ्तर, कार्य संस्कृति सुधारने से कहीं अधिक दबाव यह है कि हजारों कर्मचारी कानूनी दांव-पेंच तक ही सिमट रहे हैं। पिछले काफी वर्षों से प्रदेश सरकारों ने कर्मचारी मसलों को तरजीह देते हुए उचित-अनुचित के बजाय उनके स्वार्थों को ही पोषित किया। न कभी प्रशासनिक सुधारों पर कोई महत्त्वपूर्ण फैसला हुआ और न ही सरकारी कार्यसंस्कृति में सुधार लाने के गंभीर प्रयास हुए। आश्चर्य यह कि हर साल सैकड़ों ट्रांसफर मामलों की आपत्तियां कानून की शरण पहुंच रही हैं, लेकिन न कोई ठोस स्थानांतरण नियम या नीति बनाने की जहमत उठाई गई और न ही कार्य संस्कृति को अहमियत मिली। ऐसे में क्या उस आम नागरिक या मतदाता की सरकार से अपेक्षाएं पूरी हो रही हैं। उसकी शिकायतों का निपटारा करने वाला स्थायी अमला न दफ्तर में और न ही दिल में यह तस्दीक करता है कि सरकार का आधारभूत काम क्या है। कानून की पहुंच में कर्मचारी वर्ग के तो अधिकार सुनिश्चित हैं, लेकिन सरकार की पहुंच से दूर आम आदमी के लिए बस एक ढर्रा है।

प्रशासनिक ट्रिब्यूनल एक तरह की सियासी रस्साकशी बनता रहा है। कर्मचारी वर्ग को कानूनी हक दिलाने के लिए बार-बार इसके दरवाजे खोले जाते हैं या फिर सारे दांव या कानूनी पेंच अदालत के मार्फत संबोधित किए जाते हैं। पूर्ववर्ती जयराम सरकार ने कर्मचारी कवच को प्रशासनिक ट्रिब्यूनल से उखाडक़र माननीय अदालत के दायरे तक पहुंचा दिया था। उस समय इक्कीस हजार कर्मचारी मामलों का दहेज अदालत के दरवाजे पहुंच गया था और अब फिर कवायद यह कि इस विषय को स्वतंत्र ट्रिब्यूनल के अधीन लाया जाए। दोनों ही तरह के फैसलों के तर्क कर्मचारी वर्ग के लिहाज से महत्त्वपूर्ण रहे हैं, फिर भी हर परिस्थिति के संकट, निर्णयों की गति तथा नए मामलों की प्रगति आड़े आती है। कर्मचारी मामलों के संदर्भ प्रायः ट्रांसफर पालिसी न होने के कारणों से टकराते हैं। वेतन विसंगतियों, स्तरोन्नत होने के मसले तथा कॉडर से संबंधित मामले जब इक्_ होते हैं, तो इन्हें निपटाने का दबाव एडियां रगड़ता है। जाहिर है प्रशासनिक ट्रिब्यूनल की स्थापना का उद्देश्य तथा ऐसी पद्धति के कार्यान्वयन से सहजता व सरलता का तकाजा दिखाई देता है, लेकिन व्यावहारिकता के प्रश्न पर कानून के दस्तखत बदल जाते हैं। वही कानून अदालत की परिपाटी में अपनी परंपरा और निष्पक्षता की दृढ़ता से विश्वास तो पैदा करता है, लेकिन कर्मचारी मामलों के निपटारे समयावधि तय नहीं करते। इसके विपरीत प्रशासनिक ट्रिब्यूनल की सार्थकता में कानून की गतिशीलता व विकेंद्रीयकरण स्पष्ट है।

कुछ अलग

फिर इंडिया बनाम भारत

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने सिफारिश की है कि पाठ्यक्रमों में 'इंडिया' की जगह 'भारत' शब्द का इस्तेमाल किया जाए। फिलहाल यह एक समिति की सोच और अनुशंसा तक ही सीमित है। संविधान के अनुच्छेद एक में 'इंडिया, जो भारत है' का उल्लेख है। अर्थात हमारे संविधान-निर्माताओं को दोनों ही शब्द स्वीकार्य थे और उन्हें परस्पर पूरक माना गया था। आजादी के 76 साल बाद भी एक वर्ग ऐसा है, जो इन दोनों शब्दों को परस्पर विरोधी मानता है। 'इंडिया' को औपनिवेशिक अवशेष मानता है। 'इंडिया' की व्याख्या यूनानी भाषा, उच्चारण, सिकंदर और सिन्धु घाटी की सभ्यता से जोड़ कर की जाती रही है। हमें इतने प्राचीन इतिहास, भाषा और उसके प्रभावों से क्या लेना-देना है? कब तक विदेशियों पर आश्रित रहेंगे हम? भारत एक स्वतंत्र, संप्रभु, लोकतांत्रिक राष्ट्र है, जिसका अपना सर्वसम्मत संविधान है। हमारा मानना है कि सभी विमर्श 1947 के बाद से ही किए जाएं। 'इंडिया' को 'भारत' करने की प्रक्रिया भी कोई संगठन या परिषद लागू नहीं कर सकती। उसके लिए संसद में संविधान संशोधन का प्रस्ताव पारित कराना होगा। यदि एनसीईआरटी हमारे स्वतंत्रता आंदोलन का सम्यक इतिहास छात्रों को पढ़ाना चाहती है, तो उसे 1857 से 1947 तक अलग-अलग खंडों में संकलित कराया जाए और उसे नए सिरे से लिखा जाए। यह बहुत व्यापक और थकाऊ कार्य है और इसके लिए पर्याप्त समय भी चाहिए। इस इतिहास-लेखन के संदर्भ में अंग्रेजी हुकूमत के कालखंड भी स्वयंमेव आ जाएंगे, लिहाजा 'एक पंथ, दो काज' किया जा सकता है। हमारा मानना है कि स्कूली पाठ्यक्रम के लिए सब कुछ सार-रूप में होना चाहिए। शेष और विस्तृत अध्ययन छात्र उच्च शिक्षा के दौरान, अपनी रुचि के मुताबिक, कर सकते हैं। प्राचीन काल, आदि काल, पाषाण काल, मुगल काल सरीखे अतीतों की लीक पीटते रहने का कोई औचित्य नहीं है। इन्हें विभिन्न इतिहासों के परिप्रेक्ष्य में शोधार्थियों के लिए छोड़ देना चाहिए। स्कूली छात्रों के कोमल मन को प्रदूषित नहीं किया जाना चाहिए। ऐसे इतिहास को पढने से खटास और नफरत के अलावा कुछ भी हासिल होने वाला नहीं है। 'इंडिया' बनाम 'भारत' का अभियान भी बेमानी है। ऐसा राष्ट्रवाद, हिन्दूवाद, हिन्दीवाद के मद्देनजर किया जा रहा है अथवा इसका कोई सांस्कृतिक महत्त्व भी है! बेशक हमारी जड़ें, हमारा परिचय और हमारी सांस्कृतिक विरासत 'भारत' में ही निहित है। विष्णु पुराण, ब्रह्मपुराण और कई प्राचीन, धार्मिक ग्रंथों में 'भारतम्' का उल्लेख मिलता है। लेकिन हमारे देश को 'आर्यावर्त', 'हिन्द', 'हिन्दुस्तान', 'भारतखंड', 'हिमवर्ष' आदि नामकरणों से भी संबोधित किया जाता रहा है। किसी को कोई आपत्ति भी नहीं है।

वसुंधरा राजे को भी उनकी परंपरागत झालरापाटन सीट से ही पांचवीं बार प्रत्याशी बनाया गया

आखिरकार अपने ज्यादातर समर्थकों को भाजपा का टिकट दिलाने में सफल रहीं वसुंधरा राजे

रमेश सर्राफ

भाजपा की पहली सूची में 41 व दूसरी सूची में 83 नाम घोषित किए गए हैं। पहली सूची में जहां भाजपा ने कर्नाटक फार्मूला अपनाते हुए कई दिग्गजों के टिकट काट दिए थे। वैसा कुछ दूसरी सूची में देखने को नहीं मिला। पहली सूची में भाजपा ने छह लोकसभा सदस्य, एक राज्यसभा सदस्य व दो पूर्व सांसदों को भी मैदान में उतारा था। मगर दूसरी सूची में किसी भी सांसद को प्रत्याशी नहीं बनाया गया। राजनीतिक क्षेत्रों में चर्चा है कि भाजपा की पहली सूची जारी होने के साथ ही शुरू हुआ विवाद अभी तक थमने का नाम नहीं ले रहा है।

राजस्थान में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने अभी तक दो सूचियों में 124 प्रत्याशियों के नामों की घोषणा की है। भाजपा की पहली सूची में 41 व दूसरी सूची में 83 नाम घोषित किए गए हैं। पहली सूची में जहां भाजपा ने कर्नाटक फार्मूला अपनाते हुए कई दिग्गजों के टिकट काट दिए थे। वैसा कुछ दूसरी सूची में देखने को नहीं मिला। पहली सूची में भाजपा ने छह लोकसभा सदस्य, एक राज्यसभा सदस्य व दो पूर्व सांसदों को भी मैदान में उतारा था। मगर दूसरी सूची में किसी भी सांसद को प्रत्याशी नहीं बनाया गया। राजनीतिक क्षेत्रों में चर्चा है कि भाजपा की पहली सूची जारी होने के साथ ही शुरू हुआ विवाद अभी तक थमने का नाम नहीं ले रहा है। दूसरी सूची में शामिल बहुत से प्रत्याशियों का भी विरोध हो रहा है। पहली सूची में तो जालौर से सांसद देवजी पटेल को सांचैर से प्रत्याशी बनाने का इतना अधिक विरोध हुआ की स्थिति मारपीट तक पहुंच गई। देवजी पटेल की गाड़ी को रास्ते में रोक कर उनके साथ मारपीट तक करने का प्रयास किया गया था। वहां पर पिछली बार दानाराम चौधरी चुनाव में हार गये थे। इस बार जीवाराम चौधरी दावेदारी जता रहे थे। देवजी पटेल को प्रत्याशी बनाने से दोनों नेता मिलकर विरोध कर रहे हैं। जयपुर के विद्याधर नगर सीट से मौजूदा विधायक नरपत सिंह राजवी का टिकट काट कर राजसमंद से सांसद दिया कुमारी को दिया गया था। उसके बाद से राजवी के समर्थक दीया कुमारी का विरोध कर रहे थे। मगर दूसरी सूची में राजवी को चित्तौड़गढ़ से प्रत्याशी बनाकर उनका विरोध शांत कर दिया गया है। मगर चित्तौड़गढ़ से दो बार के मौजूदा विधायक चन्द्रभान सिंह आक्या अपनी टिकट कटने से इतने अधिक नाराज हैं कि आने वाले समय में वह निर्दलीय भी ताल ठोक सकते हैं। आक्या का कहना है कि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी से मेरी पुराने समय से राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता है। जिस कारण जोशी ने मेरी टिकट काटी है। राजसमंद से विधायक दीप्ती माहेश्वरी का भी जमकर विरोध हो रहा है। दीप्ती माहेश्वरी अपनी माता किरण माहेश्वरी के निधन के बाद हुए उपचुनाव में जीत कर विधायक बनी थीं। अब पार्टी ने उन्हें दूसरी बार प्रत्याशी बनाया है तो स्थानीय लोग उनके खिलाफ मुखर होकर विरोध कर रहे हैं। वहां के अन्य दावेदारों का कहना है कि बाहरी प्रत्याशी को कब तक सहेंगे। असम का राज्यपाल बनाए जाने से खाली हुई उदयपुर शहर विधानसभा सीट पर पार्टी ने पूर्व जिला अध्यक्ष ताराचन्द

जैन को प्रत्याशी बनाया है। वहां से टिकट के दावेदारी कर रहे उदयपुर नगर निगम के उप महापौर पारस सिंघवी ने मोर्चा खोल दिया है। सिंघवी ने आरोप लगाते हुए कहा कि पार्टी की तरफ से उदयपुर में ऐसे व्यक्ति को टिकट दिया गया है जो सनातन विरोधी हैं और पूजा पद्धति में विश्वास नहीं रखता है। सिंघवी का कहना है कि असम के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया ने मेरी टिकट कटवा कर जैन को प्रत्याशी बनवाया है। जयपुर की झोटवाड़ा सीट पर पूर्व मंत्री राजपाल सिंह शेखावत का टिकट काटकर पूर्व केंद्रीय मंत्री व जयपुर ग्रामीण सीट से दूसरी बार के सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड़ को मैदान में उतारा गया है। इस सीट पर भी राज्यवर्धन राठौड़ को राजपाल समर्थकों के विरोध का सामना करना पड़ रहा है। भाजपा द्वारा घोषित 124 प्रत्याशियों में से तीन दर्जन प्रत्याशियों को अपने प्रतिद्वंद्वियों के कड़े विरोध का सामना करना पड़ रहा है। कई सीटों पर तो स्थिति इतनी खराब हो रही है कि पार्टी पदाधिकारियों की भी कोई नहीं सुन रहा है। विधानसभा चुनाव में टिकटों की घोषणा से पूर्व भाजपा द्वारा बार-बार सामूहिक नेतृत्व व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर चुनाव लड़ने की बात कही जा रही थी। भाजपा आलाकमान बार-बार इस बात का संकेत भी दे रहा था कि राजस्थान में पुराने नेताओं के स्थान पर नए लोगों को मौका दिया जाएगा। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे भी लगातार हाशिये पर धकेली जा रही थीं। सभी राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना था कि इस बार के चुनाव में भाजपा आलाकमान वसुंधरा राजे व उनके समर्थकों को तवज्जो नहीं देगा। मगर पहली सूची जारी होने के बाद मचे बवाल को शांत करने के लिए दूसरी सूची में वसुंधरा राजे व उनके करीबन दो दर्जन समर्थकों को टिकट दिया गया है। वसुंधरा राजे को भी उनकी परंपरागत झालरापाटन सीट से ही पांचवीं बार प्रत्याशी बनाया गया है। भाजपा की दूसरी सूची को देख कर लगता है कि भाजपा आलाकमान ने अपने रुख में बदलाव कर लिया है। भाजपा ने दूसरी सूची में 51 मौजूदा विधायकों को टिकट दिया है। इसके साथ ही इस सूची में 27 सीटें ऐसी हैं जिन पर 2018 के विधानसभा चुनाव में भाजपा हार गई थी। 16 सीटों पर प्रत्याशी बदले गए हैं। भाजपा ने दूसरी सूची में आठ विधायकों के टिकट काटे हैं। इसमें सूरसागर से सूर्यकांता व्यास, सांगानेर से अशोक लाहोटी, चित्तौड़गढ़ से चंद्रभान सिंह आक्या, सूरजगढ़ से सुभाष पूनिया, नागौर से मोहन राम चौधरी, मकराना से रूपाराम, बड़ी सादड़ी से ललित कुमार ओस्तवाल, व घाटोल से हरेंद्र नीनामा शामिल हैं। नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ की सीट बदल कर उन्हें चूरू की बजाय तारानगर से टिकट दी गई है। वे पहले भी तारानगर से चुनाव लड़ कर जीत चुके हैं। कुछ दिन पहले ही भाजपा में शामिल हुए उदयपुर राजघराने के सदस्य विश्वराज सिंह मेवाड़ को नाथद्वारा से टिकट दिया गया है। उनका मुकाबला विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सीपी जोशी से होगा। दिग्गज जाट नेता रहे नाथूराम मिर्धा की पोती व नागौर से कांग्रेस सांसद रही डॉ. ज्योति मिर्धा को नागौर सीट से प्रत्याशी बनाया गया है। भाजपा की अभी तक जारी की गई सूची को देखकर लगता है कि सबसे अधिक टिकट वसुंधरा समर्थकों को दी गई है। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, राज्यसभा सांसद डॉक्टर किरोडीलाल मीणा, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के समर्थकों को भी प्रत्याशी बनाया गया है। भाजपा प्रत्याशियों की सूची पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की छाप भी दिखाई दे रही है। संघ से जुड़े कई लोगों को प्रत्याशी बनाया गया है। भाजपा की सूची को देखकर लगता है कि भाजपा आलाकमान द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे को प्रदेश की राजनीति से दूर करने के प्रयास सफल नहीं हो पाए हैं। वसुंधरा राजे राजस्थान में भाजपा की मजबूरी बन गई हैं। वसुंधरा समर्थक उन विधायकों के नाम भी सूची में शामिल हो गए हैं जिन पर गहलोत सरकार पर आये संकट के दौरान पार्टी लाइन से अलग रहने के आरोप लगे थे। हाड़ौती, मेवाड़ क्षेत्र में वसुंधरा राजे ने अपने ज्यादातर समर्थकों के टिकट क्लियर करवा कर भाजपा आलाकमान को झुका कर यह दिखा दिया है कि राजस्थान में वसुंधरा है तो भाजपा है। वसुंधरा के बिना राजस्थान में भाजपा की सरकार बनना मुश्किल ही नहीं असंभव है।

सरकार प्रदेश में नई खेल नीति लागू करे

हिमाचल सरकार दशकों पूर्व निर्धारित की गई नगद ईनामी राशि अपने विजेता खिलाडियों को देने की बात कर रही है। जब अरबों लोगों के बीच स्वयं को इन खिलाडियों ने सर्वश्रेष्ठ साबित कर दिया है तो इन्हें नयी बनी खेल नीति के अनुसार नकद ईनाम व नौकरी राज्य सरकार को जल्दी देनी चाहिए। हिमाचल प्रदेश में पिछली बीजेपी सरकार में नयी खेल नीति का होहल्ला अपने पूरे कार्यकाल में मचाये रखा। पहले तो खेल नीति पर काफी चर्चा होती रही, मगर बाद में कार्यकाल के मध्य बने खेल मंत्री राकेश पठानिया के प्रयासों से हिमाचल प्रदेश सरकार की खेल नीति को कागजों में नया स्वरूप मिल ही गया। इस नीति में स्तरीय ढांचे की बात तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम को खिलाड़ी के अनुरूप करने की कोशिश की है जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कड़ी प्रतिस्पर्धा देकर खिलाड़ी प्रदेश व देश को पदक जीतकर तिरंगे को सबसे ऊपर उठा कर जन गण मन की धुन पूरे विश्व को सुना सके।

इस माह चीन में आयोजित हुई एशियन खेलों में हिमाचल प्रदेश के खिलाडियों ने विभिन्न खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व किया और पदक भी जीते हैं। हिमाचल सरकार दशकों पूर्व निर्धारित की गई नगद ईनामी राशि अपने विजेता खिलाडियों को देने की बात कर रही है। जब अरबों लोगों के बीच स्वयं को इन खिलाडियों ने सर्वश्रेष्ठ साबित कर दिया है तो इन्हें नयी बनी खेल नीति के अनुसार नकद ईनाम व नौकरी राज्य सरकार को जल्दी देनी चाहिए। हिमाचल प्रदेश में पिछली बीजेपी सरकार में नयी खेल नीति का होहल्ला अपने पूरे कार्यकाल में मचाये रखा। पहले तो खेल नीति पर काफी चर्चा पर चर्चा होती रही, मगर बाद में कार्यकाल के मध्य बने खेल मंत्री राकेश पठानिया के प्रयासों से हिमाचल प्रदेश सरकार की खेल नीति को कागजों में नया स्वरूप मिल ही गया। इस नीति में स्तरीय ढांचे की बात तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम को खिलाड़ी के अनुरूप करने की कोशिश की है जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कड़ी प्रतिस्पर्धा देकर खिलाड़ी प्रदेश व देश को पदक जीतकर तिरंगे को सबसे ऊपर उठा कर जन गण मन की धुन पूरे विश्व को सुना सकें। हिमाचल प्रदेश के तत्कालीन हुक्मरानों ने खेल विभाग को कभी खेल प्राधिकरण तो कभी खेल संस्थान बनाने की वकालत की है, मगर हिमाचल प्रदेश में खेलों की हकीकत सबके सामने है। नयी खेल नीति में राज्य खेल संस्थान का भी जिक्र है। पिछली भाजपा सरकार नयी खेल नीति तो बना गई, मगर उसे धरातल पर उतारने से पहले ही सत्ता से बेदखल हो गई। अब नयी बनी कांग्रेस सरकार से हिमाचल के खेल प्रेमियों को काफी आशा है। क्या कांग्रेस सरकार हिमाचल में खेल प्राधिकरण बना कर खेलों का व्यापक स्तर पर कायकल्प करेगी? हिमाचल प्रदेश में कई खेलों के लिए विश्व स्तरीय खेल ढांचा तो बन कर तैयार हो चुका है, मगर प्रशिक्षकों व अन्य सुविधाओं के अभाव में वहां पर उस तरह का प्रशिक्षण कार्यक्रम आरम्भ नहीं हो पाया है। हिमाचल प्रदेश में अभी तक भी खेल संस्कृति का अभाव साफ देखा जा सकता है। धूमल सरकार में बनी खेल नीति में हिमाचल के खिलाडियों को सरकारी नौकरी में तीन प्रतिशत आरक्षण बहुत बड़ी सौगात है। अब दो दशक बाद विभिन्न पहलुओं के ऊपर नयी खेल नीति में सुधार किया गया है, मगर देखते हैं इसका जब जमीनी हकीकत से सामना होगा तो वास्तव में सरकारी तंत्र कितना सही कार्यनिष्पादित करवा पाता है। खेलों में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित हो, इससे जब हजारों विद्यार्थी फिटनेस कार्यक्रम से गुजरेंगे तो उनमें कुछ अच्छे खिलाड़ी भी मिलेंगे। खेल नीति में हिमाचली खिलाडियों से राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता प्रदर्शन के लिए राज्य में अधिक से अधिक खेल अकादमियां व शिक्षा संस्थानों में खेल विंग, स्थान की सुविधा व प्रतिभा को देखते हुये सरकारी व खेल संघों के माध्यम से खोलने को कहा गया है तथा भविष्य में विभिन्न बड़ी कंपनियों से सीआरएस के माध्यम से राज्य में खेल ढांचे को सुदृढ़ करने की मंशा भी है। मनरेगा से भी ग्रामीण क्षेत्रों में प्ले फील्ड की सुविधा जुटाने की बात कही गई है। हिमाचल प्रदेश में विभिन्न खेलों का स्तर राज्य में खेल छात्रावासों के खुलने के बाद भी अभी तक सुधरा नहीं है। यह अलग बात है कि कुछ जुनूनी प्रशिक्षकों के बल पर कभी-कभी अच्छे परिणाम देने वाला हिमाचल प्रदेश राष्ट्रीय स्तर पर कुछ एक खेलों को छोड़ कर अधिकांश बार पिछड़ा ही रहा है। हिमाचल हो या देश का कोई अन्य राज्य, उत्कृष्ट प्रदर्शन करवाने के लिए केवल प्रशिक्षक ही मुख्य किरदार दिखाई देता है। यही कारण है कि भारत का खेल मंत्रालय व कई राज्य भी अपने यहां हाई परफॉर्मेंस प्रशिक्षण केन्द्र खोलने पर जोर दे रहे हैं तथा वहां पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करवाने वाले प्रशिक्षकों को अनुबंधित कर रहे हैं। खेलो इंडिया, गुजरात व पंजाब के उच्च खेल परिणाम दिलाने वाले प्रशिक्षण केन्द्रों की तरह ही हिमाचल प्रदेश में भी अधिक से अधिक इस तरह के हाई परफॉर्मेंस केंद्र व अकादमी खोलनी होगी। इन प्रशिक्षण केन्द्रों पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता प्रदर्शन करवाने वाले अनुभवी प्रशिक्षकों को उत्कृष्ट प्रदर्शन करवाने की शर्तों पर पांच वर्षों के लिए अनुबंधित करना चाहिए, ताकि हिमाचल प्रदेश की संतानों को भी हिमाचल प्रदेश में रह कर ही वह प्रशिक्षण सुविधा मिल सके। केन्द्र व केरल सरकार की तर्ज पर प्रशिक्षकों को भी खिलाड़ी की तरह नगद ईनामी राशि व आवार्ड का प्रावधान किया गया है। आप हर विद्यार्थी को फिटनेस के लिए खेल मैदान में ले जाएंगे तो उनमें से जरूर कुछ अच्छे खिलाड़ी भी मिलेंगे। प्रतिभा खोज के बाद पढ़ाई के साथ-साथ प्रशिक्षण के लिए अच्छी खेल सुविधाएं मुहैया कराई जानी चाहिए। इसके लिए प्राधिकरण के माध्यम से हिमाचल प्रदेश के खिलाडियों को वैज्ञानिक आधार पर लंबी अवधि के प्रशिक्षण शिविर लगें तथा प्रदेश के शारीरिक शिक्षकों व पूर्व राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय खिलाडियों के लिए सेमिनार व कम अवधि के प्रशिक्षक बनने के कोर्सेज हों। साथ ही साथ यहां पर राष्ट्रीय प्रतियोगिता के पूर्व लगने वाले कोचिंग कैम्प भी अनिवार्य रूप से लगाए जाएं ताकि पहाड़ के लोगों को भी वही सुविधा उपलब्ध हो, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर के उत्कृष्ट प्रदर्शन किये जा सकें।

देश दुनीया से

कनाडा का मसला

पिछले कुछ दशकों से कनाडा दुनिया भर के आतंकवादियों का स्वर्ग बन चुका है। उनमें से कुछ आतंकवादी गिरोह ऐसे हैं जिन्हें कनाडा सरकार मारना चाहती है और कुछ आतंकवादी समूह ऐसे हैं जिन्हें कनाडा की सरकार पालती है। कनाडा के भीतर ही बहुत से लोग मानते हैं कि एयर इंडिया जहाज को, जिसमें 368 यात्रियों की जान गई थी, बम से नष्ट करने में जिन लोगों का हाथ था, उनकी जांच में लापरवाही हुई थी। यह लापरवाही दुर्योग था या षड्यन्त्र, इसका खुलासा कनाडा की सरकार अभी तक नहीं कर रही। भारत से गए कुछ गिने चुने लोग भी कनाडा में भारत विरोधी गतिविधियों में संलिप्त हैं। लेकिन वे अनेक गैंग में बंटे हुए हैं। ये गैंग नशों के व्यापारी भी हैं। मानव तस्करी भी इसी में शामिल है। लेकिन अपने असली कामों और चेहरे को छिपाने के लिए ये गैंग भारत विरोध गतिविधियों और भारत को तोडऩे की साजिशों का भी हिस्सा बने रहते हैं। यह इनका दूसरा चेहरा है। सुरक्षा और समर्थन के लिए इनको मजहब का सहारा लेना पड़ता है, ताकि आम लोगों को धोखा दिया जा सके। मध्यकालीन एक संत ने कहा था, 'काले मेंडे कपड़े, काले मेंडे लेख। काले कम्मीं मैं फिरां, लोक कहन दरवेश।' अर्थात मेरे कपड़े भी काले हैं और मेरा नसीब भी काला है। मैं बुरे काम करता हूं, लेकिन मेरी ये हरकतें देख कर भी लोग मुझे दरवेश समझते हैं। लेकिन ऐसा क्यों है? क्योंकि काले कामों पर मजहब की चादर डाल रखी है। कनाडा में जिन गैंग की चर्चा हो रही है, उनके बारे में यही कहा जा सकता है। ऐसा नहीं कि ये सभी गैंग आपस में घी शक्कर हैं। जहां तक शाब्दिक या क्रियात्मक भारत विरोध का सवाल है, वहां तक तो इन सभी गैंग में मतैक्य है, लेकिन जहां नशों के व्यापार का प्रश्न है वहां तो प्रतिद्वन्द्विता होगी ही। उसी में एक दूसरे गैंग के लोग मारे भी जाते हैं। लेकिन असली सवाल अभी भी अनुत्तरित है। कनाडा ऐसे गैंग की सहायता क्यों करता है? इस प्रकार के भारत विरोधी हिंसक उग्र समूहों को कनाडा प्रश्रय क्यों देता है? यह बहुत महत्वपूर्ण प्रश्न है। इसका उत्तर इतिहास में तलाशना होगा। लेकिन इससे पहले कनाडा का मीडिया इस संबंध में क्या कहता है, उसको समझ लेना भी लाभदायक रहेगा। ओटावा सिटीजन के अनुसार, 'कनाडा आतंकवाद को बढ़ावा देने वाला अनओफिशियल राज्य बन गया है।' कनाडा के इंटैलीजेंस विभाग के हिस्सा रहे डेविड बी. हेरिस के अनुसार, 'दि पोलिटिकल कनक्लूजन एंड बैटरेयल, दि करप्शन ऑफ इमिग्रेशन एंड एथनोकल्चरल लॉबिंग सिस्टम्स दैट जस्टिफाई फियर्स दैद, दि पीसेबल किंगडम ऑफ कैनेडा, इन ऑन दि वे आउट।' हेरिस के इस विश्लेषण में पोलिटिकल कनक्लूजन यानी राजनीतिक सहभागिता शब्द पर ध्यान देना बहुत जरूरी है। खासकर भारत विरोधी आतंकवादी गैंग को लेकर कनाडा की वर्तमान नीति के रहस्य इसी में छिपे हुए हैं। कनाडा का सर्वाधिक सम्मानित अखबार 'दि ग्लोब एंड मेल' जो लिखता है, उसमें उसने माना है कि कनाडा आतंकी समूहों को प्रोत्साहन व संरक्षण दे रहा है। इन सभी विश्लेषणों में प्रत्यक्ष या परोक्ष कनाडा सरकार की सहभागिता का जिक्र आता है। जहां तक पंजाब को लेकर कनाडा में सक्रिय आतंकवादी समूहों को प्रश्रय या राजनीतिक सहायता देने का सवाल है, उसके बारे में ज्यादातर यह कह कर छुटकारा पा लिया जाता है कि कनाडा में सरकार चला रही लिबरल पार्टी के पास संसद में अपना स्पष्ट बहुमत नहीं है। यह पार्टी सरकार चलाने के लिए न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी के समर्थन पर टिकी है और इस एनडीपी के कुछ लोग भारत को तोडऩे की साजिश में लगे हुए हैं। इसलिए वहां के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो को मजबूरी में इन भारत विरोधी गैंग का समर्थन करना पड़ता है।

कनाडा के भीतर ही बहुत से लोग मानते हैं कि एयर इंडिया जहाज को, जिसमें 368 यात्रियों की जान गई थी, बम से नष्ट करने में जिन लोगों का हाथ था, उनकी जांच में लापरवाही हुई थी। यह लापरवाही दुर्योग था या षड्यन्त्र, इसका खुलासा कनाडा की सरकार अभी तक नहीं कर रही। भारत से गए कुछ गिने चुने लोग भी कनाडा में भारत विरोधी गतिविधियों में संलिप्त हैं। लेकिन वे अनेक गैंग में बंटे हुए हैं। ये गैंग नशों के व्यापारी भी हैं। मानव तस्करी भी इसी में शामिल है। लेकिन अपने असली कामों और चेहरे को छिपाने के लिए ये गैंग भारत विरोध गतिविधियों और भारत को तोडऩे की साजिशों का भी हिस्सा बने रहते हैं। यह इनका दूसरा चेहरा है। सुरक्षा और समर्थन के लिए इनको मजहब का सहारा लेना पड़ता है, ताकि आम लोगों को धोखा दिया जा सके।

दृष्टिकोण

नवाज और इमरान के बीच दिलचस्प हैं पाकिस्तान के सियासी समीकरण

पंजाब में एक लोकप्रिय कहावत है-'लाहौर लाहौर ऐ'। उसके बाद 'जिन लाहौर नई वेख्या ओ जम्या नई' कहावत मशहूर है। लाहौरवासियों को खुद पर बहुत गर्व है और उन्हें लगता है कि पाकिस्तान का दूसरा कोई भी शहर लाहौर से बेहतर नहीं है। लेकिन यह सब बदल रहा है, जैसा कि हमने इस हफ्ते देखा, जब लाहौर के नागरिकों ने चार साल के स्वनिर्वासन से लौटने के बाद अपने शेर और निर्वासित नेता मियां नवाज शरीफ का स्वागत करने से इन्कार कर दिया। नतीजतन पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) को पंजाब के विभिन्न शहरों से आई भीड़ पर निर्भर रहना पड़ा। लाहौर के लोग दशकों से पीएमएल-एन को वोट देते रहे हैं और यह प्रांतीय राजधानी शरीफ परिवार का मजबूत गढ़ रही है। लेकिन सबने देखा कि आम लाहौरी समर्थक गायब थे और शहर का कामकाज सामान्य ढंग से चल रहा था, जिसे इस बात का कोई अंदाजा नहीं था कि मीनार-ए पाकिस्तान मैदान पर क्या हो रहा है। पीएमएल-एन लाहौर शहर में इतनी अलोकप्रिय हो चुकी है कि उप-चुनाव में इमरान खान की पार्टी पीटीआई ने न केवल लाहौर की, बल्कि आसपास के निर्वाचन क्षेत्रों में भी हर सीट पर जीत दर्ज की। लाहौर के संभ्रांत लोग मजबूती से पीटीआई के खेमे में हैं। लगता है कि हम एक बार फिर 2018 में लौट रहे हैं, जब सुरक्षा प्रतिष्ठान ने एक नए चेहरे, पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के नेता इमरान खान को इस उम्मीद में प्रधानमंत्री की कुर्सी पर बिठाया था कि उनके जरिये वह पाकिस्तान पर शासन कर सकता है। प्रत्यक्ष मार्शल लॉ अब पाकिस्तान के अंदर या बाहर लोकप्रिय या बर्दाश्त के काबिल नहीं है। इसके बजाय प्रधानमंत्री कार्यालय में अपनी कठपुतली बिठाकर उसके माध्यम से शासन चलाना आसान है। लेकिन जैसे ही इमरान खान कुछ वर्षों के बाद व्यवस्थित हो गए, उन्होंने स्वयं को सेना से स्वतंत्र दिखाने की कोशिश की। सबसे पहले उन्होंने आईएसआई के महानिदेशक के पद पर अपने आदमी को नामित करना चाहा और सेना मुख्यालय में जनरलों को इधर-उधर करना चाहा, ताकि वह पाकिस्तान के सबसे कद्दावर व्यक्ति यानी सेना प्रमुख के पद पर अपने आदमी बिठा सकें। सुरक्षा प्रतिष्ठान इसे बर्दाश्त नहीं कर सका और पर्दे के पीछे से तत्कालीन सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा ने संसद में इमरान खान के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश करवाया, जहां संसदीय लोकतंत्र के संक्षिप्त इतिहास में पहली बार सदन के एक निर्वाचित नेता को अविश्वास प्रस्ताव के जरिये हटा दिया गया। अब सुरक्षा प्रतिष्ठान अपनी दूसरी योजना (प्लान बी) पर काम कर रहा है। इस बार उसने अपने 'फौजी खिलौने' के तौर पर नवाज शरीफ को चुना है। हालांकि नवाज शरीफ अब भी अदालतों में सजा के खिलाफ लड़ाई लड़ रहे हैं और अभी उनका आरोपों से बरी होना बाकी है। वह इन दिनों जमानत पर हैं, पर सबसे शक्तिशाली लोगों ने उनका जीवन आसान बना दिया है। यहां तक कि भ्रष्टाचार के दो मामलों में दोषी ठहराए जाने के बावजूद उन्हें वीवीआईपी प्रोटोकॉल दिया गया है। एक सेना प्रमुख जनरल बाजवा ने स्वास्थ्य कारणों से उन्हें निर्वासन में जाने की सुविधा दी, तो दूसरे सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने उनकी सहज वापसी की व्यवस्था की। पर यह बिल्कुल साफ है कि चौथी बार प्रधानमंत्री की कुर्सी तक पहुंचने से पहले नवाज शरीफ को कई कानूनी बाधाओं को पार करना होगा।

इमरान खान को झटका, गोपनीय दस्तावेज लीक मामले में जमानत और एफआईआर रद्द करने की मांग वाली अर्जी खारिज

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। दरअसल, पाकिस्तान की एक विशेष अदालत ने शुक्रवार को गोपनीय दस्तावेज लीक मामले में (साइफर मामले) जेल में बंद खान की जमानत और प्राथमिकी रद्द करने की याचिका को खारिज कर दिया है।

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के अध्यक्ष खान ने मामले में जमानत के साथ-साथ संघीय जांच एजेंसी (एफआईए) द्वारा अगस्त में दर्ज प्राथमिकी के खिलाफ इस्लामाबाद हाईकोर्ट (आईएचसी) का दरवाजा खटखटाया था। हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश आमिर फारूक ने सुनवाई पूरी होने के बाद 16 अक्टूबर को फैसला सुरक्षित रख लिया था, जिसकी घोषणा उन्होंने शुक्रवार को की।

क्या है गोपनीय दस्तावेज लीक मामला

पिछले साल मार्च में इमरान खान की सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान से पहले एक जनसभा के दौरान इमरान खान ने जेब से एक कागज निकालकर लहराया था और दावा किया था कि उनकी सरकार गिराने के लिए अंतरराष्ट्रीय साजिश रची जा रही है। आरोप है कि बीते साल मार्च में वॉशिंगटन से पाकिस्तान स्थित दूतावास में एक केबल भेजा गया था, जो लीक हो गया और इमरान खान ने कथित तौर पर उसे ही जनसभा के दौरान लहराया था। हालांकि बाद में पूछताछ के दौरान इमरान खान ने गोपनीय दस्तावेज के रैली में लहराने से इनकार किया था। इमरान ने ये भी कहा कि उनसे वह गोपनीय दस्तावेज गुम हो गया है और उन्हें याद नहीं आ रहा है कि उन्होंने उसे कहां रख दिया है।

26 सितंबर तक बढ़ाई गई न्यायिक हिरासत

बता दें कि इमरान खान और शाह महमूद कुरैशी पर आरोप है कि उन्होंने अपने राजनीतिक फायदे के लिए गोपनीय दस्तावेज को गलत तरीके से अपने पास रखा और उसका दुरुपयोग किया। इसके लिए इमरान खान और शाह महमूद कुरैशी को आधिकारिक गोनीयता अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया था। गौरतलब है कि इस मामले में इस्लामाबाद हाईकोर्ट पहले ही इमरान खान की सजा को निलंबित कर चुका है, लेकिन इसके बावजूद इमरान खान जेल में हैं।

पिछले साल अप्रैल में सत्ता से बेदखल होने के बाद से खान के खिलाफ 150 से अधिक मामले दर्ज किए गए हैं।

न्यूज ब्रीफ

मैक्सिको में तूफान ओटिस ने मचाई तबाही, बिजली के खंभे और बड़े-बड़े पेड़ जड़ से उखड़े; 27 की मौत

अकापुल्को। मैक्सिको में ओटिस तूफान ने तबाही मचा रखी है। यह तूफान इतना खतरनाक हो गया है कि इसने कम से कम सात लोगों की जान ले ली है। मैक्सिको सरकार के अनुसार, देश में आए अब तक के सबसे शक्तिशाली तूफानों में से एक ने अकापुल्को के समुद्र तट रिसॉर्ट को नुकसान पहुंचाया, जिससे अरबों डॉलर का नुकसान हुआ। वहीं, इससे पहले ओटिस ने मेक्सिको में श्रेणी पांच के तूफान के रूप में तबाही मचाई। तटीय इलाकों को पूरी तरह से बर्बाद कर दिया है। यह तूफान इतना तेज था कि इसने लोगों के घरों, उसके बाहर खड़ी गाडियों, बिजली के खंभों, पेड़ों और मोबाइल टावरों को बहुत नुकसान पहुंचाया। इससे सड़क एवं हवाई संपर्क बाधित हो गया है। तूफान की वजह से लगभग नौ लाख की आबादी वाला शहर अकापुल्को उजड़ गया है। सरकार ने कहा कि चार लोग अभी भी लापता हैं। प्रशांत महासागर के तट पर स्थित मैक्सिको में 165 मील प्रति घंटे (266 किलोमीटर प्रति घंटे) की रफ्तार से आए तूफान से हुए नुकसान का आकलन करते हुए राष्टपति एंड्रेस मैनुएल लोपेज ओब्राडोर ने कहा कि अकापुल्को को जो नुकसान हुआ वह वास्तव में विनाशकारी है। राष्टपति ने कहा, 'तूफान इतना शक्तिशाली था कि इसने बड़े-बड़े पेड़ों को जड़ों से उखाड़ दिया। इतना ही नहीं, अस्पतालों में पानी भर गया। इसकी वजह से सैकड़ों मरीजों को सुरक्षित इलाकों में ले जाना पड़ा।' सरकार ने क्षेत्र में आपातकाल की स्थिति घोषित कर दी है, लेकिन इस बारे में बहुत कम जानकारी दी है कि 27 लोगों की मौत कैसे हुई या कितने अन्य घायल हुए। एक पेशेवर जादूगर एरिक लोजोया ने बताया कि उन्होंने अकापुल्को के एक होटल के कमरे में अपनी पत्नी और दो बेटियों के साथ तीन घंटे तक मौत का खेल देखा है। उन्होंने बताया कि तूफान इतना भयानक था कि खिड़कियों से टकरा गया था। उसके टकराने से बहरा कर देने वाला शोर हर तरफ गूंज रहा था।

इजराइल ने हमास के तीन शीर्ष आतंकियों को मार गिराया, लड़ाकू विमान से हवाई हमला कर बोला धावा

यरूशलम। इजराइल और हमास के बीच जारी युद्ध में अबतक 7000 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। जहां सात अक्तूबर को हमास के आतंकियों ने इजराइल में घुसकर हमला किया था, वहीं उसके बाद से इजराइल लगातार गाजा पर हवाई हमले कर रहा है। इसी बीच इजराइली सेना ने एक बड़ी जानकारी शेयर की है। इजराइली सेना के अनुसार शुक्रवार को उनके लड़ाकू विमानों ने दाराज तुफाह बटालियन में हमास के तीन शीर्ष आतंकियों को मार गिराया। इजराइल के रक्षा बलों (आईडीएफ) ने बताया कि इन तीनों आतंकियों को हमास का सबसे महत्वपूर्ण ब्रिगेड माना जाता था। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए इजराइली रक्षा बल ने कहा, आईडीएफ लड़ाकू विमान ने दाराज तुफाह बटालियन के तीन शीर्ष हमास के आतंकियों को मार गिराया। बटालियन के संचालकों ने इजराइल में हुए हमले में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन तीनों को हमास संगठन का महत्वपूर्ण ब्रिगेड माना जाता था। इसी के साथ इजराइली सेना ने मारे गए तीनों आतंकियों की तस्वीर भी जारी की है। आईडीएफ ने अपने पोस्ट में आगे कहा, दाराज तुफाह बटालियन को हमास संगठन का सबसे महत्वपूर्ण ब्रिगेड माना जाता है।

चीन के पूर्व प्रधानमंत्री ली केकियांग नहीं रहे, 68 वर्ष की आयु में दिल का दौरा पड़ने से निधन

बीजिंग। चीन के पूर्व प्रधानमंत्री ली केकियांग का 68 वर्ष की आयु में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया।

सुधारवादी विचारधारा वाले नौकरशाह ली को एक समय देश के भावी राष्ट्रपति के रूप में देखा जाता था, लेकिन शी जिनपिंग की वजह से उन्हें नजरअंदाज कर दिया गया। ली ने शी के अधीन 10 साल तक प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया। चीनी मीडिया के अनुसार, ली को दिल का दौरा पड़ा था और शुक्रवार की सुबह शांघाई में उनकी मौत हो गई। प्रधानमंत्री के कार्यकाल के दौरान ली अन्य प्रधानमंत्रियों की तुलना में अपनी एक आधुनिक छवि बनाई थी। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने आर्थिक सुधारों के समर्थन में आवाज उठाई थी। ली के पद छोड़ने के दौरान चीनी अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर काफी कम थी। कोरोनावायरस के कारण देश की अर्थव्यवस्था को काफी नुकसान भी पहुंचा।

अमेरिका ने सीरिया पर की एयरस्ट्राइक

कहा– हमारे ठिकानों को निशाना बना रहे थे, यह जवाबी कार्रवाई

वॉशिंगटन।

अमेरिका ने सीरिया में एयरस्ट्राइक की है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन से हरी झंडी मिलने के बाद सेना ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया। सेना ने दावा किया कि 17 अक्तूबर से सीरिया और इराक में हमारे ठिकानों को निशाना बनाया जा रहा था। ऐसे में हमने (अमेरिकी स्थानीय समयानुसार) को पूर्वी सीरिया में ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स और उसके समर्थित समूहों द्वारा समर्थित दो ठिकानों को निशाना बनाया।

अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड जे. ऑस्टिन ने पूर्वी सीरिया में अमेरिकी सैन्य हमलों पर बयान जारी किया। उन्होंने कहा कि अमेरिकी सैन्य बलों ने पूर्वी सीरिया में ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) और संबद्ध समूहों के दो ठिकानों पर आत्मरक्षा के तहत हमले किए। हमें सिलसिलेवार तरीके से निशाना बनाया जा रहा था। इन असफल हमलों की एक श्रृंखला की प्रतिक्रिया के जवाब में हमने एयरस्ट्राइक को अंजाम दिया।

उन्होंने कहा कि ईरानी समर्थित मिलिशिया समूहों द्वारा इराक और सीरिया में अमेरिकी कर्मियों को 17 अक्तूबर से निशाना बनाने की कोशिशें की जा रही थीं। इन हमलों के परिणामस्वरूप एक अमेरिकी की मौत भी हुई। 21 अमेरिकी सैनिकों को मामूली चोटें आईं।

सेना और सैनिकों के हितों की रक्षा के लिए हरसंभव कदम उठाएंगे

उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति के लिए अमेरिकी सेना और जवानों की सुरक्षा से बढ़कर और कुछ नहीं है। हमारी जवाबी कार्रवाई से एक बात साफ संदेश जाता है कि हम ऐसे हमलों को कतई बर्दाश्त नहीं करेंगे। अमेरिका अपनी सेना और सैनिकों के हितों की रक्षा के लिए हरसंभव कदम उठाएगा।

क्या है मामला

दरअसल, इराक और सीरिया में हाल फिलहाल में अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाकर कई हमले किए गए। इस दौरान करीब 21 अमेरिकी सैनिक घायल हुए। एक घायल की बाद में हृदय गति रुकने की वजह से मौत हो गई। पेंटागन की मानें तो इराक में अमेरिका के 2500 और सीरिया में 900 सैनिक हैं।

अमेरिका ने यूक्रेन की मदद के लिए फिर बढ़ाए हाथ, 150 मिलियन डॉलर की सैन्य सहायता का किया एलान

वाशिंगटन। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध जारी है। इस जंग के थमने का आसार दूर-दूर तक नहीं दिख रहा है। इस लड़ाई में अमेरिका लगातार यूक्रेन की मदद कर रहा है। इसके मद्देनजर एक बार फिर वॉशिंगटन ने कीव के लिए नई सैन्य सहायता का एलान किया है। इस नए पैकेज में तोपखाने और छोटे हथियारों के गोला-बारूद के साथ-साथ टैंक रोधी हथियार भी शामिल हैं। रूस की आक्रामकता का जवाब देने के लिए अमेरिका ने यूक्रेन के लिए 150 मिलियन डॉलर (करीब 13 अरब रुपये) के सैन्य सहायता पैकेज की घोषणा की। बता दें, रूस ने यूक्रेन पर पिछले साल फरवरी में आक्रमण किया था, जिसके बाद से अमेरिका कीव को लगातार सहायता दे रहा है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका यूक्रेन को अब तक 43.9 अरब डॉलर की मदद कर चुका है। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने बताया कि हथियारों और उपकरणों के इस नए पैकेज में वायु रक्षा, तोपखाने, एंटी-टैंक और अन्य हथियार शामिल हैं। उन्होंने कहा कि देश रूसी बलों के खिलाफ अपने जवाबी हमले को जारी रखने के लिए यूक्रेन की क्षमता को और बढ़ाएगा। ब्लिंकन ने कहा कि यूक्रेन की सेनाएं रूसी द्वारा जब्त किए गए क्षेत्र को फिर से वापस लेने के लिए बहादुरी से लड़ रही हैं। इसलिए अगर और भी समर्थन की जरूरत पड़ी तो मदद करना जारी रखेंगे। अमेरिका ने अपना समर्थन दोहराते हुए कहा, 'रूस ने इस युद्ध की शुरुआत की थी और यूक्रेन से अपनी सेना को वापस बुलाकर और अपने क्रूर हमलों को रोककर किसी भी समय इसे समाप्त कर सकता है। जब तक ऐसा नहीं होता है संयुक्त राज्य अमेरिका और 50 से अधिक देशों का गठबंधन यूक्रेन के साथ खड़ा रहेगा। साथ ही हम यूक्रेन की मदद करने के लिए काम करना जारी रखेंगे।

इजराइल-हमास युद्ध से पश्चिम एशिया में बिगड़ सकते हैं हालात, अमेरिका ने तैनात किए 900 सैनिक

वॉशिंगटन। अमेरिका के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि इजराइल-हमास युद्ध के बीच करीब 900 अमेरिकी सैनिक पश्चिम एशिया में तैनात कर दिए हैं या फिर उन्हें तैनात किया जा रहा है।

पेंटागन के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल पैट राइडर ने कहा कि सैनिकों के साथ ही एयर डिफेंस के लिए फोर्ट ब्लिस टेक्सास से थाड सिस्टम (टर्मिनल हाई एल्टीट्यूड एरिया डिफेंस बैटरी), फोर्ट सिल ओकलाहामा से पैट्रियट बैट्रीज और फोर्ट लिबर्टी, नॉर्थ कैरोलिना से पैट्रियट और अवेंजर्स बैट्रीज की ब्रिगेड भी तैनात की जा रही है।

इजराइल में नहीं होगी अमेरिकी सैनिकों की तैनाती

पैट राइडर ने हालांकि इस बात का खुलासा नहीं किया कि अमेरिकी सैनिकों की पश्चिम एशिया में किस जगह तैनाती की जाएगी लेकिन उन्होंने साफ किया कि ये सैनिक इजराइल नहीं भेजे गए हैं बल्कि पश्चिम एशिया में पहले से मौजूद अमेरिकी सेना की सुरक्षा को मजबूत करने के लिहाज से इन सैनिकों की तैनाती हो रही है। पेंटागन अधिकारी ने बताया कि 17 अक्तूबर से 26 अक्तूबर के बीच अमेरिका और इसके सहयोगी बलों पर कम से कम 12 बार इराक से, चार बार सीरिया से हमले हुए हैं। इनमें ड्रोन और रॉकेट हमले शामिल हैं।

पेंटागन की तरफ से ये भी कहा गया कि अमेरिका, इजराइल को दो आयरन डोम सिस्टम उपलब्ध कराने की तैयारी कर रहा है ताकि इजराइल की सुरक्षा क्षमता को बढ़ाया जा सके। बता दें कि पेंटागन ने हाल ही में करीब दो हजार अमेरिकी सैनिकों को पश्चिम एशिया में तैनात करने की तैयारी की हुई है।

हमास का दावा- अगवा किए गए 50 इजराइली उतारे मौत के घाट

आतंकी संगठन हमास ने दावा किया है कि गाजा पट्टी पर इजराइली हमले के बाद से अगवा किए गए इजराइली लोगों में से कम से कम 50 को मौत के घाट उतार दिया गया है। हालांकि अभी तक हमास के इस दावे की पुष्टि नहीं हुई है। हमास की सैन्य ब्रिगेड अल-कस्साम ब्रिगेड ने टेलीग्राम चैनल पर बयान जारी कर यह दावा किया है।

वॉशिंगटन डीसी में हुई चीनी विदेश मंत्री वांग यी और एंटनी ब्लिंकन की मुलाकात, इन अहम मुद्दों पर हुई बातचीत

वॉशिंगटन।

अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और चीन के विदेश मंत्री वांग यी के बीच शुक्रवार को वॉशिंगटन डीसी में मुलाकात हुई। दोनों देशों के बीच बातचीत को बढ़ावा देने के लिहाज से दोनों नेताओं की यह मुलाकात अहम है। गौरतलब है कि इससे पहले एंटनी ब्लिंकन ने बीजिंग का दौरा किया था। अमेरिकी सरकार की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि बैठक में दोनों नेताओं का फोकस द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों से जिम्मेदारी से निपटने पर रहा। साथ ही उन क्षेत्रों की भी पहचान करने की कोशिश की गई, जहां दोनों देश सहयोग कर सकते हैं।

दोनों देशों के बीच संबंध सुधारने की कोशिश

अमेरिका के विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने एक बयान में कहा कि विदेश सचिव एंटनी ब्लिंकन ने चीन के विदेश मंत्री वांग यी की वॉशिंगटन में आगवानी की। दोनों देशों के बीच बातचीत जारी रखने की कोशिशों के तहत एंटनी ब्लिंकन के बीजिंग दौरे के जवाब में यह दौरा हो रहा है। अमेरिका ने चीन के पूर्व पीएम ली केकियांग के निधन पर दुख भी जताया। इससे पहले जून में एंटनी ब्लिंकन ने बीजिंग का दौरा किया था।

जैक सुलिवन ने भी की वांग यी से मुलाकात

वॉशिंगटन डीसी में अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जैक सुलिवन ने भी वांग यी से मुलाकात की। वांग यी तीन दिवसीय दौरे पर अमेरिका आए हैं। वांग यी के इस दौरे से अमेरिका और चीन के रिश्तों में कुछ गर्माहट आने की उम्मीद है। बता दें कि दोनों देशों के बीच 2018 से व्यापार को लेकर खींचतान चल रही है। बीते दिनों जासूसी विवाद के चलते भी दोनों देशों के रिश्ते बिगड़ गए थे। हालांकि अब दोनों देश कोशिश कर रहे हैं कि इस तनाव को कम किया जाए।

भारतीय मूल के शख्स को 12 हफ्ते की जेल, जुर्माना भी लगा; अपनी वैन से साइकल सवार को मारी थी टक्कर

सिंगापुर। सिंगापुर में एक 70 वर्षीय भारतीय मूल के व्यक्ति को 12 हफ्तों की सजा सुनाई गई है। इसी के साथ उनपर सभी श्रेणी के ड्राइविंग लाइसेंस रखने और प्राप्त करने पर भी प्रतिबंध लगाया गया है। दरअसल, साल 2021 में एक दुर्घटना के दौरान एक साइकिल चालक की मौत के मामले में उन्हें सजा दी गई है।

अवैध ड्राइविंग लाइसेंस के साथ चला रहा था वाहन

आरोपी भगवान तुलसीदास बिनवानी की उम्र 65 वर्ष होने के बाद उसके ड्राइविंग लाइसेंस की वैधता खत्म हो गई थी, इसके बावजूद उसने अगले तीन वर्षों तक घटना से पहले तक अपनी ड्राइविंग जारी रखी। अदालत ने आरोपी पर 3,800 सिंगापुर डॉलर का जुर्माना भी लगाया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, उसने अदालत में एक 54 वर्षीय मजदूर की मौत के लिए अपना दोष स्वीकार किया था। आरोपी के ऊपर बिना वैध लाइसेंस और बिना वैध बीमा के ड्राइविंग करने का भी आरोप लगाया है। हालांकि, उसने अपने ऊपर लगे इस आरोपों को स्वीकार किया है। अदालत को मिली जानकारी के अनुसार तुलसीदास बिनवानी बिनवानीस एंटरप्राइज का संचालन करता है। साल 2018 में उसका ड्राइविंग लाइसेंस समाप्त होने के बावजूद उसने बिना वैध लाइसेंस के कंपनी का वैन चलाया था।

सड़क दुर्घटना में साइकिल सवार की मौत

दिसंबर 2021 में शाम के पांच बजे बिनवानी जुरोंग पोर्ट रोड के पास वैन चला रहा था, उसने जलान अहमद इब्राहिम की तरफ वैन को मोड़ा, लेकिन जेब्रा क्रॉसिंग के पास पहुंचने के बाद भी उसने अपनी वैन की रफ्तार कम नहीं की। इसी वजह से वैन ने एक साइकिल सवार को टक्कर मार दी। इस टक्कर से साइकिल सवार अपनी साइकिल से उछलकर थोड़ी दूर जा गिरा। इस घटना के बाद तुरंत पीड़ित को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन घटना के दूसरे दिन ही उसकी मौत हो गई।

इस घटना पर जिला न्यायाधीश जॉन एनजी ने कहा कि सजा सुनाने के लिए अदालत के दृष्टिकोण को इरादे पर नहीं बल्कि परिणाम पर ध्यान केंद्रित करना होगा। उन्होंने आगे कहा कि एक अच्छा ड्राइवर किसी भी सड़क दुर्घटना में शामिल नहीं होना चाहेगा और नाहि कोई ऐसी गलती करना चाहेगा, जिससे किसी की मौत हो जाए।

यूएस में शिक्षिका–छात्र का रिश्ता तार–तार

नाबालिग को भेजी अश्लील तस्वीरें, संबंध बनाने का बनाया दबाव; गिरफ्तार

वाशिंगटन।

अमेरिका के मिसौरी से एक हैरान करने वाली खबर सामने आ रही है। यहां 25 वर्षीय एक शिक्षिका ने गुरु और छात्र के बीच के रिश्तों को तार-तार करके रख दिया है। दरअसल, मिसौरी में एक शिक्षिका को अपने स्कूल में पढ़ने वाले 16 साल के छात्र का यौन उत्पीड़न करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। आरोपी रिक्की लिन लाफलिन को छात्र के साथ अश्लील तस्वीरों के लेन-देन के लिए छह गंभीर आरोपों का सामना करना पड़ रहा है।

यह हैं आरोप

लाफलिन पर आरोप है कि उसने स्नैपचैट की मदद से छात्र को अपनी अश्लील तस्वीरें और वीडियो भेजे। साथ ही उसने छात्र से भी ऐसी ही तस्वीरों की मांग की। इतना ही नहीं, छात्र को संबंध बनाने के लिए अपने घर भी बुलाया था। लाफलिन पर दुष्कर्म का प्रयास, बाल पोनोग्राफी रखने, गवाह के साथ छेड़छाड़, सबूत के साथ छेड़छाड़, अश्लीलता को बढ़ावा देने और नाबालिग को अश्लील सामग्री भेजने का एक-एक मामला दर्ज किया गया है। शिकायत में कहा गया है कि शिक्षिका ने छात्र के साथ संबंध बनाए। वहीं, छात्र उसके साथ संबंध नहीं रखना चाहता था।

ऐसे आया सच सामने

मैरीज काउंटी शेरिफ को पिछले सप्ताह फेल्प्स काउंटी के एक जासूस से लाफलिन से जुड़े मामले की सूचना मिली थी। जासूस ने जब छात्र से बातचीत की तो सामने आया कि लाफलिन ने उसे अपनी अश्लील तस्वीरें और वीडियो भेजे थे। छात्र ने यह भी बताया कि उसने भी अपनी तस्वीरें भेजी थीं।

शिक्षिका को सताने लगा था डर

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि लाफलिन को उस समय डर सताने लगा था जब स्कूल में लोग उन दोनों के बारे में बात करने लगे थे। उसे डर था कि अगर सामने आ गया कि छात्र के साथ उसने संबंध बनाए हैं तो वह जेल जा सकती है। इसलिए उसने छात्र से अपने वीडियो और तस्वीरें फोन से हटाने के लिए कहा था। छात्र से बात करने के बाद पुलिस ने महिला शिक्षक से पूछताछ की। पूछताछ में उसने यह स्वीकार कर लिया कि वह छात्र से स्नैपचैट पर बात करती थी। शिक्षिका ने कहा कि उसे नहीं पता था कि छात्र नाबालिग है। बता दें, मिसौरी में सहमति से संबंध बनाने के लिए न्यूनतम उम्र 17 साल है। कोर्ट से मिली जानकारी के अनुसार, शिक्षिका के बॉन्ड की राशि एक लाख डॉलर तय की गई थी। वहीं, स्कूल के जिला अधीक्षक टिम वेबस्टर ने शिक्षिका का नाम लिए बिना इस खबर की पुष्टि की है।

चीन अपनी चालों से नहीं आ रहा बाज, दक्षिण चीन सागर में गश्त कर रहे अमेरिकी विमान को रोकने की कोशिश

वाशिंगटन। चीन की हरकतें किसी से छिपी नहीं है। वह आए दिन दक्षिण चीन सागर के ऊपर अमेरिकी विमानों से भिड़ने की कोशिश करता रहता है। दक्षिण चीन सागर में क्षेत्राधिकार को लेकर दोनों देशों के बीच विवाद लगातार बना हुआ है। इस बीच, अमेरिका ने दावा किया है कि चीन ने दक्षिण चीन सागर में रूटीन ऑपरेशन कर रहे अमेरिकी वायुसेना के बी-52 विमान को गलत तरीके से रोकने की कोशिश की। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो साझा किया है। साथ ही बताया कि चीन के जे-11 विमान के पायलट ने 24 अक्तूबर को अमेरिकी वायुसेना के विमान को गैरपेशेवर तरीके से रोकने की कोशिश की थी।

राज विस चुनाव : गहलोत सरकार ने अभी तक पुरानी घोषणा ही पूरी नहीं की : शेखावत

जयपुर (हिंस)। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की सात गारंटियों को कांग्रेस के सात झूठ करार दिया। शेखावत ने कहा कि गहलोत सरकार ने अभी तक पुरानी घोषणा ही पूरी नहीं की। अब सरकार खोखली गारंटी दे रही है। शुक्रवार को अपनी प्रतिक्रिया में केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि गहलोत सरकार ने चार साल पहले आठवीं, दसवीं और बारहवीं के मेधावी विद्यार्थियों को मुफ्त लैपटॉप देने की घोषणा की थी, वह घोषणा आज तक पूरी नहीं हुई। करीब 93 हजार विद्यार्थी आज भी लैपटॉप का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने पहले भी चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना में 25 लाख के बीमा कवर की बात कही है, लेकिन आज तक एक भी व्यक्ति को 25 लाख की चिकित्सा सहायता नहीं दी गई। यहां तक पांच लाख से अधिक का स्वास्थ्य बीमा कवर लेने वाले मरीज भी गिने चुने ही है। केन्द्र सरकार की दो योजनाएं आयुष्मान भारत और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना पहले से ही चल रही है। आयुष्मान में पांच लाख तक की चिकित्सा सुविधा और सुरक्षा बीमा योजना में दो लाख तक दुर्घटना सहायता दी जाती है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि नई शिक्षा नीति 2020 में हर विद्यार्थी को प्राइमरी स्कूल तक अपनी मातृभाषा में ही पढ़ने की छूट दी गई है। जहां तक अभी चल रही अंग्रेजी माध्यम स्कूलों की बात है, एक भी स्कूल में अंग्रेजी माध्यम से पढ़ा हुआ शिक्षक नहीं है। हिंदी माध्यम से पढ़े शिक्षक ही जैसे तैसे इन बच्चों को पढ़ा रहे हैं। पिछले दिनों अंग्रजी स्कूलों के 125 शिक्षकों ने वापस हिंदी माध्यम स्कूलों में लगाने के लिए आवेदन कर दिया, क्योंकि वे अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाने में असमर्थ थे। इन स्कूलों में 58 प्रतिशत पद रिक्त हैं। पुरानी पेंशन योजना की गारंटी पर उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार ने पुरानी पेंशन योजना की समीक्षा के लिए समिति गठित की है। राज्य सरकार ने इस योजना की घोषणा तो कर दी, लेकिन इसके क्रियान्वयन में खामी है। इस योजना को लागू करते समय जिस महिला कर्मचारी राजकुमारी जैन को ओपीएस का ब्रांड एंबेसेडर बनाया गया था, उसे ही इसका लाभ नहीं मिला। यह महिला अनुदानित शिक्षण संस्था में वर्ष 1992 से कार्यरत थी। सरकार ने अनुदानित शिक्षण संस्थाओं के कर्मचारियों को समायोजित कर लिया। इस महिला को भी वर्ष 1992 के हिसाब से सारे लाभ दिए गए, लेकिन जब महिला वर्ष 2011 में रिटायर हुई तो इसे पुरानी पेंशन का लाभ नहीं दिया गया, जबकि उसकी नियुक्ति वर्ष 1992 था। गोबर खरीदने की गारंटी पर उन्होंने कहा कि सरकार ने लंपी में गायों को अधिकतम चालीस हजार रुपए का मुआवजा देने की घोषणा की थी, आज तक वही पूरी नहीं की गई। आज तक एक भी गोपालक को पूरे चालीस हजार रुपए नहीं दिए गए। दुधारू गायों के लिए प्रति किलो दूध के हिसाब से मुआवजा तय किया गया, जो अधिकतम पांच हजार से ज्यादा नहीं बैठता। सरकार खोखली गारंटी दे रही है।

पंजाब में केवल ग्रीन पटाखे चलाने की मंजूरी

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब सरकार ने त्योहार सीजन में पटाखों को लेकर गाइडलाइन जारी कर दी गई है। इनके अनुसार पंजाब में केवल ग्रीन पटाखे ही चलाए जाएंगे। इसके अलावा अगर पटाखे चलते या बिकते पकड़े गए तो उनके खिलाफ कार्रवाई भी की जाएगी। त्योहारों पर पटाखे चलाने के लिए सरकार ने अलग-अलग समय भी निर्धारित किया है। शुक्रवार को पंजाब सरकार की तरफ से जारी निर्देश के अनुसार दीपावली के अवसर पर रात आठ से दस बजे, गुरुपर्व के मौके पर सुबह चार बजे से पांच बजे और रात नौ बजे से दस बजे तक, क्रिसमस के अवसर पर रात 11.55 बजे से मध्यरात्रि 12.30 बजे तक, नए साल के मौके पर रात 11.55 बजे से मध्यरात्रि 12.30 बजे तक पटाखे चलाए जा सकेंगे। राज्य के पर्यावरण मंत्री मीत हेयर ने साफ किया कि राज्य में लिंक्ड पटाखों (चेन पटाखे या चेन) के निर्माण, स्टॉक, वितरण, बिक्री और उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

दस हजार रुपए रिश्वत लेते एएसआई गिरफ्तार

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने राज्य में भ्रष्टाचार के चल रही मुहिम के दौरान शुक्रवार को थाना दिढ़बा, जिला संगरूर में तैनात सहायक सब इंस्पेक्टर (एएसआई) बिक्कर सिंह को दस हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि गांव तूरबंजारा, तहसील दिढ़बा निवासी बलजीत सिंह की शिकायत के आधार पर यह कार्रवाई की गई है। उन्होंने बताया कि शिकायतकर्ता ने एएसआई बिक्कर सिंह पर आरोप लगाया था कि वह उसके गुरविन्दर सिंह की दिढ़बा थाने में दर्ज एक केस में जमानत कराने में मदद करने के बदले दस हजार रुपए मांग रहा है। उन्होंने बताया कि इस शिकायत के बाद विजीलेंस ब्यूरो पटियाला रेंज ने जाल बिछाकर दो सरकारी गवाहों की हाजिरी में एएसआई बिक्कर सिंह को शिकायतकर्ता से दस हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि एएसआई बिक्कर सिंह के खिलाफ विजीलैंस ब्यूरो के थाना पटियाला रेंज में मुकदमा दर्ज करके आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

युवाओं को योग्यता के आधार पर मिल रही है सरकारी नौकरी : विधायक राजेश नागर

पलवल (हिंस)। गरीब परिवार को पांच लाख रुपए तक का सालाना नि:शुल्क ईलाज करवाने के लिए केंद्र सरकार ने आयुष्मान भारत योजना चलाई, जिसका फायदा पात्र गरीब व्यक्ति तक पहुंच रहा है। एक लाख 80 हजार रुपए वार्षिक आय वाले परिवार इस योजना से बहुत लाभ उठा रहे हैं। यह बात तिगांव विधानसभा क्षेत्र के विधायक राजेश नागर ने शुक्रवार को पलवल विधानसभा क्षेत्र के गांव रहीमपुर में लोगों से संवाद करने के दौरान कही। उन्होंने कहा कि आयुष्मान चिरायु योजना के तहत मुख्यमंत्री हरियाणा मनोहर लाल के मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार तीन लाख रुपए तक वार्षिक आय वाले परिवारों को मात्र 1 हजार 500 रुपए की राशि की अदायगी करने पर पांच लाख रुपए तक का सालाना नि:शुल्क ईलाज करवाने की सुविधा दे रही है। जनसंवाद कार्यक्रम में विधायक राजेश नागर के साथ मुकेश सिंगला, संजय गुर्जर सहित संबंधित विभागों के अधिकारी भी मौजूद रहे। इसके बाद विधायक ने पलवल विधानसभा क्षेत्र के गांव नामत: सुल्तापुर, काशीपुर व नाई नगला में भी लोगों के साथ संवाद किया। विधायक राजेश नागर ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा पारदर्शी तरीके से योग्यता के आधार पर सरकारी नौकरी दी जा रहीं हैं, जिसके परिणाम स्वरूप आज के युवाओं में पढाई की ओर रूझान बढा है। बिना खर्ची व बिना पर्ची के युवा सरकारी नौकरी प्राप्त कर रहे हैं। आज लोग घर बैठे सरकार की योजनाएं का लाभ व सर्विसेज के आवेदन का लाभ ऑनलाइन माध्यम से उठा रहे हैं।

कोर्ट के निगरानी याचिका स्वीकार करने से कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी रंधावा को मिली राहत

जयपुर (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर दिए गए बयान के मामले में कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा को राहत मिल गई है। कोटा की एक अदालत ने महावीर नगर थाना व सुखजिंदर सिंह रंधावा की ओर से पेश निगरानी याचिका को स्वीकार कर लिया है। कोर्ट ने निचली अदालत के रंधावा के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने कर आदेश को निरस्त कर दिया। महावीर नगर थाना की और से वकील मनु शर्मा ने बताया कि एसीजेएम 6 कोर्ट के आदेश के खिलाफ महावीर नगर पुलिस व सुखजिंदर रंधावा की और से कोर्ट में निगरानी याचिका पेश की गई। दोनों निगरानी याचिका पर बहस सुनने के बाद एडीजे 5 ने निगरानी याचिका को स्वीकार किया और अधीनस्थ न्यायालय द्वारा पारित निर्णय विधि सम्मत नहीं होने से उसे

निरस्त किया। असल में, 13 मार्च 2023 को कांग्रेस पार्टी द्वारा जयपुर में आयोजित आम सभा में प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने भाषण दिया था कि *अडानी को मारने से कुछ नहीं मिलेगा, मोदी को खत्म करो, मोदी खत्म हो गया तो देश बच जाएगा। अगर मोदी रहा तो देश बर्बाद हो जाएगा*। पीएम मोदी के खिलाफ भड़काने, उनकी हत्या करने के लिए प्रेरित करने, राष्ट्र की एकता व अखंडता को भंग करने और लोगों के बीच घृणा वैमनस्य व हिंसा भड़काने के प्रयास का आरोप लगाते हुए 18 मार्च को विधायक दिलावर ने महावीर नगर थाने में कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा के खिलाफ लिखित शिकायत दी थी। पुलिस ने मामला दर्ज नहीं किया। पुलिस द्वारा मामला दर्ज नहीं करने पर दिलावर की तरफ से तीन मई को कोटा में अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट क्रम 6 (एसीजेएम-6) में कांग्रेस प्रभारी के खिलाफ इस्तेगासा पेश किया गया। दस मई को कोर्ट ने सिटी एसपी से रिपोर्ट मांगी। सुनवाई के बाद कोर्ट ने 15 मई को एफआईआर दर्ज कर कोर्ट में रिपोर्ट पेश करने के आदेश दिए थे। जिस पर कोर्ट के आदेश की वैधानिकता को चुनौती देते हुए 20 मई को महावीर नगर थाना सीआई, राज्य सरकार व सुखजिंदर सिंह रंधावा की तरफ एडीजे-5 कोर्ट में दो निगरानी याचिकाएं पेश की थी। निगरानी याचिकाओं पर 23 मई को सुनवाई हुई। सरकार ने रंधावा के बचाव में अतिरिक्त महाधिवक्ता को मैदान में उतारा। कोर्ट ने पुलिस व निचली अदालत से रिकॉर्ड तलब किया। सुनवाई के लिए 30 मई की तारीख दी। 30 मई को सुनवाई टली। 12 जून को बिंदुवार सुनवाई की तिथि नियत की। 12 जून को कोर्ट में प्रदेश कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर रंधावा के विरुद्ध विधायक दिलावर की शिकायत मामले में निगरानी याचिका में बहस पूरी की। कोर्ट ने 20 जून को तारीख दी। बिंदुवार सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों की ओर से हाईकोर्ट, सुप्रीम कोर्ट से सम्बंधित कानूनी दलीलें पेश की थी। सुबह की कोर्ट होने के कारण दोनों पक्षों की ओर से पेश कानूनी दलीलों पर विवेचन करने का समय नहीं मिलने के कारण 20 जून की सुनवाई में ऑर्डर के लिए छह जुलाई की अगली तारीख दी गई। इसके बाद से कोर्ट में तारीख चल रही थी।

राज विस चुनाव : पेपर लीक घोटाले की निष्पक्ष जांच से बड़ा मछलियों को खतरा : पूनावाला

कोटा (हिंस)। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने शुक्रवार को पत्रकारों से कहा कि कहा कि संवैधानिक जांच एजेंसी पर कुत्ते, बिल्ली जैसे शब्दों का प्रयोग करने वाले मुख्यमंत्री अशोक गहलोत निष्पक्ष जांच से इतने घबरा क्यों रहे हैं। कांग्रेस के नेता सचिन पायलट ने अजमेर से जयपुर की पदयात्रा में स्वयं कहा था कि यह कौनसी जादूगरी है कि प्रदेश में बार-बार पेपर लीक हो रहे हैं। पेपरलीक घोटाला मामले में ओमप्रकाश हुडला के छोटे भाई गिरफ्तार हो चुके हैं जो जांच में सहयोग करने की बजाए एतराज क्यों किया जा रहा है। आज प्रदेश के 70 लाख भुक्तभोगी युवा पेपर लीक घोटाले की जांच निष्पक्ष एजेंसी द्वारा होने से न्याय की उम्मीद लगाए बैठे हैं। लेकिन लाल डायरी के खुलने के डर से मुख्यमंत्री गहलोत स्वयं *लाल* हो रहे हैं। अपने बेटे वैभव गहलोत को बचाने के लिए वे संवैधानिक जांच एजेंसी पर हल्की भाषा का प्रयोग करने लगे हैं। कांग्रेस विधायक इंद्रराज गुर्जर कहते हैं, पेपर लीक घोटाले

के माफिया खुलेआम घूम रहे हैं। बड़ा मछलियों को नहीं पकडा जा रहा है। प्रदेश में लाखों युवाओं के साथ पेपर लीक घोटाले में अन्याय हुआ तो मुख्यमंत्री चुप क्यों रहे। किसी ने कुछ भी गलत नहीं किया है तो प्रदेश में *चोर मचाए शोर* जैसी स्थिति क्यों बनाई जा रही है। जांच होने दीजिए, सच ही तो सामने आएगा। पूनावाला ने कहा कि दिल्ली में कॉमनवैल्थ गेम्स-2010 के लिए स्टेडियम निर्माण घोटाले में कांग्रेस के मंत्री सुरेश कलमाड़ी भ्रष्टाचार में लिप्त पाए गए थे, उसी तरह 1400 करोड रूपये चम्बल रिवर फ्रंट निर्माण घोटाले में कोटा की जनता अच्छी तरह जानती है कि कोटा का कलमाड़ी कौन है। घोटाला नहीं था तो मुख्यमंत्री गहलोत इसका उद्घाटन करने क्यों नहीं आये। पहली बरसात में ही इसके घटिया निर्माण की पोल खुल गई है। कांग्रेस आलाकमान ने चार सूचियों में 95 नामों की घोषणा करने के बाद भी कांग्रेस के मंत्री को कोटा उत्तर से टिकट देने में असहमति जताई है। उन्होंने भ्रष्टाचार का इशारा भी किया है। कोटा की जनता अच्छी तरह जानती है कोटा का कलमाड़ी कौन है। उन्होने कहा कि कोटा की पहचान कोटा स्टोन, कोटा साडी, कोटा कचौरी और कोटा कोचिंग से होती है लेकिन अब कांग्रेस ने कोटा में कट्टरपंथी, करप्शन व खनन लूट से इसकी पहचान बदलने का काम किया है। कोटा युवाओं के स्टार्टअप और विकास का हब बने या तुष्टिकरण की नीति से पीएफआई का अड्डा बने यह जनता को तय करना है। उन्होंने कोटा, बारां, झालावाड़ व बारां जिले के भाजपा आईटी सेल के प्रभारियों से चुनावी रणनीति पर मंथन किया। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि पिछले साढे चार साल से राजस्थान में लूट, छूट और कूट की सरकार चल रही थी। चुनावी वादों से पलटकर युवाओं, किसानों और महिलाओं के साथ धोखा किया है। तुष्टिकरण की नीति और दिखावी छूट से राजस्थान सरकार अब कंगाली के कगार पर खडी है।

परिवार की वार्षिक आय से तय होगी उम्मीदवारों की मेरिट सूची

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा सरकार ने कांटैक्ट कर्मियों की तैनाती नीति-2022 में महत्वपूर्ण संशोधन किया है। चयन मानदंडों में इन संशोधनों का उद्देश्य भर्ती प्रक्रिया को और अधिक समावेशी व कुशल बनाना है। मुख्य सचिव संजीव कौशल ने गुरुवार की रात इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी है, जिसके अनुसार उम्मीदवारों की मेरिट सूची अब वार्षिक पारिवारिक आय, उम्मीदवार की आयु और सामाजिक आर्थिक मानदंड, कौशल योग्यता, सामान्य पात्रता परीक्षा, पूर्व राज्य अनुभव आदि स्कोरिंग मापदंडों के आधार पर तैयार की जाएगी। हरियाणा परिवार पहचान प्राधिकरण के सत्यापित उम्मीदवार की वार्षिक पारिवारिक आय के आधार पर अधिकतम 40 अंक होंगे। जिसमें एक लाख रुपए तक 40 अंक, एक लाख एक रुपए से से एक लाख 80 हजार तक 30 अंक, एक लाख 80 हजार से तीन लाख रुपए तक 20 अंक, तीन लाख एक रुपए से छह लाख रुपए तक 10 अंक की स्कोरिंग होगी। नौकरी की सिफारिश के समय उम्मीदवार की उम्र के आधार पर 24 से 36 वर्ष तक 10 अंक तथा 36 से 42 वर्ष तक आयु में पांच अंको का लाभ दिया जाएगा। नौकरी के लिए प्रासंगिक एनसीवीटी, एससीवीटी, एसवीएसयू विश्वविद्यालय मान्यता प्राप्त आईटीआई से कौशल प्रमाणपत्र होने पर उम्मीदवारों को अधिकतम पांच अंक प्राप्त होंगे। उसी क्षेत्र में बुनियादी योग्यता से अधिक उच्च योग्यता होने पर अतिरिक्त पांच अंक दिए जाएंगे, जिसमें न्यूनतम 8वीं पास की अनिवार्यता होगी। सामाजिक-आर्थिक मानदंडों के आधार पर उम्मीदवारों को 10 अंकों का वेटेज दिया जाएगा, जिसमें अनाथ स्थिति में 10 अंक, विधवा स्थिति में 5 अंक और जिन उम्मीदवारों के पिता नही हैं उनके लिए भी 5 अंक दिए गए हैं। हरियाणा सरकार के नियंत्रण में किसी भी विभाग, बोर्ड, विश्वविद्यालय, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम, मिशन या प्राधिकरण में काम करने का पूर्व अनुभव रखने वाले उम्मीदवारों को अतिरिक्त 10 अंक दिए जाएंगे। उम्मीदवारों को प्रत्येक वर्ष के अनुभव के लिए 1 अंक प्राप्त होगा।

पराली के मुद्दे पर पंजाब के दावे को हरियाणा ने किया खारिज

चंडीगढ़(हिंस)। पंजाब के हरियाणा में पराली जलाए जाने को लेकर किए जा रहे दावों के बीच हरियाणा सरकार ने पलटवार किया है। हरियाणा सरकार का दावा है कि हरियाणा के मुकाबले पंजाब में अधिक पराली जलाई गई है। हरियाणा ने नासा की आधिकारिक वेबसाइट के सेटेलाइट इमेज के आधार पर कहा है कि पंजाब में हरियाणा के मुकाबले दो गुणा अधिक पराली जलाई गई है। इमेज में पंजाब से आधे से भी कम हरियाणा में एक्टिव फ़ायर के केस दिख रहे हैं, जबकि पंजाब लगातार कम पराली जलाने का दावा करता आ रहा है। पिछले साल के मुकाबले पंजाब में इस साल पराली जलाने की घटना करीब 53 फीसद कम हुई है। पंजाब सरकार ने दावा किया है कि पराली में आग लगने की संख्या 2022 में 5798 थी, जो अब इस साल घटकर 2704 हो गई है, जो 25 अक्तूबर 2022 की तुलना में 25 अक्तूबर 2023 तक 53 फीसद की कमी आई है। दूसरी तरफ हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने दावा किया है कि हरियाणा में पंजाब के मुकाबले पराली जलाने की घटनाएं काफी कम हैं। पंजाब में तो यह संख्या 4 हजार से अधिक है। पराली न जलानी पड़े, इसके लिए सरकार किसानों को वित्तीय प्रोत्साहन दे रही है और पराली के वाणिज्यिक उपयोग के लिए कदम उठा रही है। मुख्यमंत्री मनोहर लाल के ओएसडी जवाहर यादव ने शुक्रवार को कहा कि नासा द्वारा 25 व 26 अक्तूबर की तस्वीरें जारी की गई हैं।

लंबित मांगों को लेकर आंगनबाड़ी वर्कर्स ने फिर शुरू किया आंदोलन

फतेहाबाद (हिंस)। आंगनबाड़ी वर्कर्स हेल्पर यूनियन हरियाणा एक बार फिर लंबित मांगों को लेकर संघर्ष पर आ गई है। सैंकड़ो आंगनबाड़ी वर्कर्स और हेल्पर शुक्रवार को उपायुक्त कार्यालय के बाहर इकट्ठा हुई और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। आज के धरने की अध्यक्षता जिला प्रधान सुनीता झलनिया ने की और संचालन अनीता भट्ठू ने किया। इसके बाद प्रदर्शन करते हुए आंगनबाड़ी वर्कर्स एवं हैल्पर्स उपायुक्त कार्यालय पहुंची और एसडीएम को मांग पत्र सौंपा। धरने को संबोधित करते हुए सीटू जिला कैशियर बेगराज, जिला सचिव

ओमप्रकाश अनेजा व आंगनबाड़ी वर्कर्स यूनियन की जिला प्रधान सुनीता झलनियां ने हरियाणा सरकार से मांग की है कि हरियाणा में आंगनबाड़ी वर्कर्स व हेल्पर पर आंदोलन के दौरान दर्ज किए गए मुकदमें रद्द किए जाए। 2021-2022 की हड़ताल के दौरान का मानदेय का भुगतान तुरंत किया जाए। बर्खास्त वर्करों का बकाया मानदेय भी जारी किया जाए। 10 साल के अनुभव में हड़ताल अवधि को जोड़कर मानदेय दिया जाए। 2018 साल में केंद्र सरकार की 1500 व 750 रुपए की घोषणा लागू की जाए। उचाना जींद की आंगनबाड़ी वर्कर सुमन को तुरंत बहाल किया जाए। पोषण ट्रैकर ऐप पर जबरदस्ती काम बंद हो। मोबाइल फोन की राशि जारी की जाए। सितंबर 2022 से महंगाई भत्ते की किस्त को मानदेय में जोड़कर जारी किया जाए। पम्मी के फॉर्म वर्कर की आईडी से ऑनलाइन करवाने के फैसले को तुरंत वापस लिया जाए व पम्मी के मेहनताने का 2020 के बाद भुगतान रोका गया है, उसे तुरंत जारी किया जाए। आंगनबाड़ी केंद्रों का स्वीकृत किराया जारी किया जाए व बकाया किराए का तुरंत भुगतान हो। वर्करों एवं हेल्परों के खाली पड़े पदों पर स्थाई भर्ती की जाए। हेल्पर से वर्कर, वर्कर से सुपरवाइजर पर पदोन्नति वरिष्ठता के आधार पर की जाए। वर्कर्स व हैल्पर्स के मानदेय में बढ़ोतरी हो व न्यूनतम वेतन 26000 रुपए लागू किया जाए। उन्होंने कहा कि 22 अक्तूबर को हुई समझौता वार्ता के अनुसार लंबित मांगों को तुरंत लागू किया जाए। जब तक मांगों को लागू नहीं किया जाता आंदोलन जारी रहेगा। यदि अब भी सरकार ने उनकी मांगों को लागू नहीं किया तो आंदोलन को तेल करते हुए फिर से मजबूरन हड़ताल की घोषणा करनी पड़ेगी।

महर्षि वाल्मीकि जयंती पर शहर में निकली भव्य शोभायात्रा

कैथल (हिंस)। भगवान महर्षि वाल्मीकि जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित शोभायात्रा को हैफेड चेयरमैन कैलाश भगत ने झंडी दिखाकर रवाना किया। शोभा यात्रा प्रताप गेट से चलकर डोगरा गेट, सीवन गेट, महादेव कालोनी, सिरटा रोड, भगवान परशुराम चौक, माता गेट, भगवान वाल्मीकि चौक, कमेटी चौक, पेहवा चौक, पुराना बस स्टैंड, छात्रावास रोड, रेलवे गेट, चंदाना गेट होती हुई प्रताप गेट संपन्न हुई। हैफेड चेयरमैन ने कहा कि भगवान महर्षि वाल्मीकि ने भगवान राम के जन्म से पूर्व ही महाग्रंथ रामायण की रचना की थी। उन्होंने समाज को नैतिकता से जीवन जीने, बाप का बेटे, भाई का भाई, पत्नी का पति के प्रति फर्ज का मार्ग दिखाया। उनके दिखाए गए मार्ग पर हम सभी को चलना चाहिए। वह केवल एक विशेष वर्ग के नहीं, बल्कि समस्त मानव जाति में पूजनीय हैं।

पाकिस्तान ने अरनिया सेक्टर में दागे गोले, भारत ने दिया माकूल जवाब

जम्मू (हिंस)। जम्मू-कश्मीर के अरनिया सेक्टर की सभी आठ बॉर्डर आउटपोस्ट पर गुरुवार देररात जमकर गोलीबारी हुई है। पाकिस्तान ने यहां रिहायशी इलाके में गोले दागे। भारत की जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तान की कई पोस्ट तबाह हो गईं। लगभग पांच-सात रेंजरों के भी मारे जाने की सूचना है। इस गोलीबारी में बिक्रम पोस्ट पर तैनात कर्नाटक के जवान बसपाराज के पैर और हाथों में शेल के स्पिलिंटर लगे हैं। जब्बोवाल पोस्ट पर जवान के पैर में गोली लगी है। दोनों को जम्मू मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। चार नागरिक भी घायल हुए है। उनका उपचार भी अस्पताल में जारी है। रिहायशी क्षेत्रों अरनिया, सुचेतगढ़, सई, जब्बोवाल व त्रेवा में पाकिस्तान के 25 से ज्यादा मोर्टार शेल गिरे हैं। भारी गोलीबारी के चलते बीएसएफ ने पूरे इलाके में हाई अलर्ट कर दिया है। बीएसएफ ने बॉर्डर क्षेत्र के लोगों को अपने घरों में रहने की हिदायत दी है। साथ ही अरनिया सहित सीमा क्षेत्र में हाईअलर्ट कर दिया है।

रंगारंग कार्यक्रमों को संजोए केयु के 46वें क्षेत्रीय युवा महोत्सव का समापन

राज्य मंत्री कमलेश ढांडा व पूर्व सांसद अजय सिंह चौटाला रहे समापन अवसर पर मुख्य अतिथि

कैथल (हिंस)। शुक्रवार को जाट कॉलेज में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के 46वें क्षेत्रीय युवा महोत्सव का रंगारंग समापन हो गया। तीन दिनों तक चले संगीत और नृत्य के कार्यक्रमों के समापन अवसर पर अंतिम दिन महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री कमलेश ढांडा व जजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय चौटाला ने मुख्यअतिथि के रूप में शिरकत की। जजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय चौटाला ने जाट कॉलेज में उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला की तरफ से जारी की गई 51 लाख रुपए की ग्रांट से बनाई गई ई-लाइब्रेरी का उद्घाटन भी किया। अंतिम दिन भी प्रतिभागियों ने अपनी मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। यह कार्यक्रम देर शाम को परिणाम के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम के अंतिम प्रतिभागियों की तरफ से चार मंचों पर रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। अंतिम दिन

हरियाणवी आरकेस्ट्रा, समूह नृत्य, वेस्ट्रन वोकल सोलो व ऑन द स्पॉट फोटोग्राफी प्रतियोगिता करवाई गई। हरियाणवी समूह नृत्य में प्रतिभागियों ने दी शानदार प्रस्तुति मुख्य मंच पर हरियाणवी आरकेस्ट्रा व समूह नृत्य में प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित किया। इस दौरान हरियाणवी समूह नृत्य में प्रतिभागियों ने अपनी हरियाणवी संस्कृति की अलख जगाने को लेकर अपनी मनमोहक प्रस्तुतियां दी। प्रस्तुति में छात्राओं ने हरियाणवी समूह नृत्य में फौजी की पत्नी के घर न आने और हरियाणा में बेटी के विवाह पर बनड़े के गीत पर बेहद प्रभावशाली डांस किया। मुख्य अतिथि के रूप में पहुंची महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री कमलेश ढांडा ने कहा कि जाट कॉलेज में जो 46वें क्षेत्रीय युवा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। ऐसी प्रतियोगिता से छात्र-छात्राओं का मनोबल बढ़ता है। यह ऐसा मंच है, जिस पर प्रस्तुति देने से न केवल प्रतिभागियों की प्रतिभा बाहर निकलती है, बल्कि उन्हें सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बलबूते एक अच्छा कलाकार बनने का भी मौका मिलता है।

कैप्टन क्लाउस गोएर्श ईवीपी और मुख्य संचालन अधिकारी बनाए गए, कई नई भूमिकाओं का भी किया गया एलान

नई दिल्ली । एयर इंडिया ने कैप्टन क्लाउस गोएर्श को कार्यकारी उपाध्यक्ष और मुख्य संचालन अधिकारी के रूप में नियुक्त करने की घोषणा की है। वह उड़ान संचालन, इंजीनियरिंग, ग्राउंड ऑपरेशंस, इंटीग्रेटेड ऑपरेशंस कंट्रोल (आईओसीसी) और केबिन क्रू के कार्यों की देखरेख करेंगे। कैप्टन गोएर्श एक लाइसेंस प्राप्त बी 777/787 पायलट हैं, जिन्होंने ब्रिटिश एयरवेज और एयर कनाडा में समान पदों पर कार्य किया था। वह एयर इंडिया के नए गुरुग्राम मुख्यालय से कार्य करेंगे। वह कैप्टन आरएस संधू की जगह लेंगे, जो चार टाटा एयरलाइंस की परिचालन प्रक्रियाओं के बीच तालमेल पर ध्यान केंद्रित करने के लिए एक सलाहकार की भूमिका में होंगे। कैप्टन संधू, जिन्होंने पहले ही सेवानिवृत्ति की तारीख से आगे अपनी सेवा का विस्तार किया था, एयर इंडिया की नई प्रशिक्षण अकादमी की स्थापना भी करेंगे। एयर इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और प्रबंध निदेशक कैंपबेल विल्सन ने कैप्टन गोएर्श का स्वागत करते हुए कहा, दुनिया की कुछ बेहतरीन एयरलाइनों में काम करने के बाद, वह ज्ञान और अनुभव का खजाना लेकर आए हैं जो एयर इंडिया में चल रहे परिवर्तन के लिए मूल्यवान है। एयरलाइन ने अपनी प्रबंधन टीम को और मजबूत करने के लिए अन्य वरिष्ठ नियुक्तियों की भी घोषणा की। कैप्टन मनीष उप्पल को फ्लाइट ऑपरेशंस का वरिष्ठ उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है, जबकि कैप्टन हेनरी डोनोहो को कॉर्पोरेट सुरक्षा और गुणवत्ता के उपाध्यक्ष की भूमिका में होंगे। पंकज हांडा ग्राउंड ऑपरेशंस का नेतृत्व करेंगे, चूराह सिंह डिवीजनल वाइस प्रेसिडेंट इंटीग्रेटेड ऑपरेशंस कंट्रोल और जूली एनजी डिवीजनल वाइस प्रेसिडेंट केबिन क्रू के रूप में नियुक्त हुए हैं। वे सभी कैप्टन गोएर्श को रिपोर्ट करेंगे। संदीप वर्मा की अध्यक्षता में इनफ्लाइट उत्पाद और सेवा डिजाइन कार्य अब राजेश डोगरा के ग्राहक अनुभव पोर्टफोलियो का हिस्सा होगा। कैप्टन गोएर्श, डोगरा और कैप्टन डोनोहो सीधे कैंपबेल विल्सन को रिपोर्ट करेंगे, साथ ही प्रबंधन समिति के मौजूदा सदस्य निपुण अग्रवाल, डॉ सत्या रामास्वामी, डॉ सुरेश दत्त त्रिपाठी और विनोद हेजमादी भी होंगे।

न्यूज़ ब्रीफ

स्मार्ट बाज़ार में आएं! इस फेस्टिवल को बेस्टिवल में बदल दें

नई दिल्ली । बचत हमेशा भारतीय उपभोक्ता के लिए केंद्रीय रही है। और जब रोजमर्रा की वस्तुओं पर बचत की बात आती है, तो स्मार्ट बाज़ार इस श्रेणी में अग्रणी है। स्मार्ट बाज़ार कई श्रेणियों के लिए वन-स्टॉप शॉपिंग गंतव्य है, जिसमें स्टेपल, पैकेज्ड फूड, घर और व्यक्तिगत देखभाल, फल, सब्जियां, डेयरी, परिधान, घरेलू सामान, घरेलू साज-सज्जा, छोटे उपकरण, सामान आदि शामिल हैं। स्मार्ट बाज़ार में जाने से पहले आपको दो बार सोचने की ज़रूरत नहीं है; दिन, कार्यदिवस या सप्ताहांत, महीने की शुरुआत या अंत की परवाह किए बिना, आप निश्चिंत हो सकते हैं कि आपको अपनी सभी खरीदारी आवश्यकताओं के लिए सबसे कम कीमतें मिलेंगी। इससे भी अच्छी बात यह है कि प्रतिदिन 1999 रुपए की खरीददारी पर आपको चीनी मात्र 9 रुपये प्रति किलो की दर पर मिलेगी। स्मार्ट बाज़ार ने माधुरी दीक्षित को अपना ब्रांड एंबेसडर बनाया और अपना ब्रांड अभियान, स्मार्ट बाज़ार चलें लॉन्च किया। माधुरी इस ब्रांड के लिए बिल्कुल उपयुक्त थीं, क्योंकि वह अपने विशिष्ट आकर्षण के साथ ग्राहकों के लिए सापेक्षता का एक दृष्टिकोण लेकर आई थीं। इस उत्सव में आवश्यक वस्तुएं जैसे स्टेपल, परिधान और उपहार देने वाली वस्तुएं एक ही छत के नीचे सर्वोत्तम कीमतों और अद्भुत ऑफर के साथ उपलब्ध हैं। मिठाइयों पर, ड्राई फ्रूट गिफ्ट पैक, 5 किलो चावल और 1रुतेल का कॉम्बो रुपए 949 में, नॉन-स्टिक रेंज पर 50 प्रतिशत की छूट, 3-पीस हार्ड ट्रॉली लगेज सेट रुपए 5999 में, दिवाली फैशन आइटम रुपए 149 की शुरुआती कीमत से शुरू, इसके अलावा बहुत से अन्य आइटम उपलब्ध हैं।

सोना 61 हजार के पार, चांदी 71,800 रुपये के करीब

नई दिल्ली । विदेशी बाजारों में कीमती धातुओं की कीमतों में तेजी होने से सोने के वायदा भाव शुक्रवार

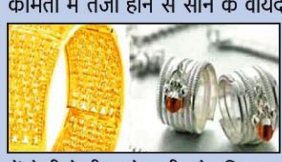

को हल्की गिरावट के साथ खुले लेकिन बाद में इसकी कीमतों में तेजी देखी जाने लगी और फिर इसके भाव 61 हजार रुपये पार कर गए। दिन में सोने के भाव 61 हजार रुपये पार कर गए थे लेकिन देर शाम भाव गिरने लगे और 61 हजार से नीचे बंद हुए। चांदी के वायदा भाव भी तेजी के साथ खुले। चांदी के वायदा भाव अब 71,800 रुपये के करीब, जबकि सोने के वायदा भाव 61 हजार रुपये से ऊपर कारोबार कर रहा है। सोने के वायदा भाव में शुक्रवार को शुरुआती नरमी के बाद तेजी देखने को मिल रही है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 37 रुपये की गिरावट के साथ 60,915 रुपये पर खुला और 48 रुपये की तेजी के साथ 61,000 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 61,012 रुपये के भाव पर दिन का उच्च स्तर और 60,915 रुपये के भाव पर निचला स्तर छू लिया। मई महीने में सोने के वायदा भाव ने 61,845 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। वहीं एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 165 रुपये की तेजी के साथ 71,745 रुपये पर खुला और यह 251 रुपये की तेजी के साथ 71,831 रुपये पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 71,831 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 71,708 रुपये प्रति किलो के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी के वायदा भाव हल्की तेजी के साथ खुले। कॉमेक्स पर सोना 1995 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला।

आवासीय संपत्तियों में संस्थागत निवेश 71 प्रतिशत बढ़ा, एक साल पहले की तुलना में निवेश 29 करोड़ डॉलर पहुंचा

नई दिल्ली । देश में चालू कैलेंडर वर्ष में जुलाई-सितंबर अवधि यानी तीसरी तिमाही में आवासीय संपत्तियों में

संस्थागत निवेश 71 प्रतिशत बढ़कर 29.83 करोड़ डॉलर पहुंच गया। एक साल पहले की समान अवधि में निवेश 17.43 करोड़ डॉलर रहा था। रियल एस्टेट सलाहकार वेस्टियन की बृहस्पतिवार को जारी रिपोर्ट के मुताबिक, रियल एस्टेट क्षेत्र को तीसरी तिमाही में 67.99 करोड़ डॉलर का संस्थागत निवेश मिला है। यह 2022 की समान तिमाही के 37.43 करोड़ डॉलर से 82 फीसदी अधिक है। हालांकि, विदेशी निवेश में गिरावट से जुलाई-सितंबर में एक साल पहले के मुकाबले कुल संस्थागत निवेश 57 फीसदी घटा है।

बड़े बदलाव की तैयारी

फोन पर रिकवरी एजेंट की मनमानी पर अंकुश अपडेट में देरी पर सीआईसी हर दिन भरेगा 100 रुपये

मुंबई ।
भारतीय रिजर्व बैंक ग्राहकों को परेशान करने पर सख्ती दिखाएगा। देश के केंद्रीय बैंक ने प्रस्ताव दिया है कि लोन लेने वाले ग्राहकों को रिकवरी एजेंट कभी भी फोन करके परेशान नहीं कर सकेंगे। प्रस्ताव के अनुसार, रात में सात बजे के बाद और सुबह आठ बजे के पहले रिकवरी एजेंट के फोन करने पर पाबंदी लगाई जाएगी। इसके अलावा ग्राहकों की क्रेडिट सूचना अपडेट करने में ढिलाई बरतने पर इसका खामियाजा क्रेडिट सूचना कंपनियों (सीआईसी) को भुगतना पड़ेगा। क्रेडिट जानकारी को अपडेट करने या सुधारने में देरी पर ग्राहकों को प्रति दिन 100 रुपये की दर से मुआवजा देना होगा।

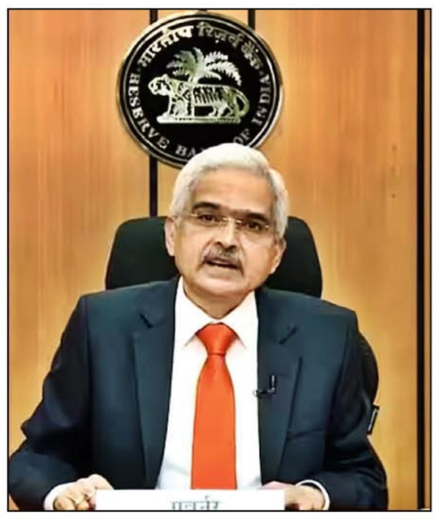

प्रतिदिन 100 रुपये की दर से मुआवजे का प्रावधान

रिजर्व बैंक ने कहा, क्रेडिट सूचना कंपनियों को छह महीने का समय दिया गया है। इस अवधि में क्रेडिट संस्थानों (सीआई) और सीआईसी को क्रेडिट जानकारी अपडेट में देरी पर मुआवजे की रूपरेखा लागू करने के लिए जरूरी सिस्टम विकसित करना होगा। सर्कुलर में रिजर्व बैंक ने कहा, अगर सीआई/सीआईसी के पास शिकायत दर्ज करने की प्रारंभिक तारीख से 30 कैलेंडर दिनों की अवधि के भीतर शिकायत करने वाले की कंप्लेन का समाधान नहीं किया जाता है, तो शिकायतकर्ता को प्रति कैलेंडर दिन 100 रुपये की दर से मुआवजा मिलेगा।

शिकायत का समाधान नहीं आरबीआई लोकपाल से संपर्क करें

सर्कुलर के अनुसार, मुआवजा देने से इनकार करने की सूरत में शिकायतकर्ता आरबीआई लोकपाल से संपर्क कर सकता है। बता दें कि क्रेडिट इंफॉर्मेशन ब्यूरो (इंडिया) लिमिटेड , इक्विफैक्स, एक्सपीरियन और हाईमार्क भारत की कुछ प्रमुख क्रेडिट सूचना कंपनियां हैं।

फोन करने का समय तय होगा, मनमानी पर अंकुश लगाएगी आरबीआई

मुआवजे के प्रावधान के अलावा आरबीआई ने रिकवरी एजेंटों को सुबह 8 बजे से पहले, शाम 7 बजे के बाद कॉल करने से रोकने का प्रस्ताव भी तैयार किया है। ऋण वसूली के लिए सख्त नियमों का प्रस्ताव देते हुए आरबीआई ने कहा, अतिदेय ऋणों की वसूली के लिए वित्तीय संस्थान और उनके वसूली एजेंट लोन लेने वाले ग्राहकों को सुबह 8 बजे से पहले और शाम 7 बजे के बाद फोन नहीं कर सकेंगे।

अपने काम की आउटसोर्सिंग से बचने की नसीहत

जोखिम प्रबंधन और आचार संहिता पर ड्राफ्ट मास्टर डायरेक्शन में कहा गया है कि बैंकों और नॉन बैंकिंग फाइनांस कंपनी (एनबीएफसी) जैसी विनियमित संस्थाओं (आरई) को मुख्य प्रबंधन कार्यों को आउटसोर्स नहीं करना चाहिए। इसमें नीति निर्माण और केवाईसी मानदंडों का अनुपालन और ऋणों की मंजूरी जैसे अहम फैसले शामिल हैं।

रिकवरी एजेंट को संवेदनशील होना चाहिए

मसौदे में कहा गया है कि प्रत्यक्ष बिक्री एजेंटों (डीएसए)/प्रत्यक्ष विपणन एजेंटों (डीएमए)/रिकवरी एजेंटों (वाणिज्यिक बैंकों, सहकारी बैंकों और एनबीएफसी पर लागू) के लिए एक बोर्ड-अनुमोदित आचार संहिता लगानी चाहिए। यह सुनिश्चित करना चाहिए कि रिकवरी एजेंटों को संवेदनशीलता के साथ व्यवहार करने के लिए उचित रूप से प्रशिक्षित किया गया है। विशेष रूप से ग्राहकों से आग्रह करना, कॉल करने के समय की जानकारी, ग्राहक जानकारी की गोपनीयता और उत्पादों के सही नियम और शर्तों पर कैसे बात करनी है, इसके बारे में रिकवरी एजेंट को काफी संवेदनशील होना चाहिए।

लोन लेने वाले या परिजनों को अपमानित करने पर नकेल

रिजर्व बैंक ने साफ किया है कि रिकवरी एजेंट अपने ऋण वसूली प्रयासों में किसी भी व्यक्ति के खिलाफ मौखिक या शारीरिक रूप से किसी भी प्रकार की धमकी या उत्पीड़न का सहारा नहीं लेंगे। इसमें सार्वजनिक रूप से अपमानित करने या परिवार के सदस्यों, देनदारों/उनके गारंटरों की गोपनीयता में हस्तक्षेप करने का इरादा भी शामिल है।

28 नवंबर तक फीडबैक का समय

आरबीआई के ड्राफ्ट में कहा गया है कि लोन लेने वाले ग्राहकों को मोबाइल पर या सोशल मीडिया के माध्यम से अनुचित संदेश नहीं भेजा जाना चाहिए। लोन की वसूली के लिए धमकी भरे और गुमनाम कॉल नहीं करना चाहिए। प्रस्ताव के अनुसार, उधारकर्ता/गारंटर को लगातार कॉल कर गलत और भ्रामक प्रतिनिधित्व नहीं करना चाहिए। आरबीआई ने 28 नवंबर, 2023 तक हितधारकों की टिप्पणियां भी आमंत्रित की हैं।

जेपी मॉर्गन ने भारत की रेटिंग बढ़ाकर ओवरवेट की, ईएम पोर्टफोलियो में जोड़े तीन स्टॉक

नई दिल्ली । एक प्रमुख वैश्विक ब्रोकरेज फर्म जेपी मॉर्गन ने भारत को ओवरवेट रेटिंग में अपग्रेड किया है, जो निवेशकों के बीच देश की बढ़ती अपील की पुष्टि करता है। ब्रोकरेज ने एक अहम कदम के तहत अपने इमर्जिंग मार्केट्स (ईएम) मॉडल पोर्टफोलियो में तीन प्रमुख शेयरों सन फार्मास्युटिकल इंडस्ट्रीज लिमिटेड, बैंक ऑफ बड़ौदा और हिंदुस्तान यूनिलीवर को शामिल किया है।

यह अपग्रेड जेपी मॉर्गन को मॉर्गन स्टैनली, सीएलएसए और नोमुरा जैसे अन्य प्रमुख वैश्विक ब्रोकरेज की कतार में खड़ा करता है, जिन्होंने पहले ही भारत को ओवरवेट की स्थिति में डाल रखा है। इस निर्णय के कई कारण है जिनमें आम चुनावों से जुड़ी सकारात्मकता, उभरते बाजारों की नॉमिनल जीडीपी में मजबूत वृद्धि और घरेलू बॉन्ड बाजार का विस्तार शामिल है, जिससे जोखिम प्रीमियम कम होने की उम्मीद है।

हालांकि, ब्रोकरेज फर्म ने स्वीकार किया है कि उभरते बाजारों की इक्विटी को चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है क्योंकि अमेरिका की लंबी दरें बढ़ रही हैं और डॉलर का प्रभाव विकास और दरों को प्रभावित करता है।

जेपी मॉर्गन का सुझाव है कि उभरते बाजारों की इक्विटी के लिए एक स्थायी बोली केवल तभी मूर्त रूप ले सकती है जब अमेरिका अपना चक्र पूरा कर ले, जिसमें जीडीपी मंदी और दरों में कटौती शामिल हो सकती है। सन फार्मास्युटिकल इंडस्ट्रीज लिमिटेड, बैंक ऑफ बड़ौदा और हिंदुस्तान यूनिलीवर को अपने ईएम मॉडल पोर्टफोलियो में शामिल करना जेपी मॉर्गन के भारत की विकास क्षमता में विश्वास और उभरते बाजार के अवसरों का लाभ उठाने की उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

जेपी मॉर्गन का यह कदम अन्य प्रमुख ब्रोकरेज फर्मों द्वारा भारत की बढ़ती प्रमुखता के समर्थन के बाद उठाया गया है। मॉर्गन स्टेनली ने इससे पहले आर्थिक और आय वृद्धि में सुधार के कारण भारत को ओवरवेट श्रेणी में रखा था, जबकि सीएलएसए ने भारत में अपने पोर्टफोलियो आवंटन में 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी की थी और नोमुरा ने भी सितंबर में भारत को ओवरवेट में अपग्रेड किया था।

मारुति का नेट प्रॉफिट 80 प्रतिशत बढ़ा, दूसरी तिमाही के शानदार नतीजे से कंपनी के शेयर में रिकॉर्ड बढ़त

नई दिल्ली । मारुति सुजुकी इंडिया ने शुक्रवार को तिमाही नतीजों का एलान किया है। कंपनी के द्वारा बनाई जाने वाली गाड़ी बेहतर बिक्री, कमोडिटी कीमतों में नरमी, लागत में कमी के प्रयासों और उच्च गैर-परिचालन ने कंपनी की इनकम को बढ़ाया है। चालू वित्त वर्ष 2023-24 के जुलाई-सितंबर तिमाही में नेट प्रॉफिट में 80.3 फीसदी की वृद्धि हुई है। अब यह 3,716.5 करोड़ रुपये हो गई है।

मारुति सुजुकी के तिमाही नतीजे

मारुति सुजुकी इंडिया ने एक बयान में कहा कि कंपनी ने दूसरी तिमाही में 2,061.5 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था। इसके अलावा कंपनी ने अधिक बिक्री और प्रोडक्श की वजह से 35,535.1 करोड़ रुपये की नेट सेल दर्ज किया। पिछले वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में कंपनी का नेट सेल 28,543.50 करोड़ रुपये था।

कंपनी ने सितंबर को खत्म तिमाही के दौरान 5,52,055 वाहन बेचे, जबकि पिछले साल की दूसरी तिमाही में यह आंकड़ा 5,17,395 यूनिट था।

कंपनी ने कहा कि इस साल जुलाई-सितंबर की अवधि में 5,52,055 वाहनों में से 4,82,731 यूनिट घरेलू बाजार में बेची गईं। वहीं, बाकी के 69,324 यूनिट को निर्यात किया गया। कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी ने यह भी कहा कि इस तिमाही में अब तक की सबसे अधिक तिमाही बिक्री और नेट प्रॉफिट दर्ज किया है।

कंपनी के शेयर में आई तेजी

कंपनी के शेयर 10,479.30 रुपये प्रति शेयर पर खुला था। इसके बाद कंपनी के शेयर में उतार-चढ़ाव जारी रहा। वहीं बाजार बंद होते समय मारुति सुजुकी के शेयर 107.30 अंको की बढ़त के साथ 10,531.45 रुपये प्रति शेयर पर बंद हुआ।

शेयरधारकों ने ईशा, आकाश और अनंत की नियुक्ति को दी मंजूरी, बोर्ड से नीता अंबानी का इस्तीफा भी मंजूर

नई दिल्ली । मुकेश अंबानी के स्वामित्व वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के शेयरधारकों ने ईशा अंबानी, आकाश अंबानी और अनंत अंबानी को गैर-कार्यकारी निदेशक के रूप में नियुक्त करने को मंजूरी दे दी है। कंपनी की एक नियामक फाइलिंग में कहा गया है कि ईशा अंबानी की नियुक्ति को 98.21 वोटों के साथ मंजूरी दी गई, जबकि आकाश अंबानी और अनंत अंबानी की नियुक्तियों को क्रमश: 98.06 और 92.75 वोटों के साथ मंजूरी दी गई। अब तक, ईशा, आकाश और अनंत केवल ऑपरेटिंग बिजनेस स्तर पर शामिल थे और कोई भी भारत की सबसे बड़ी सूचीबद्ध कंपनी के बोर्ड में नहीं था।

नीता अंबानी का इस्तीफा भी किया गया मंजूर - अन्य बदलावों में नीता अंबानी एजीएम के दौरान की गई घोषणा के अनुसार पद छोड़ देंगी। वह रिलायंस फाउंडेशन की चेयरपर्सन बनी रहेंगी। उस समय, कंपनी ने कहा था कि उसने ईशा अंबानी, आकाश अंबानी और अनंत अंबानी को तेल-से-दूरसंचार तक के क्षेत्र में काम करने वाली कंपनी के बोर्ड में निदेशक के रूप में नियुक्त किया है, जिसके लिए मतदान ऑनलाइन करने की बात कही गई थी। रिलायंस फाउंडेशन की चेयरपर्सन के रूप में, नीता अंबानी बोर्ड में स्थायी आमंत्रित के रूप में आरआईएल बोर्ड की सभी बैठकों में भाग लेंगी जिससे कंपनी उनकी सलाह का लाभ उठाती रहेगी। कंपनी ने एक बयान में कहा, निदेशक मंडल ने नीता अंबानी का बोर्ड से इस्तीफा भी स्वीकार कर लिया है और रिलायंस फाउंडेशन को भारत के लिए और अधिक प्रभाव डालने में सक्षम बनाने के लिए अपनी ऊर्जा और समय समर्पित करने के उनके फैसले का सम्मान किया है।

इंडिया मोबाइल कांग्रेस में बोले आकाश अंबानी

तकनीक के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों पर ये कहा

नई दिल्ली । इंडिया मोबाइल कांग्रेस के 7वें संस्करण में रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड के अध्यक्ष आकाश अंबानी ने भारत की तकनीकी प्रगति और डिजिटल परिवर्तन पर अपनी राय रखी। अपने संबोधन में उन्होंने विकसित भारत के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण और इस लक्ष्य को हासिल करने में प्रौद्योगिकी की भूमिका की सराहना की।

उन्होंने कहा, हमारे दूरदर्शी प्रधानमंत्री ने मेरी पीढ़ी को हमारे देश को एक विकसित भारत में बदलने की आकांक्षापूर्ण दृष्टि दी है। आप हमेशा नवीनतम तकनीक का उपयोग करने पर काम कर रहे हैं जो लोगों के जीवन को बेहतर बना सकता है। सबसे अच्छा उदाहरण भारत का डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसा की गई है। आकाश अंबानी ने युवा पीढ़ी को एक महत्वाकांक्षी दृष्टि प्रदान करने, उन्हें राष्ट्र के विकास में योगदान करने के लिए प्रेरित करने के लिए पीएम मोदी की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, अगर कोई इस बात की झलक पाना चाहता है कि विकसित भारत का निर्माण कैसे हो रहा है तो उसे बस इंडिया मोबाइल कांग्रेस में आना चाहिए। रिलायंस जियो इन्फोकॉम के अध्यक्ष ने नवाचार को अपनाने, परिवर्तन का स्वागत करने और लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए नवीनतम तकनीक का लाभ उठाने के लिए प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता को स्वीकार किया।

उन्होंने भारत के डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे की ओर इशारा किया, जिसे इस प्रतिबद्धता के प्रमाण के रूप में अंतर्राष्ट्रीय प्रशंसा मिली है। आकाश अंबानी ने आगे कहा कि भारत को 5जी प्रौद्योगिकी में वैश्विक नेता बनाने की प्रधानमंत्री मोदी की चुनौती ने राष्ट्र को ऊर्जावान बना दिया है। उन्होंने कहा, इसका सबसे अच्छा उदाहरण भारत का डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसा हुई है। मेरे जैसे लाखों युवा डिजिटल इंडिया को अधिक नवीन, समावेशी और टिकाऊ दुनिया बनाने का साधन बनाने में आपके काम से प्रेरित हैं। पिछले साल आपने हमें भारत को 5जी प्रौद्योगिकी के मामले में वैश्विक लीडर बनाने की चुनौती दी थी। आपकी चुनौती ने हमें ऊर्जावान बनाया और हमने जो हासिल किया है, उसने दुनिया को स्तब्ध कर दिया है। अंबानी ने कहा, जियो में हमने 5जी प्रौद्योगिकी का दुनिया में सबसे तेज रोलआउट किया। हर 10 सेकंड में एक 5 जी सेल तैनात करते हुए, जियो ने भारत के सभी 22 सर्किलों में 10 लाख से अधिक 5 जी सेल स्थापित किए हैं। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि जियो ने अकेले देश में कुल 5जी क्षमता का 85 प्रतिशत योगदान दिया है। उन्होंने जियो के तेजी से 5जी रोलआउट पर प्रकाश डाला, हर 10 सेकंड में एक 5 जी सेल तैनात किया और देश की 5 जी क्षमता में 85 प्रतिशत का योगदान दिया। जियो के 5जी बुनियादी ढांचे ने भारत को 12.5 करोड़ से अधिक 5जी उपयोगकर्ताओं के साथ शीर्ष तीन 5जी-सक्षम राष्ट्र के रूप में स्थापित किया है। रिलायंस जियो के चेयरमैन ने 5 जी की परिवर्तनकारी शक्ति पर जोर दिया, जो नए रोजगार के अवसर पैदा करेगा और नौकरी चाहने वालों और नौकरी निर्माताओं दोनों को सशक्त बनाएगा।

इस दौरान आकाश अंबानी ने भारत में डिजिटल बहिष्करण को समाप्त करने के लक्ष्य के साथ जियो भारत स्मार्टफोन भी पेश किया, जिसकी कीमत सिर्फ 999 रुपये है।

रुपया दो पैसे बढ़कर 83.23 प्रति डॉलर पर

मुंबई । घरेलू शेयर बाजारों के सकारात्मक रुख और वैश्विक बाजारों में अमेरिकी मुद्रा के कमजोर रुख के बीच रुपये में तीन दिन से जारी गिरावट आखिरकार शुक्रवार को थम गई और शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया दो पैसे की बढ़त के साथ 83.23 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि हालांकि कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी और विदेशी कोषों की निकासी का भारतीय मुद्रा पर असर जारी है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.24 प्रति डॉलर पर खुलने के बाद 83.23 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। यह पिछले बंद स्तर की तुलना में दो पैसे की बढ़त है। गुरुवार को रुपया 83.25 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 प्रतिशत की गिरावट के साथ 106.57 पर रहा।

फिल्म 'एनिमल' में विलेन की भूमिका में नजर आयेंगे बॉबी बॉबी देओल

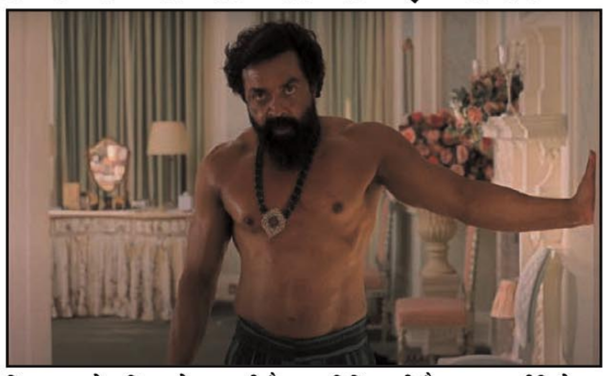

फिल्म एनिमल इसी साल एक दिसंबर को रिलीज होगी। हाल ही में इस फिल्क का टीजर जारी हुआ है। इस फिल्म में एक्टर रणबीर कपूर मुख्य भूमिका में। टीजर देखकर रणबीर के फैंस चर्चा करने से खुद को रोक नहीं पा रहे हैं कि कैसे अपने बोल्ड और खूंखार लुक से बॉबी देओल ने पूरी लाइमलाइट लूट ली। फिल्म में बॉबी देओल के लुक की हर तरफ अब तक चर्चा हो रही है। हालांकि, अब तक ये साफ नहीं हुआ है कि फिल्म में बॉबी देओल का क्या रोल होने वाला है, लेकिन इसके बाद भी अंदाजा लगाया जा रहा है कि वह फिल्म में विलेन की भूमिका में नजर आ सकते हैं। इसके अलावा 54 साल की उम्र में उनके ऐब्ज और फिटनेस भी फैंस का दिल जीत रहे हैं। इस बीच बॉबी देओल का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसके चलते अभिनेता ट्रोल्स के निशाने पर आ गए हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस वीडियो में एक स्टंटमैन को गिरते देखा जा सकता है। लेकिन, हाथ देकर इस स्टंटमैन को उठाने या उसकी मदद करने के बजाय बॉबी देओल अपना शॉट पूरा करके निकलने लगते हैं। वायरल हो रही ये क्लिप एक ऐड फिल्म के शूट की है। वीडियो में बॉबी देओल लाइट ब्लू डैनिम और व्हाइट बनियान में नजर आ रहे हैं। वह स्टंटमैन को एक मुक्का मारते हैं और हवा में उछलते हुए स्टंटमैन एक टेबल को तोड़ते हुए जमीन पर आकर गिर जाता है। जैसे ही शूट खत्म होता है, जमीन पर गिरे शख्स को उठाने के बजाय बॉबी देओल वहां से चले जाते हैं। इसके बाद क्रू से एक शख्स आकर स्टंटमैन की उठने में मदद करता है। अब लोग इस स्टंटमैन की मदद ना करने पर बॉबी देओल की आलोचना कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर बॉबी देओल का यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिस पर कई यूजर्स ने प्रतिक्रिया दी है। वायरल वीडियो पर कमेंट करते हुए एक यूजर ने लिखा- आम तौर पर बॉलीवुड बेहद असंवेदनशील और अंधकारमय लगता है, और इस वीडियो में यह आपको करीब से देखने को मिलेगा। कम उम्मीदें आपको इससे बचे रहने में मदद करेंगी। एक अन्य ने कहा, बिना किसी केबल के स्टंटमैन द्वारा किया गया यह वास्तव में शानदार फ्लिप था। उसकी और अधिक स-राहना किये जाने की जरूरत है। एक और ने लिखा- इनमें से बहुत से बॉलीवुड के लोग घृणित और असभ्य हैं, इसलिए यह आश्चर्य की बात नहीं है कि बॉबी ने उनकी ओर देखा तक नहीं।

थ्रिलर फिल्म अपूर्वा में नजर आयेंगी तारा सुतारिया

धमाकेदार थ्रिलर फिल्म अपूर्वा 15 नवम्बर को डिज्नी हॉटस्टार पर रिलीज होने जा रही है। स्टार स्टुडियोज और सिनेमा स्टुडियोज की पेश-kर अपूर्वा में एक साधारण लड़की की असाधारण कहानी है। हाल ही में इस फिल्म की टीम ने काफी धूमधाम से फिल्म का दिलचस्प फर्स्ट लुक जारी किया और साथ ही रिलीज डेट की भी घोषणा की। इस फिल्म की कहानी भारत के सबसे खतरनाक बीहड़ों में से एक चम्बल की है। इस जबरदस्त थ्रिलर फिल्म को प्रस्तुत करने के लिए भारत के नामी तथा प्रमुख क्रिएटिव पावरहाउसेज एक साथ आ रहे हैं। इस सन्दर्भ में फिल्म में अपूर्वा का किरदार निभा रहीं तारा सुतारिया कहती हैं, यह एक साधारण लड़की की पावरफुल और रोमांचकारी कहानी है। वो अपने अंदर छुपी शक्ति, बुद्धिमत्ता, विवेक और साहस के बल पर एक ऐसी यात्रा को अंजाम देती है, जो दर्शकों को अपनी सीट से बांधे रखेगी। मैं समझती हूँ कि यह मेरे लिए एक ऐसा किरदार है, जो किसी भी कलाकार की जिन्दगी में सिर्फ एक बार आता है और मैं शिद्दत से उस घड़ी का इंतजार कर रही हूँ,जब दर्शक मेरी इस फिल्म को देखें और सराहें। हम अपने दर्शकों के लिए जल्द ही अपूर्वा का ट्रेलर भी लॉन्च करनेवाले हैं। सच कहूँ तो 15 नवम्बर को डिज्नी हॉटस्टार पर रिलीज होने जा रही अपूर्वा के लिए बेहद उत्साहित हूँ। इस कड़ी में अभिषेक बैनर्जी ने अपनी बात रखते हुआ कहा, अपूर्वा में मेरे द्वारा निभाया गया किरदार मेरे अब तक के सभी किरदारों से काफी अलग होने के साथ साथ सबसे खतरनाक और डरावने किर-दारों में से एक है। जब पहली बार मुझे इसकी कहानी सुनाई गई तभी इसके पावरफुल स्क्रिप्ट ने मेरा मन मोह लिया। सच कहूँ तो मुझसे इंतजार ही नहीं हो रहा कि कब दर्शक इसका ट्रेलर देखें, जिसे जल्द ही लॉन्च किया जानेवाला है और उसके बाद 15 नवम्बर को डिज्नी हॉटस्टार पर फिल्म रिलीज होगी। अपूर्वा में जिनके नाटकीय लुक ने सबसे ज्यादा दिलचस्पी जगाई है, वह हैं दर्शकों के चहेते राजपाल यादव, जो कहते हैं, अपूर्वा में मुझे दर्शक ना सिर्फ अलग बल्कि एक असामान्य अवतार में भी देखेंगे, जो जल्द ही हमारे ट्रेलर लॉन्च होने पर दर्शकों के सामने आएगा। हालांकि अभी यह सिर्फ पहली झलक है और मैं उत्सुकता से इंतजार कर रहा हूँ कि कब 15 नवंबर आए और दर्शक डिज्नीहॉटस्टार पर इस फिल्म को देखें। निर्देशक निखिल नागेश भट द्वारा निर्देशित इस फिल्म में तारा सुतारिया, अभिषेक बैनर्जी और राजपाल यादव जैसे बेहतरीन कलाकार हैं।

अभिनेत्री बरखा सिंह वेब सीरीज में छायीं

अभिनेत्री बरखा सिंह ने खुद को एक असाधारण प्रतिभा के रूप में स्थापित किया है। विविध भूमिकाओं को सहजता से निभाने की उनकी क्षमता एक अभिनेता के रूप में उनकी बहुमुखी प्रतिभा को दर्शाती है और बिगेस्ट बॉर्न-ऑन-वेब सनसनी के रूप में उनकी प्रतिष्ठा को मजबूत करती है। बरखा सिंह ने कई वेब-आधारित श्रृंखलाओं में अपने यादगार किरदारों के साथ एक अमिट छाप छोड़ी है। आइए उनके पांच असाधारण प्रदर्शनों पर गौर करें जो रेखांकित करते हैं कि वह कहानी कहने के सभी प्लेटफार्मों और प्रारूपों में सबसे आशाजनक प्रतिभा क्यों हैं- बरखा सिंह मसाबा मसाबा 2 में आयशा की भूमिका निभाती हैं, जो सतह के नीचे गर्म दिल के साथ एक आधुनिक, आत्मविश्वासी चरित्र का चित्रण करती है। बरखा चतुराई से सूक्ष्मता और मुखरता के बीच संतुलन बनाती है, आवश्यकता पड़ने पर सहजता से स्क्रीन पर नियंत्रण रखती है। सोनल अरोड़ा के रूप में बरखा सिंह का प्रदर्शन कहानी में एक दिलचस्प परत जोड़ता है। वह सहजता से अपने किरदार में डूब जाती है, अपनी भावनात्मक सीमा से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देती है और उन्हें रहस्य से भरी कहानी से बांधे रखती है। इंजीनियरिंग गर्ल्स में साबू के रूप में बरखा सिंह की भूमिका युवा दर्शकों से जुड़ने की उनकी क्षमता को दर्शाती है। शैक्षणिक जीवन और मित्रता की जटिलताओं को पार करते हुए एक कॉलेज छात्रा का उनका चित्रण दर्शकों को पसंद आया, जिससे श्रृंखला युवाओं के बीच हिट हो गई। बरखा स्क्रीन पर प्रामाणिकता लाती है और कॉलेज जीवन के सार को खूबसूरती से पेश करती है। माजामा में बरखा अपने प्रदर्शनों की सूची में एक और रोमांचक वृद्धि का वादा करती है। अभिनेत्री ने एक खुले विचारों वाली महिला की भूमिका निभाई जो बदलावों को स्वीकार करती है। वह एक अच्छी बेटी और प्यारी लड़की थी, जो दिल से मजबूत थी। जैसा कि बरखा नए क्षेत्रों में कदम रख रही है, यह स्पष्ट है कि उसकी प्रतिभा की कोई सीमा नहीं है, और दर्शक उसकी परियोजनाओं की पाइपलाइन के साथ एक और सम्मोहक प्रदर्शन की उम्मीद कर सकते हैं।

फिल्म जिगरा की शूटिंग कर रही आलिया

फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी के लिए नेशनल अवॉर्ड जीतने वाली एक्ट्रेस आलिया भट्ट इन दिनों फिल्म जिगरा की शूटिंग कर रही हैं। आलिया ने हाल ही में गैल गैडोट और जेमी डोर्नन के साथ हार्ट ऑफ स्टोन से हॉलीवुड में डेब्यू किया था। यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर उपलब्ध है। उन्हें आखिरी बार बड़े पर्दे पर करण जौहर की फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में रणवीर सिंह के साथ देखा गया था। आलिया पर्सनल लाइफ और प्रोफेशनल लाइफ को लेकर हमेशा चर्चे में रहती हैं। इस बार वह अपने ताजा फोटोशूट को लेकर चचाओं में हैं। इस फोटोशूट में आलिया का खूबसूरत अंदाज देखने को मिल रहा है। लुक की बात करें तो आलिया रेड कलर के वेलवेट सूट में बेहद खूबसूरत लग रही हैं। आलिया का ये लुक देखकर आपको नोरा फतेही के गीत गर्मी की लाइन लाल ड्रेस में रानी रेड वेलवेट केक लगे याद आ जाएगी। ग्लैम लुक के लिए, आलिया ने हल्के आईशैडो, चमकदार हाइलाइटर, न्यूड लिप शेड,एक छोटी सी बिंदी लगाई है। आलिया अपनी खास शादी की अंगूठी दिखाते हुए पोज देती नजर आईं। फैंस आलिया की इन तस्वीरों को काफी पसंद कर रहे हैं।

पैर के घाव को छुपाती नजर आई मलाइका अरोड़ा, वीडियो हो रहा वायरल

एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा ने हाल ही में अपना जन्मदिन मनाया। अपने जन्मदिन समारोह के दो दिन बाद वह पपराजी के कैमरे में कैद हो गईं। पपराजी द्वारा शूट किया गया उनका एक वीडियो वायरल हो रहा है। इस बार उनके दाहिने पैर की चोट ने नेटिजन्स का ध्यान आकर्षित किया है। उनके वीडियो को देखने के बाद फैंस चिंतित हो गए हैं। हाल ही में मलाइका अरोड़ा को मुंबई के एक सैलून के बाहर स्पॉट किया गया। उनका उस वक्त का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें उन्होंने शॉर्ट्स पहना हुआ था। उस वक्त उनकी दाहिनी जांघ पर काली चोट दिख रही थी। हालांकि मलाइका घाव के काले निशान को छिपाते हुए भी दिखीं। मलाइका के पैर पर चोट के निशान देखकर नेटिजन्स कमेंट्स कर रहे हैं। एक ने लिखा, "क्या हुआ?" एक अन्य ने लिखा, "क्या आप गिर गए?" "तुम्हारे पैर को क्या हुआ?" तीसरे ने पूछा। लोग इसी तरह के कमेंट कर रहे हैं, हालांकि अभी तक एक्ट्रेस की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। मलाइका सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह अपने फैंस के साथ अपनी तस्वीरें और वीडियो शेयर करती रहती हैं। वह कई इवेंट्स में शामिल होती हैं। वह टीवी पर रियलिटी शो भी जज करती हैं। जल्द ही वह झलक दिखला जा के नए सीजन में नजर आएंगी।

बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप हुई टाइगर श्रॉफ और कृति सेनन की "गणपत" फ्लॉप

टाइगर श्रॉफ, कृति सेनन और अमिताभ बच्चन स्टारर "गणपत" पिछले शुक्रवार यानी 20 अक्टूबर को रिलीज हुई थी। फिल्म को रिलीज हुए एक हफ्ता हो गया है, लेकिन यह बॉक्स ऑफिस पर दर्शकों का दिल जीतने में नाकाम रही है। फिल्म की कमाई के आंकड़े काफी निराशाजनक हैं।

गणपत ने पहले दिन 2.5 करोड़ रुपये, दूसरे दिन 2.25 करोड़ रुपये, तीसरे दिन 2.25 करोड़ रुपये, चौथे दिन 1.3 करोड़ रुपये, पांचवें दिन 1.5 करोड़ रुपये और छठे दिन 1.10 करोड़ रुपये कमाए। अब सातवें दिन का डेटा सामने आ गया है। जो पिछले छह दिनों की तुलना में काफी कम है। सातवें दिन फिल्म ने सिर्फ 1 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। 200 करोड़ के बजट वाली इस फिल्म का कुल कलेक्शन 11.90 करोड़ हो गया है। कंगना रनौत की "तेजस" आज सिनेमाघरों में दस्तक दे रही है। इसलिए वीकेंड पर "गणपत" की कमाई बढ़ने की संभावना कम हो गई है। "गणपत" के फ्लॉप होने के साथ ही कृति के नाम एक और फ्लॉप फिल्म दर्ज हो गई है। पांच फ्लॉप फिल्में "पानीपत", "बच्चन पांडे", "शहजादा", "अर्जुन पटियाला" और "आदिपुरुष" के बाद अब इस लिस्ट में "गणपत" भी शामिल हो गई है।

20 साल बाद आएगा फिल्म 'खाकी' का सीक्वल

डायरेक्टर राजकुमार संतोषी की फिल्म 'खाकी' 20 साल पहले रिलीज हुई थी। उस समय फिल्म को दर्शकों ने खूब पसंद किया था। शाहरुख खान की फिल्म 'कल हो ना हो' के साथ रिलीज होने के बावजूद फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया। अब इस फिल्म के सीक्वल की चर्चा हो रही है। फिल्म 'खाकी' में अक्षय कुमार, अमिताभ बच्चन, तुषार कपूर, ऐश्वर्या राय, अजय देवगन, अतुल कुलकर्णी मुख्य भूमिका में थे। दिवंगत निमार्ता केशू रामसे के बेटे और अभिनेता और निमार्ता आर्यमान रामसे ने मीडिया के साथ वार्ता के दौरान फिल्म 'खाकी' के सीक्वल बनाने की पुष्टि की। उन्होंने साफ किया है कि 'खाकी' का सीक्वल करीब 20 साल बाद बनाया जाएगा। मीडिया से बातचीत के दौरान आर्यमन रैमसे ने कहा कि हम 'खाकी' के सीक्वल की स्क्रिप्ट पर काम कर रहे हैं। हमारे पास एक मूल कहानी तैयार है। हमें उम्मीद है कि हम अगले साल तक फिल्म पर काम शुरू कर देंगे। हालांकि उन्होंने अधिक खुलासा नहीं किया, लेकिन माना जाता है कि यह एक नई कहानी है, जो आज के समय के लिए प्रासंगिक होगी। चूंकि मूल फिल्म में अक्षय कुमार, अजय देवगन और ऐश्वर्या राय के निभाए गए किरदारों का निधन हो चुका है, इसलिए इस नए एपिसोड की कास्टिंग के बारे में कोई जानकारी सामने नहीं आई है। कहानी का काम पूरा होते ही मेकर्स का कहना है कि वो इस बारे में सोच सकते हैं कि फिल्म में किसे कास्ट किया जा सकता है। उन्होंने यह भी साफ किया है कि वह इस बारे में अमिताभ बच्चन और तुषार कपूर से चर्चा करेंगे। साथ ही उन्होंने ये भी साफ किया है कि इस फिल्म का निर्देशन राजकुमार संतोष करेंगे।

"राम-लीला" में किसिंग सीन को लेकर रणवीर-दीपिका का बड़ा खुलासा

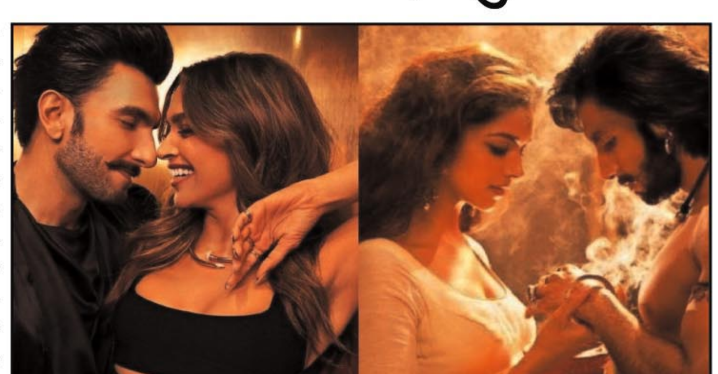

"कॉफी विद करण" के आठवें सीजन के पहले एपिसोड में बॉलीवुड की स्टार जोड़ी रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण नजर आए। इस दौरान रणवीर-दीपिका ने करण जौहर के सामने अपनी निजी जिंदगी के बारे में कई खुलासे किए। दोनों ने 2013 में रिलीज हुई फिल्म "रामलीला" में साथ काम किया था। इसी फिल्म के दौरान उन्हें एक-दूसरे से प्यार हो गया। उन्होंने इस इंटरव्यू में खुलासा किया कि इस फिल्म की शूटिंग के दौरान दोनों को एक-दूसरे से अलग करना नामुमकिन था। इसके बाद उन्होंने डेटिंग शुरू कर दी और उन्होंने 2015 में गुपचुप तरीके से शादी कर ली और इसे कई लोगों से छिपाकर रखा। रणवीर और दीपिका ने भंसाली की फिल्म गोलियों की रासलीला राम-लीला की शूटिंग के दौरान के किस्से भी शेयर किए। वे सेट पर एक-दूसरे के साथ समय बिताते थे। फिल्म में रणवीर और दीपिका के बीच एक बड़ा किसिंग सीन फिल्माया गया था और यह काफी चर्चा में रहा था। इस बात का खुलासा दोनों ने "कॉफी विद करण" के सेट पर किया। उस किसिंग सीन के दौरान उनके पीछे से एक ईंट उनके कमरे का शीशा तोड़ते हुए अंदर घुस जाती थी। उस सीन के दौरान जब ईंट शीशे को तोड़ते हुए अंदर आई तो वे दोनों सचमुच इसके बारे में भूल गए थे और सीन में खो गए थे। इसके बाद रणवीर ने इस बात का भी खुलासा किया कि उन्होंने दीपिका को कैसे प्रपोज किया था। करण जौहर के इस शो में उन्होंने अपनी जिंदगी से जुड़ी ऐसी चौंकाने वाली बातों का खुलासा किया। शादी के 5 साल बाद दोनों ने "कॉफी विद करण" में अपनी शादी का एक खास वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में रणवीर-दीपिका की शादी की सभी रस्में, दोनों का ट्रेडिशनल लुक और परिवार के रिएक्शन देखने को मिले। दोनों की शादी का ये वीडियो देखकर करण जौहर अपने चैट शो के पहले एपिसोड में ही इमोशनल हो गए।

सूडोकु नवताल- 6595

★★★★☆ मध्यम

		8				1	5	
2					1	8		
3			4		6	7		9
5					9			
	9		2	3	4		7	
			1					8
4		7	6		5			1
		6	7					4
	5	3				2		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6594 का हल

3	9	7	5	2	1	4	8	6
5	4	2	9	6	8	7	1	3
8	6	1	3	7	4	9	5	2
2	8	9	1	5	3	6	4	7
4	7	3	2	8	6	5	9	1
6	1	5	4	9	7	2	3	8
9	3	4	7	1	2	8	6	5
7	5	6	8	3	9	1	2	4
1	2	8	6	4	5	3	7	9

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 7342

गु	मी	रा	कु	मा	र	अ	फा	न	प	रा
न	ला	क	प	इं	डो	र्जु	शि	या	ड़	म
अ	दा	म	ला	र	ग	न	द	द	प	वि
प्र	ग	ल	न	ब	दू	सिं	प	या	लि	ला
त	ण	अ	सौ	बी	जा	ह	कि	नि	ला	स
आ	इ	व	मो	व	आ	व	त	धि	लू	पा
ग	जी	ल	मु	व	प	जा	न	मा	प्र	स
र	रि	भा	र	ख	प	स	द	र	सा	वा
क	म	ल	ना	थ	र्जी	ज	जी	न	द	न
न	ट	व	र	सिं	ह	ब्रा	स	अ	प	श
ब	शि	वा	जी	पा	टि	ल	त्ता	प	क	र

शब्द जाल में 10 केंद्रीय मंत्रियों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

प्रणव मुखर्जी, अर्जुन सिंह, रामविलास पासवान,गुलाम नबी आजाद, शिवाजी पाटिल,नटवर सिंह,कमलनाथ,मीरा कुमार, लालू प्रसाद, दयानिधी मारन

शब्दजाल - 7341 का हल

अ	क	मु	ग	ल	ए	अ	ला	तु	र	व
द	ह	ल	प्रे	व	बु	स	द	ह	कां	ड़
र	स	म	म	दी	छ	ल	आ	र्म	ख	क
इं	स	ल	द	दि	वा	स	ढा	ल	श	क
डि	आ	दो	ग	न	ज	ना	प	णा	झ	ड़
य	ना	द	र	दि	ग	उ	र	ण	दे	क
ती	व	ग	मी	या	प	र	भ	नां	व	को
सा	एं	ऊ	पु	द	ब	क	णी	ए	श	ल्हा
क	ग	ल	प	र	गी	स	री	औ	प	पु
क	ग	ली	प	लि	जी	त	ऐ	ओ	प	र
क	अ	म	रा	व	ती	स	व	र्धा	प	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6295

	3	1	5		7	6
	24	4	29		34	2
5			6	3	1	
2	33		38		28	3
6			7	4	2	
	38	5	36		28	
3	2			1	6	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6294 का हल

7	3	2	5	4	1	6
3	32	7	33	5	33	1
5	4	1	2	7	6	3
2	26	6	35	3	39	7
4	1	3	7	6	5	2
1	27	5	35	2	27	4
6	3	4	7	1	2	5

Jagrutidaur.com, Bangalore

दोनों बाजुएं नहीं फिर भी स्वर्ण जीतीं शीतल शीर्ष वरीय को हरा सुहास फाइनल में

नई दिल्ली ।
दोनों बाजुएं नहीं होने के बावजूद छाती के सहारे दांतों और पैर से धनुष-बाण चलाने वाली जम्मू कश्मीर की तीरंदाज शीतल देवी ने राकेश कुमार के साथ मिलकर पैरा एशियाई खेलों की मिश्रित कंपाउंड इवेंट में स्वर्ण पदक जीत लिया। शीतल ने भी रजत पदक जीता था। माता वैष्णो देवी तीरंदाजी अकादमी, कटरा के इन तीरंदाजों ने फाइनल में चीनी जोड़ी को 151-149 से पराजित किया। वहीं आईएएस अधिकारी टोक्यो पैरालंपिक के रजत पदक विजेता सुहास एलवाई ने बैडमिंटन के एसएल-4 वर्ग के फाइनल में प्रवेश कर पदक पक्का कर लिया। उन्होंने सेमीफाइनल में सर्वोच्च वरीय इंडोनेशिया के फ्रेडी सेतियावान को 21-12, 21-19 से पराजित किया। इन खेलों के चौथे दिन देश को सचिन खिलाड़ी शॉटपुट (एफ-46) और पैरा शूटर सिद्धार्थ बाबू ने मिश्रित 50 मीटर प्रोन एसएच-1 में स्वर्ण पदक दिलाई।

बैडमिंटन में आठ वर्गों के फाइनल में भारतीय शटलर - सुहास एलवाई के अलावा टोक्यो पैरालंपिक गोल्ड मेडलिस्ट प्रमोद भगत और नितेश कुमार ने एसएल-3 के फाइनल में जगह बनाई। टोक्यो के स्वर्ण विजेता कृष्णा नागर एसएल-6 के फाइनल में पहुंचे। वहीं तुलसीमती मुरगेसन एसयू5 के फाइनल में प्रवेश किया। नितेश कुमार और तरुण की जोड़ी ने एसएल-3, 4 के फाइनल में जगह बनाई। मानषी जोशी, तुलसीमती ने एसएल-3, एसयू-5 युगल, चिराग बरेठा-राजकुमार ने एसयू-5 युगल और नित्या श्री-रचना पटेल ने एसएच-6 युगल के फाइनल में प्रवेश किया। सुकांत कदम, मनीषा रामदास, नित्या श्री को सेमीफाइनल में हार पर कांस्य मिले। वहीं कृष्णा नागर, शिवाराजन, प्रमोद भगत, सुकांत कदम, मंदीप कौर, मनीषा रामदास को युगल के सेमीफाइनल में हार पर कांस्य मिले।

एथलेटिक्स में जीते सर्वाधिक 45 पदक - एथलेटिक्स में अब तक भारत सर्वाधक 45 जीत चुका है। नारायण ठाकुर ने 100 मीटर टी-35 में कांस्य, रोहित कुमार ने शॉटपुट एफ-46 में कांस्य, श्रेयांष त्रिवेदी ने 100 मीटर, टी-37 में कांस्य पदक जीते। वहीं भाग्यश्री ने महिला शॉटपुट एफ-34, मोनू घंगास डिस्कस थ्रो एफ-11 और सिमरन ने 200 मीटर, टी-12 में रजत पदक जीते। तीरंदाजी में नवीन दलाल और नजीर अंसारी ने पुरुष युगल में कांस्य जीता, जबकि हिमांशी भावेश कुमार राठी ने शतरंज में कांस्य पदक जीता।

न्यूज ब्रीफ

न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले को लेकर उत्साहित हैं कमिंस

धर्मशाला । क्रिकेट टीम के कप्तान पैट कमिंस ने कहा है कि उनकी टीम शनिवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले मुकाबले में जीत के इरादे से उतरेगी। कमिंस ने कहा कि नीदरलैंड के खिलाफ मिली जीत से उनकी टीम उत्साहित है और अब लय में भी आ गयी है। कप्तान के अनुसार टीम अब अपनी क्षमता के अनुरूप खेलने भी लगी है। उन्होंने माना कि विश्वकप में इस बार उनकी टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसे शुरुआती मुकाबलों में भारत और दक्षिण अफ्रीका से पहले हार का सामना करना पड़ा पर इसके बाद टीम ने इसके बाद श्रीलंका, पाकिस्तान और नीदरलैंड को हराया। इस तेज गेंदबाज ने कहा कि अब हम अपनी क्षमता के अनुरूप खेलने लगे हैं। बल्लेबाजों का भी अब शानदार प्रदर्शन देखने को मिल रहा है। उन्हें डच टीम के खिलाफ केवल 40 गेंद में शतक लगाने वाले ग्लेन मैक्सवेल की भी जमकर प्रशंसा की। कमिंस ने मान है कि न्यूजीलैंड की टीम अच्छी है पर उन्होंने धर्मशाला में पहले खेला है जिसका लाभ उन्हें मिलेगा। साथ ही कहा कि हम इस मुकाबले का बेताबी से इंतजार कर रहे हैं। वहीं मैक्सवेल ने कहा कि नीदरलैंड के खिलाफ पारी से उनका भी मनोबल बढ़ा है। उन्होंने कहा कि मैच के हालात के अनुरूप खेलता चला गया। कुछ सोचकर नहीं उतरा था। कुछ फैसले अच्छे रहे। अपने को समय दिया और आत्मविश्वास मिला।

धोनी ने दिये विश्वकप में भारतीय टीम की जीत के संकेत !

नई दिल्ली । एकदिवसीय विश्वकप में इस बार भारतीय क्रिकेट टीम का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है और उसने अब तक के अपने सभी मैच जीते हैं। ऐसे में उसके विश्वकप जीतने की प्रबल संभावनाएं बतायी गयी है। इसी को लेकर पूर्व भारतीय कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने भी कहा कि भारतीय टीम का प्रदर्शन इस बार बेहद अच्छा है। टीम बेहद नियंत्रित है और सभी खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। वहीं टीम की जीत की संभावनाओं पर धोनी ने कहा कि इससे ज्यादा मैं कुछ नहीं बोल सकता। धोनी की इन बातों से अनुमान लगाया जा रहा है कि इस बार भारतीय टीम एक बार फिर अपनी घरेलू धरती पर विश्वकप जीत सकती है। भारतीय टीम ने इससे पहले साल 2011 में विश्वकप जीता था। उस समय धोनी टीम के कप्तान थे। भारतीय टीम ने अपना अंतिम आईसीसी खिताब भी धोनी की ही कप्तानी में 2013 में जीता था। तब टीम ने चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी। धोनी ने साल 2020 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। धोनी अभी भी आईपीएल में खेल रहे हैं. उनकी कप्तानी में आईपीएल 2023 का खिताब चेन्नई सुपर किंग्स ने जीता था। यह सीएसके का आईपीएल का 5वां खिताब है। वहीं रोहित शर्मा पहली बार एकदिवसीय विश्वकप में टीम की अगुआई कर रहे हैं। ऐसे में उनका लक्ष्य टीम को जीत दिलाना रहेगा।

विश्वकप में अपनी टीम की हार का कारण नहीं जानते बटलर

बेंगलुरु । इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान जोस बटलर ने कहा है कि एकदिवसीय विश्वकप में अपनी टीम की हार से वह निराश हैं पर इसके सही कारणों को नहीं बता सकते। गत विजेता इंग्लैंड टीम इस बार 5 में से 4 मुकाबले हारी है। इससे उसके लिए सेमीफाइनल की हार भी कठिन हो गयी है। इंग्लैंड को यहां श्रीलंका के हाथों आठ विकेट से करारी हार झेलनी पड़ी है। टीम अंक तालिका में 10 टीम के बीच नौवें स्थान पर चल रही है। बटलर ने कहा कि यह उनके लिए बेहद कठिन और निराशाजनक टूर्नामेंट रहा है। मैं स्वयं और सभी खिलाड़ी निराश हैं कि वे उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाए पर किसी के पास भी कोई स्पष्ट जवाब नहीं है। बटलर ने माना कि वह आगे बढ़कर नेतृत्व करने में विफल रहे। इसके साथ ही उनके साथी खिलाड़ी भी विफल रहे। उन्होंने कहा कि हमारे पास काफी अनुभवी क्रिकेटर हैं जो आत्मविश्वास से भरे हैं।

टीम एक इकाई के तौर पर खेले तो ही बेहतर होता है प्रदर्शन : रोहित

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि टीम के एक इकाई के तौर पर खेलने से प्रदर्शन का बेहतर होना तय है। भारतीय टीम ने एकदिवसीय विश्वकप में अब तक अपने सभी मैच जीते हैं। भारतीय टीम अब रविवार को लखनऊ में गत चैंपियन इंग्लैंड का सामना करेगी। रोहित ने ये भी कहा कि जीत के लिए सभी को अपनी भूमिका निभानी होती है। इस दौरान कप्तान के तौर पर उनका प्रयास होता है कि सभी की आवश्यकता को समझते हुए काम करें। इस दौरान वह सभी की पसंद और नापसंद को जानने का भी प्रयास करते हैं। इसका कारण है कि क्रिकेट एक टीम गेम है और इसमें सभी को मिलकर प्रयास करना होता है। उन्होंने कहाहम यह भी समझते हैं कि जब आप चैंपियनशिप, बड़े टूर्नामेंट जीतना चाहते हैं, तो हर किसी को पार्टी में आना होगा और अपनी भूमिका निभानी होगी। इसलिए, यह अहम है कि आप सभी को अच्छी मानसिक स्थिति में रखें।

पीएम मोदी बोले- भारत ओलंपिक की मेजबानी को तैयार

स्पोर्ट्स से लेकर स्पेस तक और शान से लहराएगा तिरंगा

मडगांव ।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यहां 37वें राष्ट्रीय खेलों का उद्घाटन करते हुए कहा कि सरकार ने पिछले नौ वर्षों में खेलों पर खर्च तीन गुना बढ़ाया और दोहराया कि भारत 2036 में ओलंपिक की मेजबानी के लिए तैयार है। जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में राष्ट्रीय खेलों का उद्घाटन करते हुए मोदी ने कहा कि गोवा में इन खेलों का आयोजन तब किया जा रहा है जब भारतीय खेल नई ऊंचाइयां छू रहे हैं। मोदी ने कहा, 'हमने खिलाड़ियों को वित्तीय लाभ दिलाने के लिए योजनाओं में बदलाव किया है।' उन्होंने कहा कि आईओसी के सत्र के दौरान मैंने 140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षा को सामने रखा है। मैंने ओलंपिक की सुप्रीम कमेटी को आश्वस्त किया है कि भारत 2030 में यूथ ओलंपिक और 2036 में ओलंपिक के आयोजन के लिए तैयार है। ओलंपिक के आयोजन के लिए हमारी आंकाक्षा भावनाओं तक सीमित नहीं है, इसके पीछे ठोस कारण है। 2036 तक भारत दुनिया की अग्रणी आर्थिक ताकतों में से एक होगा। उस समय तक हर भारतीय की आय कई गुना अधिक होगी। तब तक देश में एक बड़ा मध्यवर्ग होगा। स्पोर्ट्स से लेकर स्पेस तक भारत का तिरंगा और शान से लहरा रहा होगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि खेल की दुनिया में हालिया सफलता हर युवा के लिए बड़ी प्रेरणा है। हाल ही में देश ने चीन के हांगझोऊ में हुए एशियाई खेलों में 107 पदक जीते। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत में खेल प्रतिभा की कमी नहीं है तथा देश ने खेलों में कई चैंपियन तैयार किए हैं। राष्ट्रीय खेलों का आयोजन गोवा में 26 अक्टूबर से 9 नवंबर तक किया जाएगा। इसमें देश भर के 10000 से अधिक खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। इन खेलों में कुल 43 खेल शामिल हैं जिनका आयोजन 28 स्थलों में किया जाएगा। राष्ट्रीय खेलों के उद्घाटन अवसर पर केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग

ठाकुर और गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत सहित विशिष्ट गण उपस्थित थे।

खेलों में ढांचागत विकास, नया ईकोसिस्टम

उन्होंने कहा कि हमने 2014 के बाद जरूरी ढांचागत विकास किया। चयन प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया। इसके अलावा वित्तीय योजनाओं में बदलाव किया। सरकार ने खेलो इंडिया से लेकर टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) तक देश में खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के लिए पूरी तरह से एक नया ईकोसिस्टम बनाया। बीते नौ वर्षों में हमने देश के गांव-गांव से प्रतिभाओं की खोज कर उन्हें ओलंपिक पोडियम तक पहुंचाने का एक रोडमैप बनाया है। इसी का सुखद परिणाम हम पूरे देश में देख रहे हैं। मोदी ने कहा कि पहले की सरकारों में खेल के बजट को लेकर संकोच का भाव रहता था। सोच यह थी कि इस पर खर्च क्यों करना है। हमने इस सोच को बदला और खेलों का बजट बढ़ाया। इस वर्ष केंद्रीय खेल बजट नौ वर्ष पहले की तुलना में तीन गुना अधिक है। हमने खेल की उन्नति में बाधाओं को दूर किया।

खेलो इंडिया योजना से मिला फायदा

प्रधानमंत्री ने कहा, खेलो इंडिया योजना के तहत देशभर के 3000 युवा खिलाड़ियों की ट्रेनिंग चल रही है। हर खिलाड़ी को प्रतिवर्ष छह लाख से रुपये से अधिक की स्कॉलरशिप दी जा रही है। इस अभियान से निकलने वाले करीब सवा सौ खिलाड़ियों ने एशियाई खेलों में हिस्सा लिया। इन खिलाड़ियों ने 36 पदक जीते। प्रधानमंत्री ने कहा कि बीते 30 दिनों में खेलों की दुनिया में बहुत कुछ हुआ। भारत ने एशियाड में सौ से ज्यादा पदक जीते। चालीस साल बाद भारत ने अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति का सत्र हुआ। उत्तराखंड को हॉकी एस्ट्रोटर्फ और वेलोड्रम मिला। वाराणसी में आधुनिक क्रिकेट स्टेडियम पर काम हुआ। ग्वालियर को अटल बिहारी वाजपेयी दिव्यांग स्पोर्ट्स सेंटर मिला। अब यहां गोवा में राष्ट्रीय खेल हो रहे हैं।

किसी भी देश के स्पोर्ट्स सेक्टर की प्रगति का सीधा नाता, उस देश की अर्थव्यवस्था की प्रगति से भी जुड़ा होता है। देश में निराशा हो, नकारात्मकता हो तो मैदान और जीवन के हर क्षेत्र पर इसका असर दिखता है। भारत की यह सफलता की कहानी देश की ओवरऑल सक्सेस स्टोरी से अलग नहीं है।

प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले 30 से 35 दिनों में अपनी सरकार के कई प्रमुख कार्यों का उल्लेख किया, जिसमें महिला आरक्षण विधेयक का पारित होना, गगनयान मिशन में महत्वपूर्ण परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा करना, क्षेत्रीय रैपिड ट्रांजिट की नमो भारत रेलगाड़ियों का शुभारंभ, इजराइल में फंसे भारतीय नागरिकों की वापसी सुनिश्चित करने के लिए ऑपरेशन अजय उड़ानों का संचालन शामिल हैं।

तलवारबाजी में भवानी ने फिर जीता स्वर्ण, सौमेया को 15-5 से हराया

पणजी ।
ओलंपियन तलवारबाज सीए भवानी देवी ने राष्ट्रीय खेलों में अपने खिताब का बचाव किया। तमिलनाडु का प्रतिनिधित्व कर रहीं भवानी देवी ने महिलाओं की साबरे स्पर्धा में केरल की एस सौमेया को 15-5 से हराया। इससे पहले भवानी ने 2022 में गुजरात में हुए राष्ट्रीय खेलों में स्वर्ण पदक जीता था। हिमाचल प्रदेश की शिखा बलौरिया और पंजाब की जगमीत कौर ने कांस्य पदक जीते।

बाबू ने दिलाया गोवा को पहला पदक : बाबू गांवकर ने मॉर्डन पेंटाथलान में मेजबान गोवा को पहला गोल्ड मेडल दिलाया। हरियाणा के अजय और रवि ने क्रमश: रजत और कांस्य पदक जीता। उसके बाद बाबू ने सीता गोसावी के साथ मिश्रित रिले में रजत पदक दिलाया। हरियाणा की अंजू और रवि की जोड़ी ने स्वर्ण जबकि महाराष्ट्र की शाहजी और योगिनी सालुंके ने कांस्य पदक जीता। महिला वर्ग में हरियाणा की उज्जला ने स्वर्ण, महाराष्ट्र की योगिनी ने रजत और मध्यप्रदेश की नेहा यादव ने कांस्य पदक जीता। जिमनास्टिक की ऑलराउंड व्यक्तिगत स्पर्धा में हरियाणा के योगेश्व ने स्वर्ण, उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थ वर्मा ने रजत और सर्विसेज के गौरव कुमार ने कांस्य पदक जीता। महिला वर्ग में ओडिशा की प्रणति नायक ने स्वर्ण पदक जीता।

आर्यन ने प्रगनानंदा को बराबरी पर रोका, गुकेश ने भी पहली बाजी ड्रॉ खेली

नई दिल्ली । ग्रैंडमास्टर और विश्वकप रजत पदक विजेता आर प्रगनानंदा को फिडे ग्रैंड स्विस शतरंज टूर्नामेंट में हमवतन आर्यन चोपड़ा ने ड्रॉ पर रोका जबकि डी गुकेश ने अजरबैजान के रऊफ मामेदोव से पहले दौर में ड्रॉ खेला। दिल्ली के युवा ग्रैंडमास्टर चोपड़ा अंतरराष्ट्रीय सर्किट पर पहचान बनाने की कवायद में जुटे हैं। काले मोहरों से खेलते हुए उन्होंने प्रगनानंदा को बांधे रखा और आखिर में 33 चालों के बाद बाजी ड्रॉ रही। दूसरी ओर गुकेश ने मामेदोव को आक्रामक खेलने का मौका ही नहीं दिया। दोनों के बीच बाजी सिर्फ 23 चालों तक चली। इस बीच अमेरिका के फेबियानो कारूआना ने क्रोएशिया के इवान सारिच को हराया।

सरफराज ऑस्ट्रेलिया दौरे से फिर बन सकते हैं पाक टीम के कप्तान

कराची ।
विश्वकप में इस बार पाकिस्तान क्रिकेट टीम के खराब प्रदर्शन के बाद कप्तान बाबर आजम सबके निशाने पर हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि विश्वकप के बाद होने ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए उनकी जगह पर सरफराज अहमद, मुहम्मद रिजवान या शाहीन शाह आफरीदी को कप्तान बनाया जा सकता है। पाक टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे में तीन टेस्ट मैच खेलेगी। सरफराज अभी विश्व कप टीम का हिस्सा नहीं हैं पर वह आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2017 के विजेता कप्तान हैं और पिछले अनुभवों को देखते हुए उन्हें एक बार फिर सफेद और लाल गेंद क्रिकेट दोनों में कप्तानी की भूमिका निभाने मिल सकती है जबकि शाहीन को टी20 की कमान दी जा सकती है।

ये भी माना जा रहा है आजम कप्तानी का दबाव महसूस कर रहे हैं और एक बल्लेबाज के रूप में बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। वहीं अगर टीम किसी प्रकार

सेमीफाइनल में पहुंच जाती है तक भी बाबर को केवल लाल गेंद प्रारूप में कप्तानी के लिए भेजा जा सकता है। बाबर की अधिक आलोचना का कारण ये भी है कि उन्हें कप्तान के रूप में सारी ताकत और अधिकार दिए गए पर वह परिणाम नहीं दे पाये हैं। टीम में हमेशा उनकी पसंद के खिलाड़ी रहे हैं। उनके अधिकार को कम करने का कभी कोई प्रयास नहीं किया गया है और इसलिए अब एशिया कप और विश्व कप में हार के लिए बाबर को पूरी तरह से जिम्मेदार माना जा रहा है। वहीं इसी बीच पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) प्रमुख जका अशरफ ने ऑस्ट्रेलिया दौरे और टी20 विश्व कप 2024 से पहले पाकिस्तान पुरुष क्रिकेट की योजनाओं पर चर्चा करने के लिए मुख्य चयनकर्ता इंजमाम-उल-हक और पूर्व खिलाड़ियों मुहम्मद यूसुफ और आकिब जावेद से मुलाकात की।

स्मिथ ने बताया अपनी सफलता का रहस्य

नई दिल्ली ।
ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने विश्वकप में अपनी लय हासिल करने के तरीके के बारे में बताया है। स्मिथ शुरुआती चार मैचों में असफल रहे थे पर इसके बाद नीदरलैंड के खिलाफ हुए मुकाबले में शानदार अर्धशतकीय पारी खेलकर लय हासिल की। स्मिथ को वर्तमान दौर के सबसे बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक माना जाता है। वह ऑस्ट्रेलिया के उन विशेष खिलाड़ियों में से एक हैं जो गति के साथ-साथ स्पिन खेलने में भी समान रूप से माहिर हैं। इसलिए दाएं हाथ के बल्लेबाज से मौजूदा विश्व कप 2023 के दौरान बड़ा प्रभाव डालने की उम्मीद थी जो पहली बार विशेष रूप से भारत में आयोजित किया जा रहा है। हालांकि उनके अभियान की शुरुआत आशाजनक नहीं रही और पहली चार पारियों में केवल 72 रन बनाने के बाद उन्होंने नीदरलैंड के खिलाफ अपनी लय हासिल की। स्मिथ ने कहा कि पारंपरिक लेग-स्टंप गार्ड का उपयोग करने और अपनी पकड़ को नीचे से ऊपर की ओर बदलने से उनकी फॉर्म में वापसी में सहायता मिली।

स्मिथ ने कहा, मैं लेग स्टंप की ओर थोड़ा पीछे चला गया। मेरे हाथ

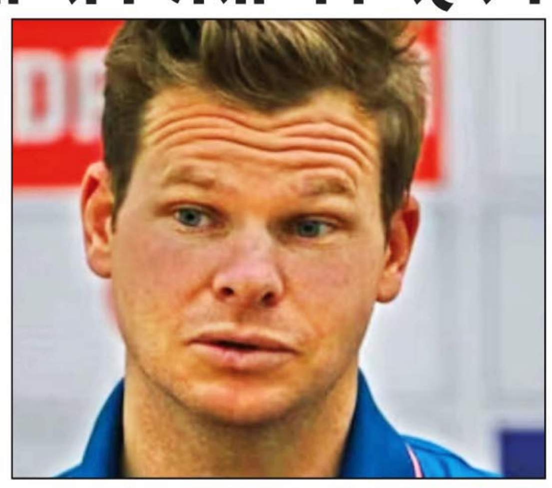

पिछले सप्ताह की तुलना में थोड़े ऊंचे हो गए हैं। किसी कारण से वे थोड़ा नीचे गिर गए हैं। मैंने इसे कल नेट्स में महसूस किया था और सबकुछ फिर से अपनी जगह पर आ गया। इस बल्लेबाज ने कहा कि मुझे लगा कि मैं वास्तव में काफी कठिन सतह पर गेंद को अच्छी तरह से खेलकर वापसी कर रहा हूं और अच्छा खेल रहा हूं और फिर एक हफ्ते के लिए मैं थोड़ा खो गया। इस खिलाड़ी ने कहा कि नीदरलैंड के खिलाफ मुकाबले से पहले मंगलवार को नेट्स पर बल्लेबाजी करने के बाद उन्हें अच्छा महसूस हुआ। स्मिथ ने कहा कि डच टीम के खिलाफ अपने अर्धशतक के दौरान वह अच्छी स्थिति में आ रहे थे और उम्मीद है कि वह विश्व कप 2023 में आने वाले खेलों में इस प्रदर्शन को जारी रखेंगे।

सुल्तान जोहोर कप में रिकॉर्ड पांचवां खिताब जीतने उतरेगी जूनियर टीम, पहली टक्कर पाक से

नई दिल्ली ।
पुरुष जूनियर एशिया कप जीतने के बाद भारतीय जूनियर हॉकी टीम शुक्रवार को यहां सुल्तान ऑफ जोहोर कप के पहले मैच में चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ जीत की लय बरकरार रखने के इरादे से उतरेगी। भारत को पूल बी में मलयेशिया, पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के साथ रखा गया है जबकि पूल ए में जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और ग्रेट ब्रिटेन को जगह मिली है।

जोहोर कप के गत चैंपियन भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ हुए पिछले मुकाबले में जून में जूनियर एशिया कप में 2-1 की जीत के साथ रिकॉर्ड चौथी बार खिताब जीता था। भारत ग्रुप चरण में मलयेशिया और न्यूजीलैंड से क्रमश: 28 और 30 अक्तूबर को भिड़ेगा। ग्रुप में शीर्ष दो में रहने वाली टीमों को सेमीफाइनल में जगह मिलेगी। भारतीय कप्तान उत्तम सिंह ने कहा, 'हम पाकिस्तान के खिलाफ जीत के साथ अपने अभियान की मजबूत शुरुआत करने और फाइनल तक अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखने के लक्ष्य के साथ

उतरेंगे।' उन्होंने कहा, 'हम अपनी सर्वश्रेष्ठ क्षमता के अनुसार प्रत्येक मैच में रणनीति लागू करने की कोशिश करेंगे।

भारतीय जूनियर टीम के लिए यह साल सफल रहा है जहां टीम ने सुल्तान ऑफ जोहोर कप का पिछला टूर्नामेंट जीतने के अलावा जूनियर एशिया कप का खिताब भी जीता। इसके बाद टीम ने हाल में जर्मनी में चार देशों के अंडर-21 टूर्नामेंट में भी अच्छा प्रदर्शन किया। यह टूर्नामेंट एफआईएच हॉकी जूनियर विश्व कप 2023 से पहले टीम को संयोजन को परखने और विभिन्न प्रतिद्वंद्वी टीमों का आकलन करने का मौका देगा।

एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में पहले मैच में भारत के सामने थाईलैंड, फाइनल पांच नवंबर को

नई दिल्ली । हाल ही में हुए एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक से चूकी भारतीय महिला हॉकी टीम शुक्रवार से यहां शुरू हो रही एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के जरिये इस मलाल को मिटाना चाहेगी और पहले मैच में उसके सामने थाईलैंड जैसी आसान चुनौती है। हांगझोऊ एशियाई खेलों के सेमीफाइनल में भारत

को चीन ने 4-0 से हराया लेकिन भारत ने जापान को 2-1 से हराकर कांस्य पदक जीता। खिताब की प्रबल दावेदार के रूप में एशियाई खेलों में स्वर्ण जीतकर सीधे पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई करने का लक्ष्य लेकर गई भारतीय टीम के लिए कांस्य निराशाजनक नतीजा रहा। अब एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के जरिये सविता पूनिया की कप्तानी वाली टीम के पास एशियाई खेल चैंपियन चीन और रजत पदक विजेता कोरिया से हार का बदला चुकता करने का सुनहरा मौका है। थाइलैंड के बाद भारत को 28 अक्तूबर को मलयेशिया से, 30 अक्तूबर को चीन से, 31 अक्तूबर को जापान और दो नवंबर को कोरिया से खेलना है। सेमीफाइनल चार नवंबर को और फाइनल पांच नवंबर को खेला जाएगा।

फल व सब्जियों के इन हिस्सों को न समझें बेकार

आपने यह तो सुना होगा कि फलों और सब्जियों को खाना सेहत के लिए बहुत ही लाभकारी होता हैं लेकिन कुछ सब्जियों और फलों के छिलके भी सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं। जो आपको कई तरह की बीमारियों से राहत दिलाते हैं। आज हम आपको बताएंगे कि इन फलों और सब्जियों के छिलके का हमारी सेहत से क्या संबंध हैं।

सेब का छिलका

ज्यादातर लोग सेब छीलकर खाते हैं लेकिन सेब के छिलके में भी शरीर के लिए जरूरी कई पोषक तत्व होते हैं। एक सेब के छिलके में औसतन चार मिलीग्राम क्वेरसेटिन होता है, जिसमें एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में पाया जाता है। इसकी वजह से कोशिकाएं स्वस्थ बनी रहती हैं।

संतरे का छिलका

यह पाचन में सुधार, गैस, उल्टी, हार्ट बर्न और अम्लीय डकार को दूर करने में मदद करता है। यह भूख बढ़ाता है और मतली से राहत दिलाने का काम करता है। इसके अलावा यह मोटे व्यक्तियों में हाई कोलेस्ट्रॉल को कम करता है।

गोभी की पत्तियां

गोभी की हरी पत्तियों को हम नजरअंदाज कर जाते हैं और गोभी की सब्जी बना कर खा जाते हैं। लेकिन इन हरी पत्तियों में विटामिन काफी मात्रा में पाया जाता है जो कि अन्य सब्जियों में बड़ी ही मुश्किल से प्राप्त होता है।

ब्रोकली की डंडी

हरी पत्तेदार सब्जियों में ब्रोकली सबसे ऊपर है क्योंकि लोग इसकी आवश्यकता को जानने लगे हैं। इसमें बहुत सारा एंटी ऑक्सीडेंट, फाइबर, कैल्शियम और मैगनीशियम पाया जाता है। इसको खाने से लो बीपी की समस्या कंट्रोल में रहती है।

अनार का छिलका

अनार के छिलके को धूप में सुखा कर पाउडर के रूप में तैयार करने के बाद इसे स्वच्छ पानी के साथ फांकने से पुरानी से पुरानी पेचिस जल्द ही खत्म हो जाती है। इस चूर्ण को तब तक लें जब तक समस्या पूरी तरह से ठीक ना हो जाए।

करेले का छिलका

करेले के छिलकों को निचोड़ कर नमक लपेट करके लगभग एक घंटे तक तेज सूर्य की किरणों में सुखाएं। फिर इसे तलकर इस्तेमाल में लाएं। यह मधुमेह की मार झेल रहे रोगियों के लिए औषधि के रूप में साबित होगा।

तरबूज का छिलका

तरबूज के छिलके को उतार कर कभी ना फेंके। इसमें मौजूद अमीनो एसिड को एल-सिट्रलाइन कहते हैं जो एथलीट की कार्यक्षमता को बढ़ाने के साथ ही मांसपेशियों के दर्द को भी दूर करता है। सिट्रलाइन रक्त में मौजूद नाइट्रोजन की मात्रा को हटाने में भी मददगार साबित होता है।

आलू का छिलका

आलू के छिलके खाने वालों के लिए यह जानना बहुत जरूरी है कि इसमें फाइबर पर्याप्त मात्रा में होता है जो स्किन के लिए काफी अच्छा माना जाता है। इसी के साथ इसमें विटामिन बी, विटामिन सी, आयरन, कैल्शियम भी काफी मात्रा में पाया जाता है। जो सेहत के लिए उपयोगी हैं।

ज्यादा नींबू पानी पीना हो सकता है खतरनाक

लोग अक्सर अपने सादे पानी को जरा से टेस्ट देने के लिए नींबू मिलाते हैं तो कुछ लोग खुद को पतला रखने के लिए नींबू पानी पीते हैं। लेकिन इसका ज्यादा सेवन करने से आपको कई नुकसान भी हो सकते हैं। यह आपको वेट लॉस प्लान का हिस्सा तो बन सकता है पर इसकी ज्यादा मात्रा आपको बीमार भी बना सकती है।

दांत बहुत ज्यादा संवेदनशील

नींबू में सिट्रस एसिड होता है। जिसके संपर्क में आने से दांत बहुत अधिक संवेदनशील हो जाते हैं। सिट्रस एसिड के भाव से दांतों की सबसे बाहरी परत को नुकसान पहुंचता है। जिससे कुछ भी ठंडा या गर्म खाने या पीने पर दांतों में झनझनाहट होने लग जाती है।

एसिडिटी की समस्या

अगर आपको पहले से ही गैस की समस्या है तो नींबू पानी का सेवन आपके लिए नुकसानदायक हो सकता है। नींबू पानी पीने से

एसिडिटी या गैस की समस्या बढ़ सकती है। जिसका असर पाचन क्रिया पर भी पड़ता है।

स्टोन का खतरा

नींबू में सिट्रस एसिड के अलावा ऑक्सलेट की भी पर्याप्त मात्रा होती है। नींबू पानी का ज्यादा सेवन करने से ये क्रिस्टल के रूप में शरीर में जमा हो जाता है। जिससे किडनी स्टोन होने का खतरा बढ़ जाता है।

पानी की कमी का खतरा

नींबू पानी पीने से बार-बार पेशाब आती है। जिससे डीहाइड्रेशन का खतरा बढ़ जाता है। डीहाइड्रेशन की स्थिति कई बार बहुत खतरनाक हो जाती है जिसमें पीड़ित की मौत भी हो जाती है।

हड्डियां कमजोर होती हैं

बहुत अधिक नींबू पानी पीने से हड्डियां कमजोर हो जाती हैं। नींबू में अम्लीयता होती है जिसकी वजह से हड्डियों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। ऐसे में कोशिश करें कि नींबू पानी का सेवन नियंत्रित मात्रा में चिकित्सक के परामर्श से करें।

वजन कम करने के साथ रोग से दूर रखती है लीची

•••• में कई स्वादिष्ट फलों का मजा लिया जा सकता है। इन्हीं में से एक है लीची। यूं तो लीची का उत्पादन मुख्य तौर पर चीन में होता है लेकिन अब दुनियाभर में कई देशों में होने लगा है।

•••••••• वैसे तो बहुत से फलों में फ्लेवर्ड और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं जो कि कैंसर से बचाने की क्षमता रखते हैं। लेकिन लीची में कीमोप्रोटेक्टिव इफेक्ट्स भी होते हैं। एक रिसर्च के मुताबिक, लीची ब्रेस्ट कैंसर के सेल्स को नष्ट करने में मदद करती है।

••••••••••• पोटैशियम एक मिनरल है जो कि ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है। हाइपरटेंशन से जूझ रहे लोगों को पोटैशियम से भरपूर लीची खाने की सलाह दी जाती है। एक कप लीची में 350 ग्राम तक पोटैशियम होता है।

••••••••••• स्ट्राबेरी के बाद लीची दूसरे नंबर पर एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर फूड माना जाता है। एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर फूड खाने से तनाव कम होता है और 50 फीसदी तक दिल की बीमारियां होने का खतरा कम हो जाता है।

•••••••• लीची में मात्र 125 कैलोरी होती है। इसमें फैट भी बहुत कम होता है। ऐसे में वजन कम करने के लिए लीची का सेवन किया जा सकता है।

विटामिन बी से भरपूर लीची में विटामिन के और ई भी पाया जाता है। इसके खाने से रेड ब्लड काउंट्स सही होते हैं। लीची अपने आप में एक नैचुरल पेन किलर है। ये डैमेज टिश्यूज को सही करता है, इम्यून सिस्टम बढ़ाना हो तो भी लीची का सेवन कर सकते हैं।

विटामिन सी से भरपूर लीची को रोजाना खाएंगे तो कोल्ड और फ्लू से होने वाली सिकनेस से बच सकते हैं। त्वचा को दमकाना है तो भी लीची का सेवन किया जा सकता है, यदि आप एक्ने की समस्या से गुजर रहे हैं तो गर्मियों में लीची का सेवन करना ना भूलें।

इन बातों को नजर अंदाज किया तो हो जाएंगे बीमार!

•••• स्वास्थ की कामना हर कोई करता है। सेहत खराब होने पर परेशानी अलग से उठानी पड़ती हैं और खर्चा अलग से करना पड़ता लेकिन क्या हम सच में अपनी सेहत को लेकर फिक्रमंद हैं? हमारा लाइफस्टाइल तेजी से बदलता जा रहा है। खाने पीने, उठने-बैठने की आदतें बदलती जा रही हैं जो हमारी सेहत पर बुरा असर डाल रही हैं। अगर आप सेहतमंद रहना चाहते हैं तो इन बातों को अनदेखा न करें।

- लड़का हो या लड़की आजकल दोनों फॉर्मल शर्ट के साथ टाई का इस्तेमाल करते हैं लेकिन आपको बता दें कि कसी हुई टाई बांधने से आंखों की रोशनी पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।
- पेट की दिक्कत और चर्म रोग तेजी से बढ़ रहे हैं, जिसकी एक वजह है चाय और उसके साथ लिया जाने वाला नमकीन।
- बहुत ज्यादा झुककर पढ़ने से आंख, फेंफड़े और रीढ़ की हड्डी पर बुरा असर पड़ता है।

- सिगरेट-तंबाकू जैसे नशीले पदार्थों का सेवन करने से दिमाग की हजारों कोशिकाएं नष्ट होती हैं जिनका पुनर्निर्माण कभी नहीं होता।
- पेट बाहर निकलने का मुख्य कारण खाने के बाद तुरंत पानी पीना। खड़े होकर या कुर्सी पर बैठकर खाना। भोजन हमेशा जमीन पर बैठकर करें। भोजन के तुरंत बाद पानी पीना कई गंभीर रोगों को आमंत्रण देना है।
- फ्रिज से तुरंत निकला ठंडा पदार्थ खाने से बड़ी आंत सिकुड़ती है।
- भोजन के तुरंत बाद नहा लेने से पाचन शक्ति खराब होती है। इसी तरह भोजन के पश्चात ज्यादा मेहनती काम करने से भी पाचनशक्ति कमजोर होती है।
- भोजन करने के पश्चात मूत्र त्याग अवश्य करे। ऐसा करने से अनावश्यक गर्मी, कब्ज और पथरी से बचा सकता है।
- जब कुल्ला करें तो आंखों को जरूर धोएं। भोजन के बाद हाथ धोकर गीले हाथ आंखों पर लगाएं। यह आंखों को गर्मी से बचाता है।
- तली चीजों, फल, दूध से बनी मिठाई खाने के तुरंत बाद पानी न पीएं।
- हमेशा सिर से नहाना शुरू करें। अगर सिर नहीं धो रहे तो पहले मुंह धोएं। पहले पैरों पर पानी डालने से गर्मी का प्रवाह ऊपर की ओर होता हैं जो आंख, दिमाग जैसे संवेदनशील अंगों को क्षति पहुंचाता है।
- नहाने के कुछ पहले एक गिलास ताजा पानी पीएं। इससे हाई ब्लड प्रैशर की समस्या काफी हद तक दूर हो जाएगी।
- काफी लेट सोने से इम्युन सिस्टम कमजोर होने लगता है।
- खड़े होकर पानी पीने से घुटनों और जोड़ों के रोग होते हैं। इसी तरह खड़े होकर मूत्र त्याग करने से रीढ़ की हड्डी के रोग हो सकते हैं।
- खांसी, छींक, जम्हाई, बाथरूम, आंसू आदि को कभी न रोकें। इनके रोकने से गंभीर रोग हो सकते हैं। भूख लगने पर खाना जरूर खाएं। सुबह खाली पेट पानी जरूर पीएं। यह हमें बहुत सारी बीमारियों से दूर रखता है।
- जितना हो सके तनाव, चिंता और ज्यादा सोच-विचार से दूर रहें। संपूर्ण नींद लें।

जानें क्या है अकिलीज टेन्डिनोपैथी

••• के ऊपर के ऊतकों में मुख्य रूप से दो प्रकार की चोट लग सकती है, पहली अकिलीज टेन्डिनोपैथी और दूसरी अकिलीज टेंडन रप्चर अर्थात स्नायुजाल का फट जाना। चलिए अकिलीज टेन्डिनोपैथी या स्नायुजाल के दर्द के बारे में विस्तार से जानें।

कई तरह के दर्द

अकिलीज टेन्डिनोपैथी आमतौर पर अकिलीज टेंडिनाइटिस या स्नायुजाल की समस्या नाम से भी जानी जाती है। एड़ी के ऊपर के ऊतकों में मुख्य रूप से दो प्रकार की चोट लग सकती है, पहली अकिलीज टेन्डिनोपैथी और दूसरी अकिलीज टेंडन रप्चर अर्थात स्नायुजाल का फट जाना। अकिलीज टेन्डिनोपैथी के लक्षणों में एड़ी के ऊपर वाले संयोजी ऊतकों में साधारण से तेज दर्द होता है। हर व्यक्ति में इस दर्द के लक्षण अलग-अलग हो सकते हैं।

किसको अधिक होती है यह समस्या

अकिलीज टेंडन का दर्द का सामना उन लोगों को ज्यादा करना पड़ता है, जो स्नायुजाल का अधिक उपयोग करते हैं, मसलन उछलने, कूदने या दौड़ने आदि गतिविधियां अधिक करते हैं, जैसे कि एथिलीट या कोई अन्य खिलाड़ी। आमतौर पर अचानक से बहुत ज्यादा पैरों की गतिविधि वाला कार्य करना शुरू करने वाले 30 से 50 वर्ष की आयु वर्ग के लोगों में ये अधिक देखने को मिलता है।

अकिलीज टेन्डिनोपैथी के लक्षण

अकिलीज टेंडन अर्थात स्नायुजाल की समस्या के लक्षणों को अकिलीज टेन्डिनोपैथी के लक्षण और अकिलीज टेंडन रप्चर को दो वर्गों में बांटा कर समझा जा सकता हैं। इनके लक्षणों में निम्न शामिल होते हैं।

- एड़ी की पीछे, स्नायुजाल वाले भाग में सूजन या बिना सूजन के दर्द (हल्का व तेजह्य दोनों हो सकता है) होना।
- सुबह के समय स्नायुजाल क्षेत्र में चिपचिपापन होना।
- एड़ी में जोड़ में अकड़न होना।
- पैरों को हिलाने-डुलाने में दिक्कत महसूस होना या पैर का बार-बार शिथिल हो जाना।

अकिलीज टेंडन रप्चर के लक्षण

अकिलीज टेंडन रप्चर में अचानक तेज दर्द (मानो टेंडन पर बहुत जोर से चोट लगी हो) होता है। जब टेंडन में रप्चर होता है तो रेप्चर वाले स्थान पर उभार जैसा आ जाता है। इसके अलावा इसके लक्षणों में सूजन होना और सूजन वाली जगह का रंग नीला हो जाना, एडी में तीव्र दर्द होना तथा पैर में इतना दर्द कि पैर को नीचे भी न रखा जाए आदि शामिल होते हैं। अगर स्नायुजाल में मामूली चोट लगी हो तो व्यक्ति चल-फिर सकता है और ऐसे में दर्द भी कम होता है।

रेसिपी

सब्जी का सालन

सामग्री

1 1/2 कप कटी और उबली हुई मिली-जुली सब्जिया, 2 स्पून तेल, 1/2 कप बारीक कटे हुए प्याज, 1 स्पून हरी मिर्च का पेस्ट, 1 स्पून लाल मिर्च पाउडर, 1/2 स्पून हल्दी पाउडर, 1/2 कप ताज़े टमाटर का पल्प, 3/4 कप फेंटा हुआ दही,1/2 कप नारीयल का दूध, एक चुटकी शक्कर, नमक स्वादअनुसार, **पीसकर सूखा पाउडर बनाने के लिए:** 3 लौंग, 3 कालीमिर्च, 3 इलायची, 1/2 टी-स्पून जायफल पाउडर

विधि

कढ़ाई में तेल गरम करें, प्याज़ डालकर मध्यम आंच पर 2-3 मिनट या प्याज़ के पार्दर्शी होने तक भुन लें। हरी मिर्च का पेस्ट, लाल मिर्च पाउडर और हल्दी पाउडर डालकर कुछ सेकेन्ड तक मध्यम आंच पर भुनें। प्याज़ को जलने से बचाने के लिए थोड़ा पानी छिड़कें। टमाटर का पल्प और दही डालकर अच्छी तरह मिलाए और लगातार हिलाते हुए, धीमी आंच पर 2-3 मिनट तक पकाएं। मिली-जुली सब्जियां और नारीयल का दूध डालकर अच्छी तरह मिलाएं और उबाल लें। ढ़ककर, बीच-बीच में हिलाते हुए 3-4 मिनट तक पकाऐं। सूखा पाउडर, शक्कर और नमक डालकर अच्छी तरह मिलाएं और बीच-बीच में हिलाते हुए और 1 मिनट तक पकाऐं। गरमा गरम परोसें।

चीज़ कॉर्न बॉल्स रैप

सामग्री

चीज़ कॉर्न बाल्स् के लिए: 2 स्पून मक्खन, 2 1/2 स्पून मैदा, 1/2 कप दुध, 3/4 कप क्रश किए मकई के दानें, 2 स्पून हरी मिर्च, 1/3 कप चीज, नमक स्वादानुसार, **सालसा के लिए:** 2 स्पून तेल, 2 स्पून लहसुन पेस्ट, 2 स्पून हरी मिर्च का पेस्ट, 1/2 कप हरी प्याज के सफेद भाग, 1/2 कप शिमला मिर्च, 1 कप कटे टमाटर, 1/2 स्पून विनेगर, 1/2 स्पून ऑरेगानो, नमक स्वादअनुसार, 4 रोटी, 2 कप कटा हुआ लैट्यूस, 8 स्पून क्रश किए हुए कॉर्न चिप्स

विधि

चीज़ कॉर्न बाल्स् के लिए: एक गहरे नॉन-स्टिक पैन में मक्ख़न गरम करें और आटा डालकर एक मिनट तक पका लें। दुध डालकर, धीमी आंच पर, मिश्रण के गाढ़ा होने तक और पैन के किनारों से अलग होने तक, लगातार हिलाते हुए पका लें। ठंडा करने एक तरफ रख दें। क्रश की हुई मकई, हरी मिर्च, चीज़ और नमक को गाढ़े दुध में डालकर अच्छी तरह मिलाएं। मिश्रण को 12 बराबर भाग में बांटकर, प्रत्येक भाग को गोल बॉल बना लें। प्रत्येक बॉल को ब्रेड क्रम्बस् में रखकर सभी तरफ से लपेट लें। कढ़ाई में तेल गरम करें, और बॉल्स् को मध्यम आंच पर उनके सभी तरफ से सुनहरा होने तक तल लें। तेल सोखने वाले कागज़ में निकालकर एक तरफ रख दें। **पके हुए सालसा के लिए:** गहरे पैन में तेल गरम करें, लहसुन का पेस्ट, हरी मिर्च का पेस्ट, हरी प्याज़ के सफेद भाग और शिमला मिर्च डालकर, प्याज़ के पार्दर्शी होने तक मध्यम आँच पर भुन लें। टमाटर, विनेगर, ऑरेगानो और नमक डालकर हल्के हाथों मिलाएं और मध्यम आंच पर, लगातार हिलाते हुए 2-3 मिनट तक पकाएं। एक तरफ रखें। **आगे बढ़ने की विधी:** रोटी को साफ सूखी जगह पर रखें और बीच में 1/2 कप लैट्यूस रखें। ऊपर 3 चीज़ बॉल्स् रखें। पके हुए सालसा का 1/4 भाग और 2 टेबल-स्पून क्रश किए हुए कॉर्न चिप्स् छिड़कें और अच्छी तरह रोल कर बंद कर लें। बचे हुए सामग्री का प्रयोग कर 3 और रैप बनाएं। प्रत्येक रैप पर टीशू पेपर लपेटकर तुरंत परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम • फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**